news@group5.in group5news group5news
www.group5news.com
सदैव आपके साथ...
हिन्दी दैनिक
ग्रुप-5 समाचार
www.group5news.com/epaper
लखनऊ || मंगलवार || 22 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंक : 122 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 पाकिस्तान में हिंदू मंत्री खील दास पर हमला ज्यादा
» 08 भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना
» 11 मालविका मोहनन ने खोले साउथ इंडस्ट्री के राज

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार संग देखा अक्षरधाम मंदिर

● शाम को पीएम मोदी ने किया डिनर होस्ट, 4 दिन के भारत दौरे पर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को पत्नी उषा, बच्चों इवान, विवेक और मीराबेल के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर गए। वे वहां करीब 1 घंटे रुके। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है। वे 4 दिन भारत में रहेंगे। वेंस का प्लेन सुबह 9.45 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें रिसीव किया। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वेंस, उनकी पत्नी और बच्चों के

सामने कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने शाम को वेंस और उनके परिवार के लिए डिनर होस्ट किया। वेंस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की। अक्षरधाम मंदिर देखने के बाद जेडी वेंस अपने परिवार के साथ दिल्ली के जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम देखने के लिए गए। यहां पर भारतीय हस्तशिल्प के उत्पाद मिलते हैं।

उषा वेंसः आंध्र की बेटी, अमेरिका की हस्ती

उषा वेंस, जिनका जन्म उषा चिलुकुरी के नाम से हुआ, भारतीय मूल की एक प्रेरक शख्सियत हैं। उनका परिवार आंध्र प्रदेश के वडलुरू गांव से है। उनके दादाजी रामशास्त्री चिलुकुरी आईआईटी मद्रास में फिजिक्स के प्रोफेसर थे। उषा के माता-पिता, राधाकृष्ण कृष चिलुकुरी और लक्ष्मी चिलुकुरी, 1970 के दशक में अमेरिका चले गए। उनकी मां सैन डिएगो यूनिवर्सिटी में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी की प्रोफेसर और प्रोवोस्ट हैं, जबकि पिता सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पढ़ाते हैं। उषा और उनकी बहन श्रेया कैलीफोर्निया में धार्मिक माहौल में पली-बढ़ीं। उषा ने येल यूनिवर्सिटी से लॉ किया है।

पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन

● वेटिकन ने की आधिकारिक घोषणा, ईस्टर के एक दिन बाद ली अंतिम सांस

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया है। वेटिकन के कैमर्लेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने बताया है कि पोप फ्रांसिस ने रोम के समय के हिसाब से सोमवार सुबह 7.35 बजे अंतिम सांस ली। वह 88 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। फेरेल ने अपने बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन गॉड और चर्च की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने लोगों को

हमेशा प्रेम और साहस के साथ जीने का पाठ पढ़ाया। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद अब नए पोप का चुनाव किया जाएगा। कार्डिनल मिलकर नए पोप का चुनाव करेंगे। पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। उनका असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो था। उन्होंने 13 मार्च 2013 को पोप का पद संभाला था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का सर्वोच्च धर्म गुरु का पद है। रोम के बिशप और वैटिकन के राज्याध्यक्ष को पोप कहा जाता है।

2027 से पहले यूपी से दिल्ली तक सक्रिय हुआ आरएसएस

● यूपी चुनाव से पहले अखिलेश के पीडीए की भी खोज ली है काट! ● बीजेपी के संगठन में बदलाव के संकेत, सामाजिक समरसता पर काम ● मोहन भागवत ने उत्तर प्रदेश में 'पंच परिवर्तन' पर कर लिया है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उत्तर प्रदेश में मिली कम सीटों के बाद लगता है आरएसएस 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गया है। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण को टक्कर देने के लिए आरएसएस सामाजिक समरसता और वैचारिक रणनीति पर काम कर रहा है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 'पंच परिवर्तन' की बात की है। इसका मतलब है समाज में पांच बुनियादी बदलाव लाना। आरएसएस बीजेपी के संगठन को मजबूत करने और सामाजिक समीकरणों को साधने में लगा रहा है। यूपी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने स्वयंसेवकों को जो संदेश दिए हैं, उससे यही लगता है कि उसे अखिलेश यादव के पीडीए मॉडल की काट मिल गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में

बीजेपी को बड़ा झटका लगा था। समाजवादी पार्टी के पीडीए समीकरण ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। सपा और उसके गठबंधन को 44 सीटें मिलीं।

'संघ' का सामाजिक समरसता वाला संदेश

मोहन भागवत ने 'एक कुआं, एक मंदिर, एक श्मशान' की बात दोहराई है। यह नारा उसी कोशिश का प्रतीक है, जो दलितों और पिछड़ों को हिंदू समाज के अंदर एकजुट करने की दिशा में जाती है। यह पहल सिर्फ सामाजिक नहीं है। बल्कि राजनीतिक भी है। क्योंकि इससे पीडीए जैसे समीकरणों को सामाजिक स्तर पर चुनौती मिल सकती है। दरअसल, आरएसएस संस्कृति के जरिए सामाजिक समरसता का संदेश देना चाहता है। भागवत ने साझा भोजन, सामूहिक त्योहार, और पारिवारिक हवन जैसे प्रतीकों के जरिए यह बताने की कोशिश की कि सांस्कृतिक जुड़ाव कैसे सामाजिक दूरियों को मिटा सकता है।

चुनाव में गड़बड़ी साफ दिख रही, ईसी ने किया समझौता

● राहुल अमेरिका में बोले-महाराष्ट्र चुनाव पर उठाया सवाल ● कहा-शाम 5.30 से 7.30 के बीच 65 लाख वोट कैसे पड़े

बोस्टन (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के बॉस्टन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने रविवार शाम भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह साफ है कि भारतीय चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। इस सिस्टम में कुछ गड़बड़ी है। राहुल 2 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल गांधी शनिवार देर रात को अमेरिका के बॉस्टन एयरपोर्ट पर उतरे थे। वे यहां रोड आईलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे, जहां वे फैकल्टी और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस

नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी एक्स पर दी थी। राहुल बोले- मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र में जितने बालिग नहीं हैं, उससे ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने हमें साढ़े पांच बजे वोटिंग का आंकड़ा बताया। इसके बाद 5.30 से शाम 7.30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई।

चिराग का सियासी धमाल, टेंशन में होंगे नीतिश कुमार

● बिहार चुनाव में फिर बवाल काटेंगे मोदी के हनुमान!

पटना (एजेंसी)। लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एक बार फिर चर्चा में हैं। उनका अंदाज भले ही नया हो, लेकिन लक्ष्य पुराना है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर नीतीश कुमार के कद को छोटा किया था। अब उनके बदले हुए तेवर से जेडीयू को फिर से खतरे में डालते दिख रहे हैं। चिराग पासवान की असली मंशा क्या है, यह एक बड़ा सवाल है। दरअसल, चिराग पासवान ने एक बयान

दिया था, जिससे यह धमाल मचा हुआ है। उन्होंने कहा था कि बिहार मुझे बुला रहा है। मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहा है। सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण मेरे लिए एक विधायक की भूमिका होगी, जहां मैं अपने राज्य के लिए ज्यादा कार्य कर सकूं। इस बयान के बाद यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि चिराग मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वह इसके लिए अन्य दलों से गठबंधन करके चुनाव में तीसरा कोण बनाएंगे। लेकिन सच्चाई कुछ और ही है।

'दीदी' के कोलकाता को 'मोदी' का मिलने जा रहा है खास तोहफा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं ममता बनर्जी। लोग उन्हें 'दीदी' के नाम से जानते हैं। दीदी के कोलकाता को केंद्र सरकार की तरफ से एक खास तोहफा मिलने जा रहा है। दरअसल, भारतीय रेलवे नई दिल्ली और हावड़ा के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने जा रहा है। यह इस रूट पर यह तीसरी प्रीमियम सर्विस होगी। इससे पहले राजधानी

भारतीय रेलवे शुरू कर रहा है नई ट्रेन, नाम होगा 'वंदे भारत स्लीपर'

एक्सप्रेस और दुरंतो एक्सप्रेस भी इस रूट पर चल रही हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सितंबर 2024 में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का अनावरण किया था। इसे रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की टेक्नोलॉजी से बनाया है। इस बीच, इसका ट्रायल राजस्थान के कोटा में कर लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वंदे भारत स्लीपर वर्जन की पहली गाड़ी नई दिल्ली और हावड़ा के बीच चलाई जाएगी। इसके लिए आईसीएफ में इस ट्रेन का दो रैक तैयार कर लिया गया है। गौरतलब है कि देश की पहली राजधानी एक्सप्रेस भी इसी रूट पर चलाई गई थी।

मुर्शिदाबाद से लेकर अवमानना तक हुई 'सुप्रीम' सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या हम राष्ट्रपति को आदेश दें

केंद्रीय बलों की तैनाती से इनकार, वकील के दावों पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका सहि अवमानना के मामले पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर

गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें। हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं।

अवमानना याचिका के लिए हमारी जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- याचिका दायर करने के लिए कोर्ट की मंजूरी की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होगी। याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि निशिकांत ने सीजेआई और न्यायपालिका का अपमान किया है। क्या वह निशिकांत के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर कर

सकता है। इसके बाद एडवोकेट अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना की इजाजत मांगी। दरअसल, भाजपा सांसद दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाने हैं तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

जस्टिस वर्मा बेंच के मुकदमों की सुनवाई अब दोबारा होगी

● 50 से अधिक मामले पेंडिंग, घर से 500-500 के अधजले नोटों से भरी बोरियां मिली थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा सुने जा रहे 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नए सिरे से होगी। हाई कोर्ट ने इसकी जानकारी एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिस में 52 मामलों की लिस्ट दी गई है, जिनमें सिविल रिट याचिकाएं भी शामिल हैं। ये मामले 2013 से 2025 तक के हैं। इनमें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित एनडीएमसी अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 22 याचिकाएं शामिल हैं। जस्टिस वर्मा से 23 मार्च को न्यायिक कार्यभार वापस ले लिए गए थे।

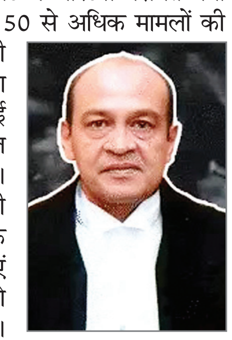

इसके बाद से वकील इन मामलो को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी. के. उपाध्याय के सामने पेश कर रहे थे। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश मांग रहे थे।

ओकेंद्र का ऐलान-समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मिलेंगे

रामजीलाल सुमन और अखिलेश यादव की फोटो पोस्ट की, कैप्शन में लिखा-जल्द फिर रुलाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सपा सांसद रामजीलाल सुमन और करणी सेना के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रामजीलाल सुमन से मुलाकात के बाद करणी सेना युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में अखिलेश यादव और रामजीलाल सुमन की एक फोटो के साथ कैप्शन में लिखा- आज आप हंस रहे हो, हमारे समाज का अपमान

करके। जल्द तुम रोओगे और वही समाज हंसेगा। अगली बार अखिलेश रोयेगा, सपा पार्टी के घटिया नेता रोयेंगे। समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मुलाकात होगी। 24 मार्च को पूरा देश देख रहा था, आपके घर की नींव हिलाकर गया था। घर से चिल्लाने की आवाजें निकलवाकर आया था। फिर 12 अप्रैल को सांसद सुमन का घर भारत-पाकिस्तान की सीमा सरहद जैसा बनवाकर गए थे। फिर पुलिस सिक्योरिटी की गुहार करोगे सरकार से। राष्ट्रपति जी को पत्र लिखकर फिर रोओगे तुम सुमन। अब फिर हंस रहे हो- तो जल्द फिर रूला देंगे।

वह तो सारा देश को पता लग गया कि सुमन को मोहरा बनाया था अखिलेश ने। कोई बात नहीं, अगली बार अखिलेश रोयेगा, सपा पार्टी के घटिया नेता रोयेंगे...समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मुलाकात होगी।

महाराष्ट्र में मराठी को प्राथमिकता हिंदी नहीं थोपी जाएगीः सीएम

● मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बोले-भाषा सीखना है महत्वपूर्ण

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हिंदी भाषा को राज्य पर थोपा नहीं जा रहा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि मराठी के बजाय हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। मराठी भाषा अनिवार्य है। उन्होंने कहा- नई शिक्षा नीति में कहा गया है कि छात्रों को पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति ने तीन भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान किया है। भाषा सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भारतीय होनी चाहिए। मराठी को पहले से ही अनिवार्य किया जा रहा है। आप हिंदी, तमिल, मलयालम या गुजराती के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं ले सकते।

दलितों पर अत्याचार के मामले में भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर : अखिलेश

- दलितों को आज कहना चाहिए-हमें भाजपा नहीं चाहिए!
- भाजपा नेता आजादी से पहले की मानसिकता के साथ काम कर रहे

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि भाजपा के कार्यकाल में राज्य दलितों पर अत्याचार के मामले में शीर्ष पर पहुंच गया है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दलितों पर अत्याचार के मामले में भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश नंबर एक बन गया है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि दलितों, विशेषकर दलित महिलाओं के खिलाफ अधिकातर अपराध उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों होते हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा मूलतः परंपरागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी है और वर्चस्ववादी भाजपाइयों की बुनियादी सोच सामंतवादी है जिसमें गरीबों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आधी आबादी (महिलाओं) और आदिवासियों के लिए अपमान एवं जलालत के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता आजादी से पहले की मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं और वे संविधान के विरोधी हैं। यादव ने कहा कि भाजपा में संगठन और सरकार के प्रमुख पदों पर हमेशा ही केवल कुछ खास लोग ही विराजमान रहते हैं और दौड़-भाग, डंडा-झंडा, बैनर-दरी के काम औरों को दे दिए जाते हैं। यादव ने आरोप लगाया कि दलितों और अन्य पिछड़ी जातियों को भाजपा में प्रतीकात्मक पद दिए जा सकते हैं, लेकिन उन्हें कभी वास्तविक अधिकार नहीं सौंपे जाते। उन्होंने कहा कि उनके नाम से चुनाव लड़े जाते हैं लेकिन मुख्यमंत्री तो छोड़ो, उन्हें और भी कोई कुर्सी नहीं दी जाती। यादव ने दलित समुदाय से भाजपा को खारिज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दलितों को आज कहना चाहिए-हमें भाजपा नहीं चाहिए!

जिसको उसी के दल ने ख़ारिज किया, वह संवैधानिक पदों पर रह चुके अधिकारी पर न बोलें

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी को 'मुस्लिम आयुक्त' बताने वाले विवादास्पद बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिसको उसके दल ने खारिज कर दिया हो, वह संवैधानिक पदों को सुशोभित कर चुके अधिकारी के बारे में मुंह न खोले, उसी में उसकी इज्जत है। सपा प्रमुख यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर भाजपा सांसद दुबे पर संकेतों में तंज कसते हुए एक पोस्ट में कहा जिसको उसी के तथाकथित अपने दल ने यह कहकर ख़ारिज कर दिया हो कि उसका विचार व्यक्तिगत है और इस लायक नहीं कि उसकी पुष्टि या समर्थन किया जाए, वह सांविधानिक पद पर सेवाएं दे चुके एक सेवानिवृत्त उच्चाधिकारी के बारे में मुँह न खोले, उसी में उसकी इज़्ज़त है।

ट्रांसपोर्टर्स को आ रहीं कई तरह की समस्याएं, प्रभावित हो रहा है काम

अधिकारियों के सामने उठाईं दिक्कतें

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। परिवहन विभाग की ज्यादातर सेवाएं ऑनलाइन हो गई हैं। ऑनलाइन काम कराने में दिक्कत न हो इसे लेकर ट्रांसपोर्ट व्यवसाईयों को जागरूक करने के लिए सोमवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ कार्यालय के फिटनेस सेंटर पर वर्कशाप आयोजित की गई। इस वर्कशॉप में ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी तमाम तरह की समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। आरटीओ ने भरोसा दिया कि ट्रांसपोर्टर की सभी तरह की दिक्कतें दूर की जाएंगी। उन्हें किस काम के लिए कैसे ऑनलाइन आवेदन करें, इसका डेमो भी दिया गया। एचपीए की भी सुविधा हो ऑनलाइन ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरप्रीत भाटिया ने कहा कि वर्कशॉप में काफी चर्चाएं हुई हैं। हमारी कई सारी समस्याएं हैं जो अभी पेंडिंग हैं। अधिकारियों ने बताया कि सरकार इन समस्याओं को समाप्त करने के लिए काम कर रही है। फिटनेस को लेकर तमाम तरह की समस्याएं आती हैं, इसे लेकर अधिकारियों को जानकारी दी गई कि हमें दलालों को पैसा देकर अपना काम करवाना होता है इससे काफी नुकसान होता है। परमिट में काफी समस्या आती है। टेंपरेरी परमिट तो फेसलेस कर सकते हैं लेकिन रेगुलर परमिट के लिए हम लोग को आरटीओ कार्यालय आना जरूरी है। फाइनेंस गाड़ियों के लिए जो एचपीए कटता है उसके लिए सेवाएं ऑनलाइन की गई थीं, लेकिन कुछ फर्जीबाड़ा हो गया। इसके चलते यह सुविधा रोक दी गई जिससे समस्याएं बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि इन समस्याओं को जल्द खत्म किया जाएगा।

कंपनियों की गाड़ी का भी काम होना चाहिए फेसलेस

ट्रांसपोर्टर भूपेश चंद्र मिश्रा का कहना है कि फिटनेस को लेकर बड़ी समस्याएं आती हैं। दलालों की बड़ी संख्या है। हम डायरेक्ट विभाग से जुड़ना चाहते हैं। मोटर मालिक और विभाग का सीधा संपर्क होना चाहिए। हमारी समस्याएं सीधे सुनी जानी चाहिए। फिटनेस ग्राउंड पर काम डिस्टर्ब हो रहा है। गाड़ियां फेल कर दी जाती हैं। इससे बड़ी समस्या होती है। बड़ा काम प्रभावित होता है। उनका कहना है कि लाइसेंस में अब बहुत ज्यादा समस्या नहीं बची है। वह काम अब सही हो गया है परमिट की मुख्य समस्या है। पर्सनल गाड़ियों का काम तो फेसलेस हो जाता है लेकिन कंपनियों की गाड़ी का काम फेसलेस नहीं है। उसमें सुधार की जरूरत है। इस पर भी फैसला करना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों से अनुरोध किया है। हमें उम्मीद है कि ट्रांसपोर्टरों की यह बड़ी समस्याएं जरूर दूर की जाएंगी।

क्या कहते हैं आरटीओ

लखनऊ ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ यहां पर वर्कशाप आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य है कि हमारी जो भी फेसलेस सेवाएं हैं, डिजिटल सेवाएं हैं इनका कैसे इस्तेमाल करें, उस पर कैसे आवेदन करें, कैसे उन सेवाओं का फायदा उठाएं इसके लिए आज यहां पर वर्कशाप आयोजित की गई। यहां पर डेमो दिया गया है। कई तरह के सवाल ट्रांसपोर्टर्स की तरफ से उठाए गए हैं उनके लिए आगे सुधारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

नेशनल परमिट को वापस एप परमिट कराने पर लैप्स हो रहा पैसा

संगठन के पदाधिकारी ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव का कहना है कि आरटीओ में जो दिक्कत आती है वह मोबाइल नंबर को लेकर आती है। वह मिसमैच होता है। नाम से संबंधित समस्याएं होती हैं। आधार को लेकर दिक्कतें होती हैं। इसके अलावा परमिट की बड़ी समस्या होती है। पहले हम रु1300 की रसीद कटवाते हैं उसके बाद हमें अप्रूवल लेने के लिए आरटीओ कार्यालय आना ही पड़ता है। स्लॉट टाइम सात दिन का है भला सात दिन कौन मोटर मालिक अपनी गाड़ी खड़ी कर सकता है। हमने निवेदन किया है कि इसका स्लॉट टाइम कम किया जाए। यह समस्या समाप्त कराई जाए। टैक्स तो अब ऑनलाइन कटा लेते हैं इसकी दिक्कत नहीं बची है। यूपीआई से भी सुविधा मिलने लगी है, लेकिन परमिट की समस्या मुख्य है। कंपनी की गाड़ियां जो खरीदी जाती हैं उनका काम फेसलेस नहीं हो पाता है क्योंकि कंपनी का कोई आधार नहीं होता है, इसलिए इसके लिए आरटीओ कार्यालय में ही आकर काम कराना होगा। उनका कहना है कि नेशनल परमिट की फीस पांच साल के लिए जमा होती है। अगर दो साल में नेशनल परमिट कैंसिल करना हो तो फिर वापस यूपी परमिट के लिए तीन साल का पैसा लैप्स हो जाता है तो मैंने यह भी मांग की है कि इस पैसे को भी एडजस्ट करना चाहिए। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह केंद्र सरकार से जुड़ा मामला है इसलिए इसमें उत्तर प्रदेश सरकार कुछ नहीं कर सकती है।

एसी कोच में कूलिंग ठप, पसीने से तर-बतर हुए यात्री, एक माह में दर्ज हुईं 190 से अधिक शिकायतें

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। ट्रेन से सफर के लिए गर्मी में यात्री एसी कोच का महंगा टिकट बुक करते हैं, लेकिन यात्रा के दौरान उन्हें झेलना पड़ रहा है। जनरल कोच से भी बदतर सुविधा एसी कोच की हो रही है। कूलिंग ठप होने से पसीने से तरबतर होकर यात्रियों को अपना सफर पूरा करना पड़ रहा है। इसे लेकर यात्री रेल प्रशासन को कोस भी खूब रहे हैं। पिछले एक माह में 190 के करीब ऐसी शिकायतें आई हैं जिनमें सफर के दौरान एसी टिकट होने के बावजूद यात्रियों को पसीना बहाते हुए यात्रा करनी पड़ी। उत्तर, पूर्वोत्तर व उत्तर मध्य रेलवे की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रिजर्वेशन के बाद भी सुविधाओं की कमी है। कोच में एसी कूलिंग नहीं होने से यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। हमसफर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में यात्रियों को कोच का दरवाजा खोलकर यात्रा करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे ही गोरखपुर मुम्बई एक्सप्रेस, लिच्छवी एक्सप्रेस, कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस और बेगमपुरा सहित दो दर्जन से अधिक ऐसी ट्रेनें हैं, जहां एसी कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों ने कूलिंग नहीं होने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। इससे रेलवे की खासी किरकिरी भी हुई है। दरअसल, एसी कोच में सात-सात टन के दो एसी लगे होते हैं, पारा 40 पार पहुंचते ही एसी कूलिंग में दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं। खासतौर पर दिन में चलने वाली ट्रेनों में शिकायतें ज्यादा ही आने लगती हैं। रेलवे बोर्ड ने एक माह के अंदर एसी कूलिंग से जुड़ी 190 शिकायतों पर उत्तर, पूर्वोत्तर और उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है।

कोच का तापमान रखें 24 डिग्री

रेलवे प्रशासन की तरफ से सभी रेलवे जोन को निर्देशित किया गया है कि गर्मी के दौरान दिन में संचालित होने वाली ट्रेनों में एसी का तापमान खासतौर पर 24 डिग्री सेल्सियस रखा जाए। हालांकि, रात में यात्रियों की सुविधा के अनुरूप 26 से 28 के बीच तापमान रखा जा सकता है।

एसी बसों में भी बढ़ने लगीं समस्याएं

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की लग्जरी एसी बसों की भी गर्मी में सांसें फूलने लगी हैं। एसी काम नहीं करने की शिकायतें यहां भी आ रही हैं। तुलनात्मक रूप से रेलवे से परिवहन में अभी शिकायतें कम ही हैं। हाल ही में कूलिंग नहीं होने की शिकायत आनंदविहार से गोरखपुर जा रही एसी जनरथ बस के यात्रियों ने की थी।

मंहगाई राहत की मांग 22 के धरना प्रदर्शन से किया किनारा

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से तत्काल मंहगाई भत्ता आदेश जारी करने की मांग करते हुए 22 अप्रैल को किसी अन्य कर्मचारी गुट द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन से किनारा किया है। उन्होंने कि हमारी समिति के अन्तर्गत लगभग 16 संघों का इस धरना प्रदर्शन से कोई लेना देना नही है। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के संयोजक एन पी त्रिपाठी तथा सह संयोजक प्रचार एवं उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के महामंत्री ओंकार नाथ तिवारी ने मुख्यमंत्री जी से माँग की है कि पेंशनर्स को देय मंहगाई राहत की किश्त तत्काल जारी की जाय। श्री तिवारी ने बताया कि 01 जनवरी 2025 से देय 02 प्रतिशत मंहगाई राहत दिए जाने का आदेश अभी तक जारी नहीं हुआ है जबकि कार्यरत कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता दिए जाने का आदेश पहले ही जारी हो चुका है।

लखनऊ में आईपीएल मैच की वजह से रूट डायवर्जन

- मंगलवार को इन रास्तों पर नहीं चलेंगे वाहन
- शहीद पथ पर भारी वाहन नहीं चल सकेंगे
- इकाना स्टेडियम के आसपास अवैध पार्किंग पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। इकाना स्टेडियम में 22 अप्रैल को आईपीएल मैच होगाव लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच भिड़ंत होगी। मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। इसे लेकर राजधानी के कई रास्तों पर शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। इसके अलावा कई रास्तों पर वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया है।

रोडवेज ववप्राइवेट बसें, व्यावसायिक वाहन

शहीद पथ पर रोडवेज, प्राइवेट बस और सभी व्यावसायिक वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। सुल्तानपुर रोड की ओर से आ रही बसें अमूल तिराहे से डायवर्ट होंगी, जबकि अर्जुनगंज कैंट से आने वाली बसें कटाई पुल से मोड़ी जाएंगी। नए ट्रैफिक प्लान के अनुसार केवल सिटी बसों का संचालन होगा। ये बसें शहीद पथ पर हुसड़िया और सुशांत गोल्फ सिटी के बीच नहीं रुकेंगी। सिटी बसें सड़क की दाईं ओर से चलेंगी।

निजी वाहन

जिनके पास वाहन पास होगा, वे चिन्हित रूट से पार्किंग स्थल तक पहुंचेंगे। बिना पास वाले वाहन भी उसी रूट से जाएंगे, लेकिन उन्हें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पार्किंग मिलेगी। दोपहिया वाहन केवल प्लासियों मॉल के पीछे पार्क होंगे।

ऑटो व ई-रिक्शा

शहीद पथ और उसकी सर्विस रोड पर ऑटो व ई-रिक्शा पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। अर्जुनगंज से आने वाले वाहन अहिमामऊ से बाएं मुड़कर पीएचक्यू व मातृत्व अस्पताल के पीछे से होकर गोमतीनगर जाएंगे। सुल्तानपुर रोड से आने वाले वाहन लुलु मॉल की ओर मोड़ दिए जाएंगे। अहिमामऊ से 500 मीटर के दायरे में सवारी न तो बैठाई जाएगी और न उतारी जाएगी। शहीद पथ पर हुसड़िया से सुशांत गोल्फ सिटी के बीच सवारी लेना-उतारना प्रतिबंधित है। एयरपोर्ट से आने वाले वाहन अहिमामऊ से पहले सवारी उतारेंगे। अर्जुनगंज की तरफ से आने वाले वाहन भी पीएचक्यू की ओर डायवर्ट किए जाएंगे।

इन बातों का भी रखना होगा ध्यान

वीवीआईपी स्कॉर्ट वाहनों की पार्किंग मॉल या पीएचक्यू के पीछे निर्धारित की गई है। स्टेडियम के आसपास अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई होगी। टिकट पर छपा क्यूआरकोड पार्किंग का मैप दिखाएगा। सुरक्षाकर्मियों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं, केवल टिकटधारकों को ही एंट्री मिलेगी।

सिक्का, ईयरफोन स्टेडियम में नहीं ले जा सकेंगे

स्टेडियम में टिकट की बिक्री नहीं होगी, हार्ड कॉपी अनिवार्य है। मैच शुरू होने से 3 घंटे पहले प्रवेश शुरू होगा। दूसरी पारी के बाद एंट्री बंद हो जाएगी। बाहर निकलने के बाद दोबारा प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सिक्का, ईयरफोन, ज्वलनशील पदार्थ आदि पर प्रतिबंध रहेगी। स्थानीय नागरिकों से अपील है कि वे ट्रैफिक भीड़ से बचने के लिए स्टेडियम न आएं।

मैच से पहले पहुंचें स्टेडियम

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा, ट्रैफिक पीक ऑवर शाम बजे से 8 बजे के बीच रहेगा। दर्शकों से अपील की गई है कि वे मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम पहुंच जाएं।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, 35 झुग्गियां हटाई

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। नगर आयुक्त के स्पष्ट आदेश के अनुपालन में नगर निगम जोन-2 द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध एक सघन अभियान चलाया गया। क्षेत्रीय पुलिस की उपस्थिति में वार्ड ऐशबाग अंतर्गत गोपीनाथ रस्तोगी इंटर कॉलेज के बाहर से लेकर गूंगा बहस स्कूल तक नाले पर 3.30 घंटे तक अवैध रूप से बनी झुग्गियों को हटाने की कार्यवाही की गई। इस अभियान के तहत नगर निगम ने कुल 35 अवैध झुग्गियों को हटाया। ये झुग्गियां वर्षो से नाले के ऊपर अतिक्रमण कर बनाई गई थीं, जिससे न केवल नाले की सफाई व जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि क्षेत्र में गंदगी और जलजमाव की समस्या भी बनी हुई थी। साथ ही, आग लगने या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में स्थानीय निवासियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना हुआ था।उक्त अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी सुश्री शिल्पा कुमारी ने किया, जिनके निर्देशन में यह कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं सुनियोजित ढंग से सम्पन्न की गई। अभियंत्रण विभाग जोन-2 के अवर अभियंता (जेई) उमेश पाल सिंह एवं वार्ड 296 की पूरी टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस दौरान एसआई जय किशन द्विवेदी व उनकी पुलिस टीम भी मौजूद रही।नगर निगम की टीम ने पहले से ही सभी झुग्गीवासियों को नोटिस जारी कर उचित समयावधि में स्थान खाली करने का निर्देश दिया था। कार्यवाही के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली संवेदनशीलता व विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत रही।

बार-बार चुनाव होना देश के लिए एक बड़ी समस्या : सुनील बंसल

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने सोमवार को कहा कि बार-बार चुनाव होना देश के लिए एक बड़ी समस्या, एक बड़ा मुद्दा है और विगत 30 वर्ष में भारत में एक भी साल ऐसा नहीं गया जब चुनाव न हुआ हो। बंसल सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सभागार में एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा बार-बार चुनाव होना देश के लिए एक बड़ी समस्या, एक बड़ा मुद्दा बना है। विगत 30 वर्ष में भारत में एक भी साल ऐसा नहीं गया जब चुनाव न हुआ हो। यानी लगातार 30 वर्षों से भारत में कहीं ना कहीं चुनाव होते रहते हैं। संगोष्ठी में युवाओं और छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी देश में कहीं कोई नया परिवर्तन होता है तो उसमें छात्रों, युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बंसल ने कहा कि देश और दुनिया के इतिहास को देखें तो हमेशा परिवर्तन की शुरुआत युवाओं और छात्रों ने की है। मेरा मानना है कि भविष्य में देश की राजनीति बदलेगी और उसकी भी शुरुआत आने वाले दिनों में युवा और छात्र ही करने वाले हैं। भाजपा महासचिव ने एक राष्ट्र-एक चुनाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद भारत ने लोकतंत्र को अपनाया और जहां लोकतंत्र है वहां चुनाव एक अनिवार्य हिस्सा है। लोकतंत्र है तो चुनाव होगा। बंसल ने कहा कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे तो देश में लंबे समय तक लोकतंत्र नहीं चल सकता। उन्होंने कहा लोकतंत्र के साथ चुनाव अनिवार्य है और चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से हो, यह भी उसके लिए आवश्यक है। लेकिन आजादी के बाद से अब तक लगातार एक के बाद एक चुनाव कराते रहना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि देश के पहले आम चुनाव में 17 करोड़ 32 लाख मतदाता थे, लेकिन 2024 में जो चुनाव हुआ उसमें 96 करोड़ से ज्यादा मतदाता हो गए। उन्होंने कहा बढ़ती हुई आबादी, बदलती हुई दुनिया, देश के 140 करोड़ लोगों की जनआकांक्षाएं... इन सबको ध्यान में रखकर देश में समय-समय पर बहुत सारे बदलाव हुए। खुशी की बात है कि बदलाव के क्रम में इस देश में फिर से (एक राष्ट्र-एक चुनाव की) चर्चा शुरू हुई है। देश में एक नई बहस शुरू हुई है कि क्या एक साथ सभी चुनाव करा कर समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। बंसल ने कहा कि दुनिया बदल रही है तो हम पुरानी व्यवस्था से नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि बदलती दुनिया और देश की आवश्यकता के अनुसार हमने कानून में भी बदलाव किया। उन्होंने कहा कि हमने देश की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था को बदला है, चुनाव की व्यवस्था को बदला है। उन्होंने कहा आज से कुछ साल पहले वाले मतपत्र से मतदान होता था लेकिन अब ईवीएम है। 18 वर्ष के युवा को मताधिकार का अधिकार मिल गया।

आईआरसीटीसी ने लांच किया मलेशिया का टूर पैकेज

गर्मी की छुट्टियों में अद्भुत पर्यटन स्थलों का उठा सकते हैं लुत्फ

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गर्मी की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं ऐसे में पर्यटक भारत के विभिन्न हिल स्टेशनों की तरफ जाना तो पसंद करते ही हैं विश्व के भी तमाम देशों के पर्यटन स्थल भी उन्हें खूब लुभाते हैं। ऐसे में अगर गर्मियों की छुट्टियों में मलेशिया जाने का बेहतरीन पैकेज मिल जाए तो सफर का मजा दोगुना हो सकता है। आईआरसीटीसी इसी तरह का एक पैकेज लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है जिससे पर्यटक इस खूबसूरत सफर का लुत्फ उठा सकते हैं। यात्रियों की मांग पर भारतीय रेलवे कैटरिंग और पर्यटन निगम मलेशिया टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें प्रमुख आकर्षणों में जेंटिंग हिल्स की यात्रा भी शामिल है। यह टूर उन सभी यात्रियों के लिए मौका है, जो मलेशिया के अद्भुत पर्यटन स्थलों का लुत्फ लेना चाहते हैं और जेंटिंग हिल्स के पहाड़ी स्थल की सैर करना चाहते हैं। यह पैकेज पांच रात और छह दिन का है। 29 मई से तीन जून तक का होगा।

यहां करा सकते हैं बुकिंग

यात्रा की बुकिंग गोमती नगर के पर्यटन भवन स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय और आईआरसीटीसी की बेवसाइट irctctourism.com पर ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। अधिक जानकारी और बुकिंग के लिये 7357177437, 8287930922 इन मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क किया जा सकता है।

क्या होंगी इस टूर की विशेषताएं

आईआरसीटीसी के चीफ रीजनल मैनेजर अजीत कुमार सिन्हा बताते हैं कि इस टूर में यात्रियों को लखनऊ से कुआलालंपुर जाने और कुआलालंपुर से लखनऊ आने की सीधी व्यवस्था फ्लाइट से की गई है। खान-पान और ठहरने के लिए फोर स्टार होटल में व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान पुत्रजया टूर, इस्लामिक आर्ट्स म्यूजियम, म्यूजियम ऑफ इल्यूजन , किंग पैलेस, नेशनल मोन्युमेंट, नेशनल मस्जिद, ओल्ड रेलवे स्टेशन, स्वतंत्रता चौक, ट्विन टॉवर्स, जेंटिंग हिल्स , सनवे लैगून थीम पार्क आदि का भ्रमण कराया जायेगा।

क्या है पैकेज की कीमत

उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 76500 रुपए, दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 65600 रुपए, तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 65200 रुपए, माता-पिता के साथ ठहरने पर प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 62600 रुपए बेड सहित और 54800 रुपए बिना बेड के होगा। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी।

पुलिस ने किया डबल मर्डर का खुलासा

चोरी करने घुसे शटरिंग कारीगर और पेंटर की हुई थी पीट-पीटकर हत्या, तीन गिरफ्तार

» हाथ और पैर रस्सी से बांध कर बेल्ट, लाठी, बैट और बेल्ट से था पीटा
» शरीर पर कालिख व 420 लिखकर रेलवे लाइन पटरी के पास फेंका
» सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस व मुखबिर की सूचना पर पकड़े गए हत्यारोपित

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर में हुए डबल मर्डर का डीसीपी पूर्वी ने मुखबिर व सर्विलांस की मदद से खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया घर में मोबाइल चोरी करने के इरादे से घुसे शटरिंग कारीगर और पेंटर की शनिवार रात पीट-पीटकर हत्या की गई थी। यह दोनो घर मे चोरी करने के इरादे से घुसे थे। जहां परिजनों ने आहट पाकर दोनों को पकड़ लिया। उसके बाद हाथ और पैर रस्सी से बांध कर बेल्ट, लाठी, बैट और बेल्ट से जमकर पीट दिया और दोनो लोगो को रेलवे लाइन के पास फेंक दिया था। दोनो की मौत की खबर की जानकारी होते ही आरोपी घर से भाग निकले थे। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश में टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस की माने तो हत्या की घटना में तीन नहीं सात लोग शामिल थे। जिनकी तलाश की जा रही है। एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह ने बताया कि रविवार सुबह करीब 8बजे सूचना मिली कि विरामखंड में रेलवे ट्रैक के बगल एक व्यक्ति सड़क पर पड़ा है। दूसरा व्यक्ति रेलवे ट्रैक के नजदीक कूड़े के ढेर के पास गिरा हुआ है। जांच के दौरान दोनों की पहचान कैसरगंज बहराइच निवासी राम संवारे (40) पुत्र जोधा के रूप में हुई। जबकि दूसरे की पहचान कैसरगंज बहराइच निवासी राकेश (35) पुत्र अयोध्या के रूप में हुई। अस्पताल जाते वक्त राकेश जिंदा था। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी वंदना की शिकायत पर मुकदमा दर्ज आरोपियों की गिरफ्तारी के किए चार टीमे लगाइ गई थी।

चोरी करने की नीयत से घुसे थे

घटना का खुलासा करते हुए डीसीपी पूर्वी सशांक सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हत्या में शामिल मूल रूप से सीतापुर राजकोट निवासी मोहित, सीतापुर खैराबाद के शिवराज और जौनपुर के रामदेव को गिरफ्तार कर लिया गया। यह तीनों चौधरी लान के पास रेलवे पटरी किनारे झोपड़पट्टी में परिवार के साथ रहते हैं आरोपियो ने बताया कि शनिवार रात को दोनों लोग रात करीब एक बजे मोहित के घर घुसे थे। जहां सामान की तलाशी के दौरान सामान गिरने पर घर के लोग जाग गए घर वालो ने दोनों को पकड़ लिया। नशे में होने के चलते दोनों मारपीट करने लगे। इसीबीच बीच चीखपुकार सुनकर पड़ोसी कई लोग इकठा हो गए। यह लोग दोबारा ऐसी घटना करने की दोबारा न सोचें इसके लिए दोनों के हाथ और पैर रस्सी से बांध कर बेल्ट, लाठी, बैट और बेल्ट से जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद दोनों का मोबिल आयल से पूरा शरीर काला कर विभूतिखंड स्थित पटरी किनारे फेंक दिया गया था। दूसरे दिन रविवार की सुबह दोनों की मौत की खबर सुनकर आरोपी घर छोड़कर भाग निकले थे।

खुलासे के लिए चार टीमों का किया गया था गठन

डबल मर्डर की सूचना मिलते ही डीसीपी पूर्वी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया साथ ही खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज को चैक किया गया प्राप्त सीसीटीवी फूटेज एवं अन्य साक्ष्य व मुखबिर खास की सूचना पर सोमवार को हत्या में शामिल मूल रूप से सीतापुर राजकोट निवासी मोहित, सीतापुर खैराबाद के शिवराज और जौनपुर के रामदेव को रेलवे ट्रैक गोमतीनगर विस्तार के बगल में स्थित झाड़ियों से गिरफ्तार किया गया।

घटनास्थल से आलाकत्ल बरामद

गिरफ्तार आरोपियो की निशांदेही पर घटनास्थल से आलाकत्ल (एक बैट, एक डण्डा), रस्सी व बेल्ट, प्लास्टिक की एक बोतल में कालारंग का तरल पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि इस हत्याकांड का खुलासा महज 24घण्टो में ही कर दिया गया।

चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना नकदी व जेवरात चोरी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र हसियामऊ गांव में चोरों ने एक बंद पड़े घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और सारा सामान व नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़ित वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि अपने भाई की वह परिवार समेत भाई की शादी में शामिल होने जनपद अमेठी गए हुए थे। इसी दौरान दो अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर और गेट को नुकसान पहुंचाकर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। पीड़ित के मुताबिक चोरों ने कमरे में रखे बक्से से 60 हजार रुपये नकद के अलावा जेवरात चोरी कर ले गए। पीड़ित को घर मे हुई चोरी की जानकारी पड़ोसियों से फोन पर मिली। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस को घटना की सूचना दी। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

खुद को शिक्षा आयोग का अधिकारी बताने वाला शातिर गिरफ्तार

» केकेसी के असिस्टेंट प्रोफेसर को एसटीएफ़ ने पकड़ा
» प्रोफेसर की परीक्षा पास कराने के नाम पर करता था ठगी
» नौकरी के नाम पर पढ़े-लिखे लोगों को फंसाता था
» नाम बदलकर परीक्षा में बैठने वालों से करता था संपर्क

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। खुद को शिक्षा आयोग का अधिकारी बताने वाले केकेसी के असिस्टेंट प्रोफेसर को यूपी एसटीएफ ने परीक्षा पास कराने के नाम पर ठगी करने विपिन यादव को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी विपिन कुमार यादव अपना नाम बदलकर परीक्षा में बैठने वालों से संपर्क करता था। अनिल यादव के नाम पर आधार कार्ड बनवा रखा था। एसटीएफ के मुताबिक, विपिन यादव को चिनहट मल्हौर रोड के पास से सोमवार तड़के पकड़ा गया। जौनपुर के गुंगराबाबद शाहपुर निवासी विपिन यादव लखनऊ के गोमती इन्क्लेव अवध विहार योजना में रह रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि उसका 2022 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ था। यहां केकेसी में पढ़ाता था। असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा में लोगों को पास कराने के नाम पर 30 से 35 लाख रुपए लेता था। इसके लिए पढ़े-लिखे लड़कों को फंसाता था। उनका फार्म भरवाता था। उसके बाद अभ्यर्थियों से पैसे और उनका एडमिट कार्ड लेता था एसटीएफ़ को उसके पास से एक लाख रुपए, 41 एडमिट कार्ड और दो मोबाइल बरामद हुए हैं।

दो घरों के ताले तोड़ आभूषण व नगदी समेत लाखों की चोरी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बीकेटी की ब्रह्मपुरी कॉलोनी कोटवा रोड पर व्यवसायी कुलदीप कुमार के घर का ताला तोड़कर चोर नकदी समेत लाखों का माल पार कर ले गए। उधर, रैथा रोड एमडी पुरम में अंकित कुमार बाजपेयी के घर में धावा बोलकर चोर लाखों का माल समेट ले गए। दोनों मामलों में बीकेटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। कुलदीप कुमार के मुताबिक वह 14 अप्रैल को परिवार के साथ साले की शादी में शामिल होने ससुराल गए थे। इस बीच चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। शनिवार को पड़ोसी इंद्रपाल ने घर का ताला टूटा पड़ा देखकर सूचना दी। पहुंचे तो मुख्य गेट के अलावा कमरे समेत अंदर अलमारियों और बक्सों के ताले टूटे पड़े थे। सारा सामान अस्त-व्यस्त था। चोर 45 हजार रुपये की नकदी, करीब दो लाख के जेवर और भाई संदीप के घर के पोर्सन से 20 हजार रुपये और करीब पांच लाख के जेवर पार कर ले गए। उधर, गुरुवार रात करीब तीन बजे रैथा रोड पर रहने वाले अंचित कुमार बाजपेयी के घर का ताला तोड़कर घुसे चोर सात हजार रुपये और एक लाख के जेवर समेट ले गए। इंस्पेक्टर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

महिला पुलिसकर्मियों को मिला तोहफा

'शिशु वाटिका' एवं 'नारी विश्राम गृह' का उद्घाटन

» अब बच्चों की देखरेख और विश्राम की सुविधा एक ही स्थान पर
» पुलिस महानिदेशक ने दिए प्रदेशभर में सुविधाएं लागू करने के निर्देश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष वामा सारथी डिम्पल वर्मा सेवानिवृत्त आईएएस ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय सिग्नेचर बिल्डिंग, गोमतीनगर विस्तार स्थित चतुर्थ टॉवर के कैफेटेरिया प्रांगण में 'शिशु वाटिका' एवं 'नारी विश्राम गृह' का उद्घाटन किया। इस मौके पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, पुलिस महानिदेशक रेणुका मिश्रा, प्रशिक्षण महानिदेशक तिलोत्मा वर्मा, एडीजी मुख्यालय आनंद स्वरूप, एडीजी 112 नीरा रावत, एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश, एडीजी फायर सर्विस पद्मजा चौहान सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। यह प्रयास महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है और इसे पूरे प्रदेश के थानों व पुलिस कार्यालयों में लागू करने की कोशिश की जाएगी। डिम्पल वर्मा ने इस पहल को 'संवेदनशीलता और सुरक्षा के संतुलन का प्रतीक' बताया और कहा कि जब महिला पुलिसकर्मी सशक्त होंगी, तभी पुलिस व्यवस्था अधिक प्रभावशाली और मानवीय बन सकेगी। यह सुविधा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महिला सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण और मिशन शक्ति जैसे अभियानों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। महिला पुलिसकर्मियों की लगातार बढ़ती संख्या और उनकी दोहरी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। इस अवसर पर डिम्पल वर्मा ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को न केवल अपने कार्यक्षेत्र में बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना होता है। खासकर वे महिलाएं जिनके छोटे बच्चे हैं और उन्हें घर पर छोड़ने का कोई विकल्प नहीं होता उनके लिए यह शिशु वाटिका एक बड़ी राहत साबित होगी। उन्होंने आगे कहा कि नारी विश्राम गृह और बच्चों के लिए क्रेच जैसी सुविधाएं कार्यस्थल पर मानसिक सुकून और आत्मबल प्रदान करती हैं।

जमीन बंटवारे को लेकर मारपीट, दी धमकी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बंथरा के नरायनखेड़ा मजरा बनी में रहने वाले राजेंद्र कुमार ने कृष्णानगर के एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एफ निवासी दीपक और रामचंद्र के खिलाफ जमीन बंटवारे को लेकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजेंद्र का कहना है कि रविवार शाम करीब 5:30 बजे वह अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी परिवार के दीपक व रामचंद्र अचानक वहां पहुंचे और जमीन बंटवारे को लेकर गाली गलौज करने लगे। पीड़ित ने समझाने की कोशिश की तो दोनों आरोपी आक्रामक हो गये और बेरहमी से उसे मारा पीटा। आरोप है कि बाद में दोनों ने जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल इस मामले में बिजनौर पुलिस ने राजेन्द्र की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ताला बंद कर प्रधानाध्यापिका ने बच्चों को धूप में बिठाया

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। मोहनलालगंज विकासखंड के भद्दी शिर्ष गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापिका के रोज-रोज देर से आने से नाराज प्रधानाध्यापिका व अभिभावकों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला बन्द कर विरोध जताया। इस दौरान स्कूल पहुंचे बच्चे गेट के बाहर धूप में बैठे रहे। सोशल मीडिया पर स्कूल गेट पर ताला बंद करने का वीडियो वायरल हुआ तो हड़कम्प मच गया। एबीएसए ने मौके पर पहुंचकर अभिभावको को समझा बुझाकर ताला खुलवाने के साथ ही बच्चो को धूप में बैठाने वाली प्रधानाध्यापिका व लेट आने वाली सहायक अध्यापिका पर कार्यवाही के लिये बीएसए को रिपोट भेजी। जिसके बाद बीएसए ने दोनो शिक्षको को निलंबित कर दिया।मोहनलालगंज के भद्दी शिर्ष गांव के प्राथमिक विद्यालय में इन दिनों सुर्खियों में है सहायक अध्यापिका संध्या देवी और प्रधानाध्यपिका के बीच स्कूल देर पहुचने की जंग छिड़ी हुई है। जहाँ प्रधानाध्यपिका के द्वारा आरोप लगाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमे प्रधानाध्यपिका रीना देवी ने आरोप लगाया कि उनके स्कूल की सहायक अध्यापिका स्कूल में अक्सर लेट आती है जिसकी शिकायत भी उन्होंने कई बार एबीएसए सहित अन्य अधिकारियों से की है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हुई आरोप है कि शिकायत के बाद सहायक अध्यापिका संध्या देवी ने स्कूल पहुंचकर हाजिरी रजिस्टर के पन्ने फाड़ दिए और रजिस्टर को अपने कब्जे में लेकर स्कूल परिसर में टहलती रही दूसरे दिन भी अध्यापिका संध्या देवी ने रजिस्टर को अपने कब्जे में ले लिया अन्य अध्यापकों को हस्ताक्षर करने नही दिया।जिससे नाराज प्रधानाध्यपिका रीना देवी ने कुछ अभिभावको के साथ मिलकर सोमवार की सुबह स्कूल के मुख्य गेट पर ताला बन्द कर विरोध जताया ओर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

एबीएसए ने अभिभावकों को समझाया, हंगामा

स्कूल में ताला बंद होने की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे एबीएसए सुशील कुमार कन्नौजिया ने अभिभावको को समझाते हुये सहायक अध्यापिका पर कार्यवाही कराये जाने का आश्वासन देते हुये प्रधानाध्यापिका को फटकार लगाते हुये गेट पर पड़ा ताला खुलवाया। तब जाकर बच्चे पढने के लिये स्कूल के अंदर गये। एबीएसए ने प्रधानाध्यापिका व सहायक अध्यापिका पर कार्यवाही के लिये रिपोट बनाकर बीएसए को भेजी। जिसके बाद बीएसए ने दोनो शिक्षको को निंलबित कर दिया।

कोर्ट ने दिया आदेश, नौ महीने बाद छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बंथरा थाना क्षेत्र में करीब 9 माह पहले एक नाबालिग लड़की के साथ हुई छेड़छाड़ के मामले न्यायालय के आदेश पर अब रिपोर्ट दर्ज की गयी है। उस दौरान पीड़ित परिजनों ने बंथरा पुलिस से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से मना कर दिया था। तब पीड़ित के पिता ने न्यायालय की शरण ली। बंथरा के एक गाँव में रहने वाले व्यक्ति के मुताबिक 17जुलाई की रात करीब 10बजे उसकी नाबालिग बेटी जब गाय का दूध दुहने गई थी, तभी पड़ोसी नरेंद्र ने उसे अकेला पाकर दुष्कर्म के प्रयास में खींचा और उसके कपड़े फाड़ दिए। पीड़िता ने शोर मचाया तो उसकी आवाज सुनकर उसके माता-पिता और चाची मौके पर पहुंचे। पर नरेंद्र ने अपने भाई शैलेंद्र और अमरेंद्र को बुला लिया और तीनों ने लाठी-डंडों से पीड़ित परिजनों पर हमला कर दिया। इस हमले में किरण का पैर चोटिल हो गये। साथी पीड़ित परिवार उनके हमले से डर कर अपने घर भाग गया। आरोप है कि बाद में आरोपियों ने उनके घर का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। तब पीड़ितों ने डायल-112 पर कॉल की। लेकिन पुलिस काफी देर बाद पहुंची। तब उन्हें पास के मंदिर में शरण लेनी पड़ी। आरोप है अगले दिन आरोपियों ने सोनू यादव के साथ मिलकर पीड़िता के चाचा राज नारायण के घर पर हमला कर दिया। जिससे डरा सहमा परिवार रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर है। आरोपी उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता के पिता का कहना है कि उसने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया। लेकिन तत्कालीन थाना प्रभारी ने रिपोर्ट दर्ज करने से इनकार कर दिया। तब 29 जुलाई को पुलिस आयुक्त को पंजीकृत डाक से शिकायत भेजी। पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। फिलहाल न्यायालय के आदेश पर अब बंथरा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग महिला का शव घर के अंदर मिला

» बेटी ने जाहिर की अनहोनी की आशंका
» सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके की घटना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी के नया पुरवा गांव में सोमवार की सुबह एक बुजुर्ग महिला का शव उसी के घर के अंदर पड़ा मिला। दोपहर के वक्त मायके अपनी माँ से मिलने पहुंची बेटी ने संदिग्धता जाहिर करते हिये पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। जानकारी के मुताबिक नया पूरवा गांव निवासी राम दुलारी (70) घर मे अकेली रहती थी। उसकी बेटी शिवकुमारी उसके साथ थी लेकिन एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ससुराल गई थी। सोमवार की सुबह को जब वह वापस लौटी तो मां को घर के अंदर मृत पाया। जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम को भेज दिया। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाई की जाएगी। बेटी द्वारा संदिग्धता जाहिर करने पर शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पुलिस पर उठाए सवाल, पुलिस महानिदेशक आए सामने

फरहान इराकी

» यूपी पुलिस का सीधा जवाब, किया खंडन, दिए आंकड़े
» पुलिस महानिदेशक ने कहा ऐसी 'टिप्पणियों' से बचना चाहिए
» पुलिसकर्मियों की तैनाती मानकों के अनुरूप हुई है

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। सोशल मीडिया की बातों पर गौर करें तो पुलिस और सपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री के बीच अचानक 'वार-पलटवार' शुरू हो गया। इसको लेकर 'आरोप-प्रत्यारोप' होने लगा। युपी पुलिस में जातिगत पोस्टिंग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से उठाए गए सवाल का जबाव देने पुलिस महानिदेशक प्रशातं कुमार सामने आए। उन्होंने पुलिस में जातिगत पोस्टिंग के दावों को पूरी तरह गलत और अफवाह करार दिया है। पुलिस महानिदेशक ने जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसी भ्रामक टिप्पणियों से बचने की सलाह दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस महानिदेशक ने कहा है कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही इस तरह की सूचनाएं निराधार हैं और इनका खंडन करने के लिए संबंधित जिलों की पुलिस पहले ही आंकड़े जारी कर चुकी है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने स्पष्ट करते हुए कहा कि यदि भविष्य में ऐसी कोई गलत सूचना फैलाई जाती है, तो हम उसकी सच्चाई सामने लाएंगे। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसी 'टिप्पणियां' करने से बचना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिसकर्मियों की तैनाती प्रदेश के सभी जनपदों में निर्धारित मानकों के अनुरूप की गई है। बता दें कि अखिलेश यादव के दावों के जवाब में आगरा पुलिस कमिश्नरेट ने आंकड़े जारी कर बताया कि उनके यहां 39प्रतिशत ओबीसी और 18प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी तैनात है, जबकि ओबीसी के लिए मानक केवल 27प्रतिशत है। मैनपुरी पुलिस ने भी खुलासा किया कि उनके जिले में 31 प्रतिशत ओबीसी और 19प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी कार्यरत हैं।वहीं, चित्रकूट पुलिस ने बताया कि उनके 12थानों में से तीन पर ओबीसी, दो पर एससी-एसटी और सात पर अन्य वर्ग के थानाध्यक्ष तैनात हैं। ऐसे ही प्रयागराज पुलिस ने भी अखिलेश यादव के पोस्ट पर जवाब देते हुए उसे असत्य बताया है। प्रयागराज पुलिस की ओर से बताया गया कि थाना प्रभारी की नियुक्ति के लिए कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, सामाजिक सद्भाव व जन शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर योग्य कर्मचारियों का चयन किया जाता है। प्रयागराज में तैनात लगभग 40-प्रतिशत थाना प्रभारी ओबीसी और एससी-एसटी वर्ग से हैं। कहा गया कि नियुक्ति एक निष्पक्ष प्रक्रिय है।

जिम्मेदारों ने कहा पुलिस का कर्तव्य है गलत सूचनाओं का खंडन करें

पुलिस महानिदेशक ने आगे कहा कि यूपी पुलिस का कर्तव्य है कि गलत सूचनाओं का खंडन कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए। सभी से अपील की कि भ्रामक जानकारी फैलाने से बचें और पुलिस व्यवस्था पर अनावश्यक सवाल न उठाएं। हालांकि यह विवाद तब शुरू हुआ जब सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पुलिस पोस्टिंग में जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया था। पुलिस ने भी ऐसी बातों का खंडन कर सही आंकड़े प्रस्तुत किए।

पिकप की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज इलाके में स्थित आम की बाग जा रहे बुजुर्ग को पिकप डाला ने टक्कर मार दी। घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया जहा पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक राधाकृष्ण खेडा गाँव के बुजुर्ग मैकूलाल (75) पैदल अपनी आम की बाग को जा रहे थे। गाँव के पास नहर किनारे पिकप डाला ने टक्कर मार दी। टक्कर से गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को लोग इलाज के लिए सीएचसी ले गए लेकिन तबतक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पिकप डाला चालक पिकप छोड़कर भाग निकला। बुजुर्ग के बेटे राजेश ने अज्ञात चालक के विरूद्व तहरीर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **13.05.2025** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

1	**निविदा सूचना संख्या**	04102025 दिनांक 19.04.2025
2	**निविदा संख्या :** 02-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26	
3	**कार्य का नाम :** वरि. मण्डल इंजीनियर-VI, लखनऊ के अधिकार के क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव एवं सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के सेक्शन में TFR=15.056 TKM, CTR(S)=5.426 TKM, TRR(S)=35.392 TKM and TBR(LL)=3.600 TKM का कार्य।	
4	**अनुमानित लागत :** रु. 6,33,32,189.23	
5	**धरोहर राशि :** रु. 4,66,700.00	
6	**कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह।	
7	**निविदा डालने का प्रारंभ तिथि :** 29.04.2025	
8	**निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 13.05.2025, 15:00 बजे	
9	**वेबसाईट : www.ireps.gov.in**	

नोटः- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। **1171/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, दो घायल

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना रविवार देर रात नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के शुक्ल भुजौली चौराहे पर उस समय हुई जब कार सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए देवगांव जा रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया तथा दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान नारायणपुर चरगहा के निवासी हरेंद्र मद्धेशिया, योगेंद्र मद्धेशिया, रंजीत एवं मुकेश और कुसमा गांव निवासी भीम लक्ष्मण यादव तथा कार चालक ओम प्रकाश के रूप की गई है। हादसे का शिकार हुए सभी लोगों की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और जिले के अधिकारियों को घायलों का शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। (भाषा)

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो भाइयों की मौत, एक युवक घायल

सोनभद्र। जिले के बभनी थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा जाने के कारण उस पर सवार दो भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। थाना बभनी के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) कमलेश पाल ने बताया कि जिले के दुद्धी थाना क्षेत्र के नगवां गांव निवासी दो भाई जगदीश प्रसाद (30) एवं वीर बहादुर (25) तथा उनका मित्र रामकेश (27) रविवार की देर शाम एक बारात में शामिल होने के लिए एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर बभनी जा रहे थे। एसएचओ ने बताया कि बभनी के चौना मार्ग पर घाघरा गांव के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई जिसके कारण जगदीश और वीर बहादुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा रामकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया तथा घायल को बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। (भाषा)

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षक की मौत

सुल्तानपुर। जिले के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जूनियर हाईस्कूल बैढ़ा में तैनात शिक्षक सौरभ कुमार (30) के रूप में हुई है। गोसाईगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राम आशीष उपाध्याय के मुताबिक, यह हादसा सोमवार सुबह इटकौली चौराहे पर हुआ, जब सौरभ अपने स्कूल जा रहे थे। उन्होंने बताया कि एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी पर सवार सौरभ को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उपाध्याय के अनुसार, स्थानीय लोगों से हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। उपाध्याय ने कहा कि अंबेडकरनगर के दुप दरबार गांव के मूल निवासी सौरभ नौकरी के कारण सुल्तानपुर के विनोबापुरी में रहते थे। उन्होंने बताया कि सौरभ के पिता समरबहादुर सिंह सहायता प्राप्त जूनियर विद्यालय में कार्यरत थे। उपाध्याय ने बताया कि सिंह की मौत के बाद सौरभ को मृतक आश्रित के रूप में तीन साल पहले तैनाती मिली थी और दो साल पहले ही उनकी शादी हुई थी। (भाषा)

कार और ट्रक की टक्कर में दो बच्चों की मौत, आठ घायल

संभल। बनियाठेर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह ट्रक को ओवरटेक करते समय एक कार की टक्कर होने से दो बच्चों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। बनियाठेर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रामवीर सिंह ने बताया कि आज सुबह चंदौसी-मुरादाबाद मार्ग पर एक कार और ट्रक की टक्कर में दो बच्चों आर्यश (4) और अक्षत राय (साढ़े तीन साल) की मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मुरादाबाद रेफर कर दिया गया है। एसएचओ ने बताया कि दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार के वीरपाल ने बताया कि आज सुबह हमारे परिजन ओमनी वैन से पतरोया गांव, चंदौसी से ताजपुर के रामपुर गांव जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।(भाषा)

अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, युवक की मौत

नोएडा । नोएडा के सेक्टर 63 थाना क्षेत्र में हिंडन पुल के पास एक अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सेक्टर 63 थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि हिंडन पुल के पास एक अज्ञात वाहन ने रविवार को एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे गाजियाबाद निवासी रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने रोहित कुमार को अस्पताल पहुंचाया लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान और तलाश कर रही है तथा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।(भाषा)

वक्फ की संपत्तियां गरीब, वंचित और पसमांदा मुस्लिमों की अमानत : वसीम राईन

बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर बोलते हुए कहाकि वक्फ की संपत्तियाँ भारत के उन गरीब, वंचित और पसमांदा मुस्लिमों की अमानत है। जिनके लिए यह दान अल्लाह के नाम पर किया गया था। लेकिन दुर्भाग्यवश, वर्षों से इन संपत्तियों पर कुछ गिने-चुने प्रभावशाली परिवारों और मजहबी तबकों का कब्जा बना हुआ है।उन्होंने कहाकि वक्फ संपत्ति का उद्देश्य सामाजिक विकास,शिक्षा, स्वास्थ्य और सहायता केंद्रों की स्थापना था। लेकिन हकीकत यह है कि अरबों-खरबों की इन संपत्तियों से आज तक एक भी उच्च स्तर की सार्वजनिक सुविधा गरीब मुसलमानों को नहीं मिली। उन्होंने केंद्र सरकार से यह मांग की कि वक्फ बोर्ड के गठन में पसमांदा मुस्लिमों को 65 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए, ताकि निर्णय की कुर्सी पर वही लोग हों जो इन संपत्तियों के असली हकदारों का दर्द और ज़रूरत समझते हों। उन्होंने कहाकि जस्टिस सच्चर कमेटी ने मुस्लिम समाज की सच्चाई पहले ही उजागर कर दी है। अब वक्त है कि फैसले भी उसी सच्चाई पर हों। श्री राईन ने साफ कहा कि कुछ मजहबी ठेकेदार अब भी समाज को गुमराह करने में जुटे हैं।जब अरबों की दौलत को सही हाथों में देने की बात होती है,तो वही लोग अफवाहें फैलाते हैं, कभी धार्मिक इमोशन का सहारा लेते हैं, कभी सियासी मंच सजाते हैं लेकिन इनका उद्देश्य सिर्फ सत्ता और नियंत्रण बनाए रखना होता है न कि गरीब मुसलमानों का भला। आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज ने देश के तमाम गरीब मुस्लिम भाइयों और बहनों से अपील की है कि वे किसी भी भड़काऊ बयान या अफवाह से प्रभावित न हों। यह समय हक और इंसाफ की आवाज़ बुलंद करने का है।

भाई ने भाई पर लगाया जान से मारने के लिए फायर करने का आरोप

सिद्धौर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। असंद्रा थाना क्षेत्र में पैसे न देने से नाराज एक युवक ने जमकर बवाल काटा। घर में तोड़फोड़ की और विरोध करने पर भाई पर कट्टा से फायर झोंक दिया। संयोग से वह बाल-बाल बच गया। भाई की तहरीर पर पुलिस ने उत्पाती युवक के खिलाफ हत्या का प्रयास जैसे गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। मामला थाना क्षेत्र के जरौली गांव का है। गांव का निवासी भगवान दास मिश्र बीती रात अपने घर के अंदर सोया था। उसके माता पिता रिश्तेदारी में गए थे। भोर के समय भगवान दास का छोटा भाई घनश्याम मिश्र छत पर चढ़कर जीने के रास्ते नीचे उतर आया और नीचे सो रहे अपने भाई से पैसे मांगने लगा। पैसे न देने पर युवक ने अपने भाई के कई तमाचे जड़ दिए। इसके बाद वह कमरे का दरवाजा तोड़ने लगा। भगवान दास ने जब इसका विरोध किया तो युवक ने साथ लिए कट्टा से उसपर फायर झोंक दिया।नीचे झुकने से भगवान दास बाल बाल बच गया। उसके चीखने की आवाज पर मोहल्ले के लोगो को आते देख उत्पाती युवक फरार हो गया। पीड़ित भाई की तहरीर पर पुलिस ने कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

प्लाजा में आग लगने की घटना में घायल महिला ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

नोएडा । नोएडा के सेक्टर 18 स्थित कृष्णा अपरा प्लाजा में गत एक अप्रैल को आग लगने की घटना में घायल हुई महिला की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेक्टर 20 के थाना प्रभारी डीपी शुक्ल ने बताया कि एक अप्रैल को सेक्टर-18 स्थित आठ मंजिला व्यावसायिक भवन में पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे भूतल पर एक रियल एस्टेट के कार्यालय में एसी का कंप्रेसर फटने से आग लग गई और आग जल्द पूरी इमारत में फैल गई। घटना में दमकल विभाग ने 170 से अधिक लोगों की जान बचाई। हालांकि, जान बचाने के लिए इमारत से कूदकर घायल हुए 22 लोगों में से अधिकतर को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 122 निवासी पूजा कृष्णा अपरा प्लाजा में ही स्थित एक कंपनी के कार्यालय में काम करती थी। घटना के दौरान पूजा चौथी मंजिल से कूद गई थी और करीब 19 दिन से उसका इलाज जारी था। उन्होंने बताया कि घटना में पूजा का शरीर 40 प्रतिशत झुलस गया था और उसकी रीढ की हड्डी भी टूट गई थी। हालत गंभीर होने पर उसे फरीदाबाद रेफर किया गया, जहां से उसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली ले जाया गया और फिर सेक्टर 110 स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को पूजा की अचानक तबीयत बिगड़ी और उसी दिन उसने दम तोड़ दिया। पूजा के पति राघव गुप्ता ने बताया कि उनकी पत्नी अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी और अपनी कमाई का सारा पैसा अपने माता-पिता को देती थी। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।(भाषा)

नोएडा के अस्पताल में रेडियोलॉजी सहायक की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित एक निजी अस्पताल के शौचालय में रेडियोलॉजी सहायक की संदिग्ध परिस्थितियों मौत के मामले में परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुकदम दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में अस्पताल के कर्मचारी सिदार्थ और महेंद्र शर्मा को नामजद किया है। जल्द ही दोनों से पूछताछ की जाएगी। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मृतक संजीव के पिता भगवान दास ने अपनी शिकायत में कहा है कि फोर्टिस अस्पताल के कार्डियोलॉजी एक्सरे विभाग में काम करने वाला उनका बेटा गत 13 अप्रैल को रोज की तरफ रात आठ बजे ड्यूटी करने अस्पताल पहुंचा था, लेकिन अगले दिन सुबह वह घर नहीं आया। शिकायत के अनुसार सुबह करीब दस बजकर 19 मिनट पर अस्पताल से फोन आया और बताया गया कि संजीव की मौत हो चुकी है। कुमार के अनुसार भगवान दास ने आरोप लगाया कि संजीव को अस्पताल के कुछ सीनियर कर्मी जाति सूचक शब्दों से संबोधित करते थे जिससे वह काफी परेशान था। उन्होंने आरोप लगाया कि 13 और 14 अप्रैल की रात संजीव ने अस्पताल में कुछ ऐसा होते देख लिया कि उसे मार दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।(भाषा)

पुलिस मुठभेड़ में गौकशी के चार आरोपी गिरफ्तार, दो के पैरों में गोली लगी

बिजनौर। जिले के नूरपुर थाना इलाके में पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गौकशी के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जिनमें से दो के पैरों में पुलिस की जवाबी गोली लगी है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव वाजपेई ने बताया कि कि रविवारासोमवार की दरमियानी रात नूरपुर पुलिस स्योहारा मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक कार से आए चार बदमाश रुकने का इशारा करने पर वाहन से उतरे और पुलिस पर गोली चलाते हुए खेतों में भागने लगे। एएसपी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाईमें बदमाश सद्दाम और इरशाद के पैरों में गोली लग गई। पुलिस ने इनके दो अन्य साथी जीशान पुत्र अतीक और जीशान पुत्र दिलशाद को भी दो तमंचों और गौवध के औजारों सहित गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि चारों आरोपी आवारा गौवंश मारकर उसका मांस बेच देते थे। अब पुलिस मांस खरीदने वाले चार दुकानदारों की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने बताया कि पुलिस ने गौवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।(भाषा)

पार्टी के दौरान दो समूहों के बीच मारपीट, कम से कम 80 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा । नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित एक फार्म हाउस में रविवार रात आयोजित एक पार्टी के दौरान मारपीट और गोलीबारी करने के आरोप में कम से कम 80 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। नॉलेज पार्क के थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस सेक्टर 151 स्थित फॉर्म हाउस में आयोजित पार्टी के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची लेकिन पुलिस को देखकर ए लोग मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि इस मामले में करीब 20 लोगों को नामजद किया गया है और कम से कम 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों पर मारपीट करने, एक दूसरे पर धारदार हथियार से हमला करने और गोलीबारी करने का आरोप है।कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।(भाषा)

दुष्कर्म के आरोप में सौतेला पिता गिरफ्तार

मेरठ । पुलिस ने मेरठ शहर के रेलवे रोड क्षेत्र में 50 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी 13 वर्षीय सौतेली बेटी से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रेलवे रोड थाना क्षेत्र में रहने वाले आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि आरोपी को पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। (भाषा)

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार करने का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा । सेक्टर 24 थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती को शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार करने के आरोपी युवक को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेक्टर 24 के थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने शनिवार को अंकित कुशवाहा नामक युवक पर शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार करने का मामला दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि युवती गर्भवती है और उसका आरोप है कि युवक अब शादी करने से इनकार कर रहा है। पीड़िता ने कुशवाहा के परिवार के सदस्यों पर भी आरोप लगाया है। पीड़ित युवती ने कुशवाहा पर उससे 55 हजार रुपए ऐंठने का भी आरोप लगाया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि जब उसने आरोपी के परिवार वालों को उसके गर्भवती होने की जानकारी दी और कुशवाहा से शादी की बात कही, तो उसके परिवार ने पांच लाख रुपए की मांग की और पैसे मिलने पर ही शादी करवाने की बात कही, लेकिन जब वह पैसे नहीं दे पाई तो मार्च के महीने में उससे मारपीट की गई। अंत में परेशान होकर उसने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बताया कि आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।(भाषा)

बारात से लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की बस की टक्कर से मौत

बलिया ।जिले के फेफना थाना क्षेत्र में एक बस की टक्कर लगने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बैरिया थाना क्षेत्र के श्रीनगर दुबेछपरा गांव के शुभम कुमार सिंह (22) तथा गौरव कुमार सिंह (25) फेफना थाना क्षेत्र के कपूरी गांव के एक होटल में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रविवार देर रात लगभग दो बजे मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी नसीराबाद गांव के समीप एक बस से उनकी टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में शुभम कुमार सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से गंभीर रूप से घायल गौरव कुमार सिंह को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अशोक कुमार शुक्ला ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।(भाषा)

महज पोस्ट लाइक करना आईटी अधिनियम के तहत अपराध नहीं : अदालत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक निर्णय में कहा कि व्हाट्सऐप या फेसबुक पर पोस्ट पसंद करना, उसे प्रकाशित या ट्रांसमिट करने जैसा नहीं है, इसलिए महज एक पोस्ट पसंद करने पर उस पर आईटी अधिनियम की धारा 67 लागू नहीं होगी जो कि अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री के प्रकाशन पर लागू होती। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने आगरा जिले के इमरान खान नाम के व्यक्ति के खिलाफ चल रहा आपराधिक मुकदमा रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, रिकॉर्ड में दर्ज तथ्यों से प्रतीत होता है कि ऐसा कोई संदेश रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं है जिसकी प्रकृति भड़काऊ हो सकती है और एक संदेश को पसंद करने मात्र से आईटी अधिनियम की धारा 67 लागू नहीं होगी। याचिकाकर्ता ने अपने खिलाफ मामला रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सीआरपीसी की धारा 482 के तहत यह याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता पर चौधरी फरहान उस्मान की पोस्ट को लाइक करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। उस्मान की पोस्ट राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन देने के लिए कलेक्ट्रेट के पास लोगों को एकत्रित करने से जुड़ी थी। इमरान खान पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश के लिए मामला दर्ज किया गया था क्योंकि बिना अनुमति के जुलूस निकालने के लिए मुस्लिम समुदाय से करीब 600-700 लोग इस संदेश को पढ़कर एकत्रित हुए थे। अदालत ने कहा, आईटी अधिनियम की धारा 67 अश्लील सामग्री के लिए है ना कि भडक़ाऊ सामग्री के लिए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसके मुवक्किल के फेसबुक एकाउंट पर ऐसी कोई सामग्री नहीं पाई गई। (भाषा)

आग की चपेट में आने से दो साल की बच्ची की मौत, मां झुलसीं

सुलतानपुर । जिले के एक गांव में स्थित घर में आग लग जाने से दो वर्षीय बच्ची की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बल्दीराय थाना क्षेत्र के पूरे लाला मजरे सोनवरसा गांव में हरीश वर्मा के घर में रविवार रात करीब 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। इस हादसे में हरीश की दो वर्षीय बेटी पूनम की आग में झुलसकर मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गीता (35) बुरी तरह झुलस गई। आग इतनी भीषण थी कि घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की और आग पर काबू पाया। गंभीर रूप से झुलसी गीता को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वर्तमान में उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। हरीश वर्मा के अन्य तीन बच्चों को बचा लिया गया है। (भाषा)

चेकिंग के दौरान पुलिस के डंडा मारने से बाइक से गिरी महिला की डंपर से कुचलकर मौत

शाहजहांपुर। जिले में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा कथित रूप से डंडा मारने के बाद बाइक से गिरी एक महिला की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना निगोही अंतर्गत धूलिया मोड़ के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। रविवार शाम कल्याणपुर निवासी प्रदीप अपनी पत्नी के साथ बारात में शामिल होने जा रहे थे। आरोप है कि इस दौरान पुलिसकर्मी ने बाइक पर डंडा मार दिया। एसपी ने बताया कि डंडा मारने के चलते बाइक का संतुलन बिगड़ गया और उस पर बैठी प्रदीप की पत्नी अमरावती (34) गिर पड़ी और पीछे चल रहे डंपर से कुचलकर उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया जो रात में दो बजे प्रशासन तथा पुलिस अधिकारियों ने खत्म कराया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की जांच पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार को सौंपी गई है। मामले में निगोही थाना के उप निरीक्षक ऋषिपाल तथा डंपर चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोशल मीडिया पर तिलहर क्षेत्र की भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है जिसमें वह पुलिसकर्मियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कह रही हैं कि शादी विवाह का सीजन चल रहा है, ऐसे में रोज-रोज चेकिंग करने के लिए मैंने मना किया था।(भाषा)

बदायूं में नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम जामा मस्जिद मामले में अगली सुनवाई 28 मई को

बदायूं । बदायूं जिले की एक त्वरित अदालत ने सोमवार को नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम शम्सी जामा मस्जिद मामले की अगली सुनवाई की तारीख 28 मई तय की है। इसकी वजह बताते हुए नवनियुक्त न्यायाधीश पुष्पेंद्र चौधरी ने कहा कि वे आगे की कार्यवाही से पहले मामले की पत्रावली की समीक्षा करेंगे। हाल ही में त्वरित अदालत (फास्ट-ट्रैक कोर्ट) का कार्यभार संभालने वाले न्यायाधीश चौधरी ने दोनों पक्षों की बात सुनी और अगली सुनवाई के लिए 28 मई की तारीख तय की। उन्होंने कहा कि चूंकि उन्होंने अभी तक मामले के दस्तावेजों की समीक्षा नहीं की है, इसलिए उन्हें कोई भी बहस या निर्णय लेने से पहले फाइल को देखने के लिए समय चाहिए। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता वेद प्रकाश साहू ने बताया कि फाइल की जांच करने के बाद न्यायाधीश तय करेंगे कि बहस को फिर से शुरू किया जाए या पिछली बहस के अंत से आगे बढ़ा जाए। पिछली कई तारीखों में अदालत द्वारा बार-बार बुलाए जाने के बावजूद इंतजामिया कमेटी पक्ष के अधिवक्ता के पेश ना होने की वजह से त्वरित अदालत के तत्कालीन न्यायाधीश अमित कुमार ने मुस्लिम पक्ष को अंतिम अवसर देते हुए 11 फरवरी की तारीख तय की, किंतु अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते मामले की सुनवाई फिर टल गई। इसके बाद न्यायाधीश अमित कुमार ने 10 मार्च की तारीख दी किन्तु 10 मार्च को खुद उनके अवकाश पर होने के कारण 20 मार्च की तारीख निर्धारित की गई थी। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता वेद प्रकाश साहू ने बताया कि शमसी जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता अनवर आलम ने 20 मार्च को अदालत में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें कहा गया था कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत निचली अदालत ऐसे मामलों में कोई भी निर्णय नहीं ले सकती है। इसके बाद अपर सिविल जज, सीनियर डिवीजन ने दो अप्रैल की तारीख तय की थी। किंतु अपर सिविल जज सीनियर डिवीजना त्वरित अदालत के न्यायाधीश अमित कुमार का स्थानांतरण जनपद भदोही हो गया और किसी नए न्यायाधीश के कार्यभार ग्रहण न करने की वजह से इस मामले में 21 अप्रैल की तारीख तय की गई थी। मुकदमे के वादी एवं अधिवक्ता अरविंद परमार ने बताया कि अपर सिविल जज सीनियर डिवीजना त्वरित अदालत के नए न्यायाधीश पुष्पेंद्र चौधरी ने आज दोनों पक्षों की उपस्थिति में 28 मई की तारीख निर्धारित की है।(भाषा)

बाइक खड़ी करने के विवाद में मारपीट का आरोप, मुकदमा दर्ज

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। रास्ते मे मोटर साइकिल खड़ी होने पर एक व्यक्ति को तीन-चार लोगों ने मिलकर जमकर मारा पीटा। जिसकी शिकायत जैदपुर पुलिस से पीड़ित के करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार मामला जैदपुर थाना क्षेत्र के बरौली मलिक का है।जहां के फैजान पुत्र मो इदरीश ने थाना जैदपुर में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 19-4-2025 समय लगभग समय करीब 7 बजे शाम को रास्ते पर खड़ी गाड़ी को हटाने के बात को लेकर मेरे गांव के रहने वाले अकील, कफील, नसीम पुत्रगण शकील अहमद व नूर आलम पुत्र अजात व वसीक निसार लोग मुझे बिना किसी कारण मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देने लगे। जब मैने उपरोक्त लोगों को अनावश्यक गाली देने से रोका तो उपरोक्त लोगों ने लाठी डंडे से मुझे मारा पीटा जिससे मुझे गंम्भीर चोटें आयी। मेरे सर में चोट लगने से काफी खून बहने लगा तब मेरे घर के लोग 108 नम्बर पर सूचना दिया। सरकारी एम्बुलेन्स देखकर विपक्षी लोग मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। उक्त मामले में जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

धीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि का आगमन 22 अप्रैल को

बहराइच, (ग्रुप 5 सं.)। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना केन्द्रीय सलाहकार समिति, भारत सरकार धीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार आज चारबजे निरीक्षण भवन लो.नि.वि. बहराइच पहुंचकर डी.पी.आर.ओ. के साथ वार्ता करेंगे। जिला विकास अधिकारी, डीपीआरओ, जिला समाज कल्याण विकास, लोक निर्माण, विद्युत व सडकों, जल निगम के अधि.अभि., डीएसओ, सचिव मण्डी के साथ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के सम्बन्ध में तथा अधि.अधि. नगर पालिका व नगर पंचायत के साथ एम.एस. एक्ट में पालन कराने के सम्बन्ध में बैठक। यह जानकारी देते हुए प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि कार्यक्रम की समाप्ति के उपरान्त बाल्मीकि प्रस्थान कर जायेंगे।

चारधाम यात्रा से पहले ज्योतिर्मठ को लेकर अलर्ट पर आपदा प्रबंधन, केंद्र से 3 साल का प्रोजेक्ट अप्रूव

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड का जोशीमठ अब ज्योतिर्मठ भू धंसाव और दरारों की वजह से सुर्खियों में आया. जहां अब पुनर्निर्माण और पुनर्विस्थापन को लेकर राज्य व केंद्र सरकार की तमाम एजेंसियां काम कर रही हैं, वहीं ज्योतिर्मठ को लेकर चारधाम यात्रा से पहले आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट पर है. ज्योतिर्मठ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों को यात्रा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है. लिहाजा, पुनर्निर्माण के कार्यों पर तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं.

बता दें कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा में हर साल यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है, तो वहीं बदरीनाथ धाम यात्रा के अहम पड़ाव जोशीमठ नगर जिसका अब सरकार ने नाम बदलकर ज्योर्तिमठ कर दिया है, यहां हिंदू धर्म के चार मठों में से उत्तर का महत्वपूर्ण ज्योर्तिमठ मौजूद है. इसके अलावा नृसिंह भगवान का मंदिर भी मौजूद है. लिहाजा, चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्री अक्सर ज्योतिर्मठ में ठहरते हैं. बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब का यात्रा रूट होने की वजह से ज्योतिर्मठ पर भी यात्रियों का दबाव बढ़ जाता है. ऐसे में संवेदनशील ज्योतिर्मठ को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है.

ज्योतिर्मठ (जोशीमठ) नगर में भू धंसाव और पानी के रिसाव को लेकर केंद्र व राज्य की तमाम टेक्निकल एजेंसी की ओर से इन्वेस्टिगेशन की गयी थी. जिसकी फाइनल रिपोर्ट भारत सरकार को पूर्व में ही भेजी जा चुकी है. पुनर्निर्माण और पुनर्विस्थापन को लेकर अस्थायी तौर पर कार्य कर दिए गए थे तो वहीं स्थायी तौर पर नगर में जो बड़े काम होने हैं, उसको लेकर भारत सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं, जिस पर हरी

झंडी मिल गई है. जल्द ही धनराशि भी केंद्र की ओर से अवमुक्त कर दी जाएगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है. -विनोद कुमार सुमन, सचिव, आपदा प्रबंधन

3 बार ग्राउंड पर जा चुके आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन- आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि डीपीआर यानी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अप्रूव होने के बाद 3 बार वो खुद भी ग्राउंड जीरो पर गए हैं. चरणबद्ध तरीके से जो पुनर्निर्माण होना है, उसको लेकर रणनीति तैयार की गई है.

ज्योतिर्मठ नगर में जो बड़े काम होने हैं, उनमें पानी का रिसाव भी शामिल है. जहां से पानी का रिसाव हो रहा था, उसके लिए ड्रेनेज सिस्टम को तैयार किया जाना है. जिसके तहत ड्रेनेज प्लांट को ठीक किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उसे बढ़ाया भी जा सकता है. इसके अलावा जहां पर भू धंसाव हो रहा था, वहां पर ट्रीटमेंट होना है. स्लोप स्टेबलाइजेशन के भी काम अप्रूव हो चुके हैं. -विनोद कुमार सुमन, सचिव, आपदा प्रबंधन इसके अलावा नगर के नीचे अलकनंदा नदी और मारवाड़ी ब्रिज के किनारे टॉप प्रोडक्शन यानी नदी के तटों को भी मजबूत किया जाना है. इसके साथ ही भवनों को जो नुकसान हुआ है, उनको भी अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है, जिन भवनों में रेट्रो फिटिंग के जरिए बचाया जा सकता है, वहां पर रेट्रो फिटिंग होनी है. वहीं, कुछ रेड कैटेगरी के भवन हैं, जिनको पूरी तरह से ध्वस्त किया जाना है. 3 साल का है प्रोजेक्ट- आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि ये पूरे 3 साल का एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसमें पूरे ज्योतिर्मठ नगर को सुरक्षित करना उसका उद्देश्य है, तो वहीं अभी चारधाम यात्रा को मद्देनजर रखते हुए जरूरी कार्य को किए जाएंगे, जिससे कि यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े. क्यों सुर्खियों में आया था ज्योतिर्मठ : दरअसल, साल 2022 के आखिर से उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ (अब ज्योतिर्मठ) में जमीनों में दरारें और भू धंसाव की खबरें आने लगी. यहां अचानक घरों पर दरारें पड़नी शुरू हो गई थी. कुछ समय बाद तो दरारें जमीन पर दिखने लगीं. सुरक्षा के मद्देनजर यहां दो बड़े होटलों को ध्वस्त किया गया. काफी संख्या में लोग अपने आशियाने छोड़ने को मजबूर हो गए. जिन्हें राहत कैंप में शिफ्ट किया गया. ऐसा नहीं है कि ज्योतिर्मठ में ये स्थिति अचानक बनी थी, धीरे-धीरे ये सब हो रहा था, लेकिन सरकार और प्रशासन ने इस पर काफी देर बाद ध्यान दिया. तब तक ज्योतिर्मठ का एक बड़ा हिस्सा भू धंसाव की चपेट में आ चुका था।

संक्षिप्त समाचार

दून समेत कई जिलों में बिगड़ सकता है मौसम, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट

देहरादून, एजेंसी। देहरादून समेत टिहरी, पौड़ी, चंपावत और नैनीताल जिले के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि व 50 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से झोंकेदार हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में आज (रविवार) को भी मौसम बदला रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से पर्वतीय जिलों में ओलावृष्टि और झोंकेदार हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून समेत टिहरी, पौड़ी, चंपावत और नैनीताल जिले के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि व 50 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से झोंकेदार हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अन्य जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। आने वाले दिनों की बात करें तो 20 अप्रैल को भी प्रदेशभर में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। जबकि 21 अप्रैल से मौसम साफ रहेगा।

बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर किशोरी ने खाया जहर, परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, इलाज के दौरान मौत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में फेल होने पर एक छात्रा ने जहर खा लिया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन बचा नहीं सके। 12वीं की बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर छात्रा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। आनन फानन छात्रा को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। कुड़कावाला डोईवाला निवासी छात्रा के परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लाए थे। सूचना मिलते ही कोतवाली डोईवाला से चीता पुलिस कर्मियों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों द्वारा बताया गया कि आज कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ था, जिसमें पीड़िता असफल रही थी। इसी कारण उसने अज्ञात विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया। प्राथमिक उपचार के पश्चात पीड़िता को हायर सेंटर जौलीग्रांट रेफर किया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

चारधाम यात्रा में ऋषिकेश के लिए यातायात प्लान बनाने के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। आगामी चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन को देखते हुए देहरादून पुलिस भी तैयारियों में जुट गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधीनस्थों के साथ बैठक कर ऋषिकेश के लिए यातायात प्लान बनाने के निर्देश दिए। साथ ही पर्यटक स्थलों में डायवर्जन प्वाइंट चिह्नित कर वैकल्पिक व्यवस्था बनाने को कहा है। रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने कार्यालय में जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान एसएसपी ने आगामी चारधाम यात्रा एवं ग्रीष्मकालीन पर्यटन को सकुशल संपन्न कराए जाने के के लिए तैयारियों की समीक्षा की। एसएसपी ने उपस्थित अधिकारियों से अपने क्षेत्रों में चिह्नित किए गए ड्यूटी प्वाइंट्स की जानकारी प्राप्त की और उक्त सभी स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चारधाम यात्रा व पर्यटक सीजन के दौरान बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में यात्रियों व पर्यटकों के आने की संभावना को देखते हुए अपने-अपने क्षेत्र में यातायात प्लान तैयार करने को कहा। मुख्य मार्गों से यातायात के दबाव को कम करने के लिए लिंक मार्गों व संभावित डायवर्जन प्वाइंट्स चिह्नित कर उक्त स्थानों पर आवश्यक पुलिस बल नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उपस्थित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में चारधाम यात्रा मार्ग व ग्रीष्मकालीन पर्यटन के दृष्टिगत पर्यटक स्थलों का भौतिक रूप से निरीक्षण करने को कहा।

एलजीबीटी समुदाय ने देहरादून में किया प्राइड वॉक, अपनी आइडेंटिटी को किया सेलिब्रेट

देहरादून, एजेंसी।
राजधानी में रविवार को द वॉयस ऑफ वॉरियर फाउंडेशन की ओर से एलजीबीटी कम्युनिटी ने प्राइड वॉक निकालकर अपनी पहचान को सेलिब्रेट किया. समलैंगिकता को लेकर जागरूकता व समानता को बढ़ावा देने के लिए देहरादून में छठी प्राइड परेड का आयोजन किया गया. एलजीबीटी समुदाय की ओशिन ने कहा कि इस प्राइड वॉक में हमेशा की तरह इस बार भी समुदाय से जुड़े सदस्यों और खासकर ट्रांसजेंडर महिलाओं ने भाग लिया है. उन्होंने ट्रांसजेंडर महिलाओं को श्ब्ह्ठ्ह्ब्ष्ढ शब्द से संबोधित किए जाने पर भी आपत्ति जताई. उन्होंने कहा कि देहरादून का किन्नर समाज बधाई मांगने के साथ ही कई सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है. जो अधिकार देश के हर नागरिक को मिले हैं, वही अधिकार ट्रांसजेंडर महिलाओं और पुरुषों को भी मिलने चाहिए. ओशिन ने ट्रांसजेंडर की पीड़ा को उठाते हुए कहा कि जेंडर और सेक्सुअलिटी की वजह से उन्हें घर छोड़ देना पड़ता है या फिर

उन्हें घर से निकाल दिया जाता है. यह चीज गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए. इस गर्व रैली में भाग लेने के लिए बहुत लोग खुलकर सामने आते हैं और कुछ मास्क से अपना चेहरा ढककर आते हैं. लेकिन लोग बड़े उत्साह के साथ प्राइड वॉक में भाग लेने आते हैं. इस वॉक के जरिए उन्हें पता चलता है कि उनके जैसे लोग इस दुनिया में और भी हैं. भारत में लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल एवं ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) लोगों को सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. हालांकि पिछले एक दशक में, एलजीबीटी लोगों को काफी अधिकार मिले हैं. 6 सितंबर 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने धारा 377 को असंवैधानिक घोषित करके समलैंगिकता के अपराधीकरण को समाप्त कर दिया था. हालांकि इस समुदाय के लोगों को अभी आपस में विवाह करने की अनुमित नहीं है. 2012 में सुप्रीम कोर्ट को सरकार ने बताया था, कि देश में एलजीबीटी व्यक्तियों की संख्या लगभग करीब 25 लाख है. 2018 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एक ब्रिटिश अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में भारत की कुल आबादी में से करीब 110 मिलियन यानी 1 करोड़ 40 लाख लोगों की संख्या एलजीबीटी बताई थी.

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का ख्याल रखेंगे डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ, खास ट्रेनिंग से हुए पारंगत

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही शुरू हो रही है. यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीमार होने के मामले भी काफी ज्यादा देखे जाते रहे हैं, ऐसे में उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग आगामी चारधाम यात्रा के मद्देनजर विशेष रणनीतियों पर काम कर रहा है. जिसके तहत चारधाम यात्रा मार्गों पर तैनात किए जाने वाले डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है. अभी तक श्रीनगर मेडिकल कॉलेज और दून मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर ट्रेनिंग दिया गया है. सरकार को उम्मीद है कि इस विशेष ट्रेनिंग के बाद डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ बेहतर ढंग से मरीजों का उपचार कर सकेंगे.

उत्तराखंड स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने बताया कि इस विशेष प्रशिक्षण के तहत डॉक्टर्स और मेडिकल टीम को उच्च

हिमालयी क्षेत्रों में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं, आपदाओं व सीमित संसाधनों में इमरजेंसी चिकित्सा सेवाएं देने की तकनीकी जानकारी दी जा रही है. ऐसे में विशेष ट्रेनिंग ले चुके मेडिकल टीम को जल्द ही यात्रा मार्गों और पड़ावों पर तैनात किया जाएगा. यात्रियों को हाई एल्टीट्यूड एरिया में सांस लेने में तकलीफ, ऑक्सीजन की कमी, रक्तचाप में उतार-चढ़ाव, पैरों में छाले और अन्य समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में जरूरी है कि डॉक्टरों को इन परिस्थितियों में तत्काल उपचार शुरू करने का व्यावहारिक अनुभव हो.

श्रीनगर और दून मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण शिविर का आयोजित किया जा चुका है. जहां स्वास्थ्य अधिकारियों को चारधाम यात्रा रूट पर सेवा देने के लिए विशेष ट्रेनिंग कराई गई है. डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ को दी गई विशेष ट्रेनिंग में एक्यूट माउंटेन सिकनेस, हाई एल्टीट्यूड पल्मोनरी एडिमा एवं सेरेब्रल एडिमा, सांस फूलने की स्थिति, दौरे, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी इमरजेंसी और स्ट्रोक की जानकारी दी गई है. साथ ही किस तरह से तत्काल चिकित्सा सुविधा देने है, इसकी जानकारी दी गई है.

स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने कहा कि इन बीमारियों का सही समय पर निदान और इलाज से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है. ट्रेनिंग में एयर एंबुलेंस तक मरीज को सुरक्षित पहुंचाना, दवा प्रबंधन, समय पर रेफरल की प्रक्रिया समेत तमाम महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी फोकस किया जा रहा है.

बदला मौसम : मैदानी क्षेत्रों में चटख धूप, और चढ़ेगा पारा

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने प्रदेशभर में अंधड़, ओलावृष्टि व तीव्र वर्षा की चेतावनी दी थी, लेकिन मैदानी क्षेत्रों में मौसम सामान्य ही रहा।

बादल मंडराने से उमस बढ़ गई और पारा भी सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं झमाझम वर्षा हुई और तेज हवाओं ने भी मुश्किलें बढ़ाईं।

मौसम विभाग के अनुसार, आज भी पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल छाये रह सकते हैं और कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

दून में रविवार को सुबह से बादल मंडराते रहे। दोपहर में कहीं-कहीं चटख धूप भी खिली। दिनभर दून में उमसभरी गर्मी ने बेहाल किया। हालांकि, शाम को बादलों का डेरा डालने से वर्षा के आसार बने रहे। उधर, पर्वतीय क्षेत्रों में कई जगह पिछले दो दिन से रुक-रुककर वर्षा के दौर हो रहे हैं। प्रदेश में कहीं-कहीं तेज हवा चलने और ओलावृष्टि की भी सूचना है। इस बीच ज्यादातर क्षेत्रों में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। खासकर देहरादून में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। चमोली और उत्तरकाशी में सर्वाधिक वर्षा व ओलावृष्टि हुई, जिससे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड महसूस की गई।

यात्रा के लिए सजने-संवरने लगे चारों धाम, अक्षय तृतीया पर यमुनोत्री व गंगोत्री के कपाट खुलेंगे

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड हिमालय की चारधाम यात्रा शुरू होने में अब महज 9 दिन शेष रह गए हैं। यात्रा के लिए चारों धाम सजने-संवरने लगे हैं और प्रशासन समेत तमाम विभाग तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। अक्षय तृतीया पर्व पर 30 अप्रैल को यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा शुरू हो जाएगी।

दो मई को केदारनाथ धाम और चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाने हैं। इसके साथ ही यात्रा अपने पूर्ण स्वरूप में आ जाएगी। यात्रा के लिए अब तक 18 लाख 69 हजार 203 आनलाइन पंजीकरण हो चुके हैं, जबकि आफलाइन पंजीकरण यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट खुलने से दो दिन पूर्व यानी 28 अप्रैल से शुरू होंगे।

अब तक पंजीकरण की जो तस्वीर सामने आई है, उससे उम्मीद है कि इस बार की यात्रा नए प्रतिमान गढ़ेगी। वहीं, केदारनाथ धाम के लिए बीते आठ अप्रैल से हेली बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा बीते 10 अप्रैल से बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में पूजा और ऑनलाइन पूजा के लिए बुकिंग चल रही है।

चारधाम यात्रा के लिए ऋषिकेश, हरिद्वार व विकासनगर में 28 अप्रैल से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू होंगे। चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी योगेंद्र गंगवार ने बताया कि यमुनोत्री के लिए बड़कोट, गंगोत्री के लिए हीना, केदारनाथ के लिए सोनप्रयाग और बदरीनाथ के लिए पांडुकेश्वर में

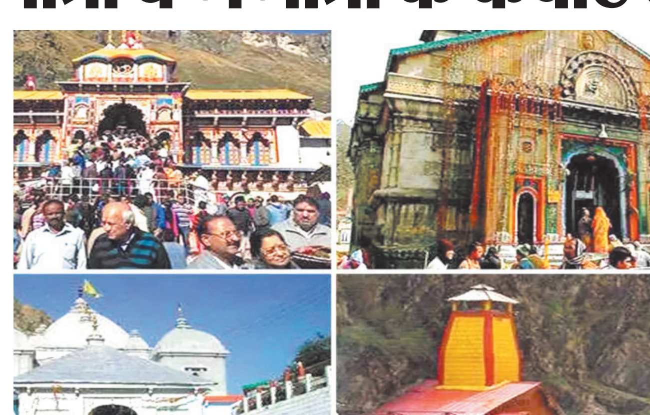

पंजीकरण की चेकिंग की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर यहां आफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था भी होगी। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत सड़कों को दुरुस्त करने की कवायद पिछले एक माह से चल रही है। हाल ही में परिवहन विभाग ने चारधाम यात्रा मार्ग पर 750 से अधिक संवेदनशील स्थलों की सूची जारी करते हुए लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व सीमा सड़क संगठन को पत्र भेजे हैं। इस कड़ी में कई स्थानों पर सड़कों को ठीक करने का कार्य शुरू हो गया है। अब इन सड़कों का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि यात्रा शुरू होने से पहले सभी मार्गों को पूरी तरह दुरुस्त किया जा सके। प्रदेश में 30 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। चारधाम यात्रा को सुरक्षित व निरापद बनाने के लिए यात्रा से संबंधित सभी विभाग तैयारियों में जुटे हुए हैं।

सड़कों को ठीक करने का काम तेज: यात्रा के दौरान सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत सड़कों को न केवल ठीक किया जा रहा है, बल्कि इनमें पैराफिट, यातायात संकेतक और रिफलेक्टर आदि लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। यद्यपि, अभी भी यह कार्य पूरा नहीं हो पाया है। अब यात्रा को मात्र 9 दिनों का समय शेष है। हाल ही में परिवहन विभाग ने चारधाम मार्गों का सर्वे कर एक रिपोर्ट संबंधित विभागों को सौंपी थी। इसमें विभाग ने मार्गों पर रंबल स्ट्रिप लगाने, सूचना पट लगाने, मार्ग में गड्ढों को दुरुस्त करने, क्रैश बैरियर की आवश्यकता, मार्ग पर पड़ा मलबा हटाने और रिफलेक्टर ठीक करने के सुझाव दिए थे। इसे देखते हुए सचिव लोक निर्माण विभाग स्वयं चारधाम मार्गों की सड़कों का निरीक्षण करने जा रहे हैं। सचिव लोक निर्माण विभाग डा पंकज कुमार पांडेय का कहना है कि मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है।

उत्तराखंड में डेमस्क गुलाब की खुशबू से महक रहा रोजगार

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के चमोली, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा जिले में 39 क्लस्टर में डेमस्क गुलाब की खेती की जा रही है।

उत्तराखंड में डेमस्क गुलाब की खुशबू से रोजगार महक रहा है। पिछले तीन साल में कलस्टर खेती के रूप में किसानों ने डेमस्क गुलाब की खेती को अपनाया है। जिससे खेती का क्षेत्रफल 150 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। बाजार में गुलाब तेल की कीमत 12 से 13 लाख रुपये प्रति लीटर है। इसका इस्तेमाल परफ्यूम, फ्लेवर के साथ कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। डेमस्क गुलाब की खेती को एरोमा टूरिज्म से जोड़ा जा रहा है।

प्रदेश के चमोली, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा जिले में 39 क्लस्टर में डेमस्क गुलाब की खेती की जा रही है। सगंध पौध केंद्र सेलाकुई ने प्रदेश में डेमस्क गुलाब खेती की शुरुआत बाउंड्री फसल के रूप में की थी। इसमें खेतों के चारों तरफ डेमस्क गुलाब को लगाया गया। जिससे जंगली जानवर अन्य फसलों को नुकसान न पहुंचा सके। अब इसे व्यावसायिक खेती के रूप में किसान अपना रहे हैं।

सगंध पौध केंद्र की ओर से किसानों को खेती में तकनीकी सहयोग करने के साथ बाजार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष 2021-22 में प्रदेश में लगभग 100 हेक्टेयर पर डेमस्क गुलाब की खेती हो रही थी। 2024-25 में बढ़ कर 150 हेक्टेयर तक पहुंच गई है। प्रति वर्ष लगभग 700 क्विंटल गुलाब का उत्पादन किया जा रहा है।

डेमस्क गुलाब के तेल व जल की मांग कॉस्मेटिक, फ्लेवर, परफ्यूम बनाने वाली कंपनियों में अधिक है। देश में डेमस्क गुलाब का उत्पादन कम होने से बुलगारिया, टर्की से ऑयल आयात किया जाता है। देश में 5 से 7 टन तक इसकी खपत है। डेमस्क गुलाब ठंडी जलवायु का पौधा है। जिससे उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में इसकी खेती की काफी संभावनाएं है। अभी तक प्रदेश में डेमस्क से गुलाब जल तैयार किया जा रहा है। सगंध पौध केंद्र की इससे तेल बनाने की योजना है।

प्रदेश में डेमस्क गुलाब को रोजगार का माध्यम बनाने की दिशा में सरकार और सगंध पौध केंद्र काम कर रहा है। हर साल प्रदेश में डेमस्क खेती रकबा बढ़ रहा है। सगंध पौध केंद्र ने पहली बार देहरादून के भाऊवाला में आठ एकड़ पथरीली जमीन पर मॉडल एरोमा बगीचा तैयार किया है। इसमें पर्वतीय क्षेत्रों में गैर सिंचित क्षेत्रों के लिए वर्षा जल संग्रहण से डेमस्क खेती का मॉडल तैयार किया है। डेमस्क खेती को एरोमा टूरिज्म से जोड़ा जा रहा है।

सम्पादकीय

राज्यपाल के दायित्व

सैयद अहमर हसनैन

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका, लक्ष्मण-रेखाएं और मर्यादाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हैं। कोई भी अन्य के विशेष क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। संविधान का अनुच्छेद 122 संसद की कार्यवाही की वैधता को प्रक्रियागत अनियमितता के आधार पर चुनौती देने से रोकता है। यह संसद के आंतरिक मामलों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित रखता है और इसकी विधायी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों ने कार्यपालिका और विधायिका के बीच के टकराव को सार्वजनिक कर दिया है। जजों की नियुक्ति का मामला हो या संविधान की व्याख्या -मतभेद पहले भी रहे हैं। लेकिन, पहली बार संवैधानिक पद पर बैठे किसी जिम्मेदार ने इतनी तल्ख बातें की हैं। जिस मंच का इस्तेमाल किया गया, वह भी सही नहीं था। इससे किसी बदलाव की उम्मीद कम, बेकार की बहस बढ़ने का अंदेशा ज्यादा है।

दरअसल चर्चा उस प्रकरण के संदर्भ में शुरू हुई थी, जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गई कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? शीर्ष अदालत ने हाल में एक मामले की सुनवाई करते हुए राज्यपालों के अलावा राष्ट्रपति के लिए भी विधेयक पास करने की समय-सीमा तय कर दी है। उपराष्ट्रपति की टिप्पणियां उसी संदर्भ में थीं। उनका सबसे सख्त ऐतराज इस पर बात पर रहा कि सुप्रीम कोर्ट देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता। धनखड़ संवैधानिक पद पर हैं और जब वह ऐसी बात करते हैं, तो टकराव बढ़ता है। उपराष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 142 को लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइल बताया है। यह अनुच्छेद सुप्र को विशेष अधिकार देता है। जब पूर्ण न्याय के लिए कोई और रास्ता नहीं बचता, तब सुप्रीम अदालत इस अनुच्छेद से मिली पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करती है। इसे किसी संवैधानिक संस्था के खिलाफ हथियार नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह उम्मीद का दरवाजा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को सुपर संसद कहा, अनुच्छेद 145 (3) में संशोधन की वकालत की। यह अनुच्छेद तय करता है कि संविधान से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ का गठन किस तरह किया जाएगा। ऐसे में इस तरह की टिप्पणियां जनता में भ्रम पैदा कर सकती हैं, अविश्वास का माहौल बनता है। उपराष्ट्रपति की कुछ चिंताएं अपनी जगह सही हैं। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के घर से मिले नोटों के जले हुए बंडल का जिक्र किया और जवाबदेही की बात उठाई। देश के नागरिक के तौर पर उनकी चिंता और सवाल जायज हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे पारदर्शिता बढ़े और न्यायपालिका पर भरोसा कायम रहे। हालांकि बतौर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी टिप्पणियों से बच सकते थे।ऐसा नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। आज के राजनीतिक माहौल में उनसे ज्यादा संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रुव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है। आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं...

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह', जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। 190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं।

इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निर्माता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके। आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रुव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है। आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढ़ंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के

लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है। आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बड़े खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है।

भाषा में सादगी,फैसलों में कानूनी तर्क है 'जिनकी' पहचान

52 वें सीजेआई गवई लेंगे 14 को शपथ

अजय कुमार

गवई को वकालत में सफलता के बाद, 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अगले 16 वर्षों तक उन्होंने इस पद पर रहते हुए असंख्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी न्यायिक दृष्टि में न केवल कानूनी बारीकियों की गहरी समझ थी, बल्कि सामाजिक संदर्भों का भी विशेष स्थान था। वे हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि न्याय केवल कानून की किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। 2019 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान थी, बल्कि एक संकेत भी था कि भारतीय न्यायपालिका में विविधता और प्रतिनिधित्व का महत्व बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक और संवेदनशील मामलों की सुनवाई में भाग लिया। इनमें 2016 की नोटबंदी की संवैधानिक वैधता, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, और चुनावी बांड योजना शामिल हैं। नोटबंदी के मामले में वे बहुमत की उस राय का हिस्सा रहे, जिसने सरकार के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने यह तर्क दिया कि इस निर्णय की प्रक्रिया में भारतीय रिजर्व बैंक को विश्वास में लिया गया था और इसीलिए इसे असंवैधानिक नहीं माना जा सकता...

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम आजकल एक हर की जुबान पर चढ़ा हुआ है। वह मोदी सरकार द्वारा वक्फ कानून में किये गये बदलाव पर सुनवाई कर रहे हैं। शुरूआती दो दिन की सुनवाई के दौरान जस्टिस खन्ना ने जिस तरह से विधायिका में बनाये गये कानून के खिलाफ सख्त टिप्पणी की उसके बाद उनके ऊपर कई नेता और न्यायविद्र हमलावर हैं। आम जनता भी सवाल खड़े कर रही है,कहा यह भी जा रहा है कि जस्टिस खन्ना मामले की सुनवाई में काफी तेजी दिखा रहे हैं,इसकी वजह में जाकर देखा जाये तो पता चलता है कि खन्ना13 मई को रिटायर्ड हो रहे हैं। शायद वह अपने रिटायर्डमेंट से पूर्व इस केस को किसी अंजाम तक पहुंचा देना चाहते हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनके सेवानिवृत होने के बाद अगले चीफ जस्टिस यह मुकदमा सुनेंगे। अलगे मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायविद भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई को 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करना है। करीब सवा छह महीने यानी 23 नवंबर 2025 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस गवई अपनी जिम्मेदारी निभायेंगे।

जस्टिस गवई अनुसूचित जाति से आते हैं। इससे पूर्व जस्टिस केजी बालकृष्ण 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। बालकृष्ण भी दलित समाज से ताल्लुक रखते थे। अभी तक दलित समाज से सिर्फ दो ही मुख्य न्यायाधीश बने हैं। बहरहाल, अपने न्यायिक कार्यो का संपादन करने के दौरान जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभर कर सामने आए हैं, जिनकी यात्रा साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च न्यायालय के शीर्ष पद तक पहुँचने वाली है। उनकी कहानी न केवल प्रेरणादायक है बल्कि भारतीय लोकतंत्र में सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी है। जब वे 14 मई 2025 को भारत के 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे, तब वे दलित समुदाय से आने वाले केवल दूसरे व्यक्ति होंगे जो इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचेंगे। भूषण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हुआ था। उनके पिता रावसाहेब गवई एक प्रमुख राजनीतिज्ञ थे और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित थे। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े भूषण गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और 1985 में बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने प्रमुख अधिवक्ता और न्यायाधीश राम रेड्डी के अधीन अभ्यास किया, जिससे उन्हें न्याय की गहराई और संवैधानिक मूल्य समझने का अवसर मिला। गवई को वकालत में सफलता के बाद, 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अगले 16 वर्षों तक उन्होंने इस पद पर रहते हुए असंख्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी न्यायिक दृष्टि में न केवल कानूनी बारीकियों की गहरी समझ थी, बल्कि सामाजिक संदर्भों का भी विशेष स्थान था। वे हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि न्याय केवल कानून की किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। 2019 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान थी, बल्कि एक संकेत भी था कि भारतीय न्यायपालिका में विविधता और

प्रतिनिधित्व का महत्व बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक और संवेदनशील मामलों की सुनवाई में भाग लिया। इनमें 2016 की नोटबंदी की संवैधानिक वैधता, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, और चुनावी बांड योजना शामिल हैं। नोटबंदी के मामले में वे बहुमत की उस राय का हिस्सा रहे, जिसने सरकार के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने यह तर्क दिया कि इस निर्णय की प्रक्रिया में भारतीय रिजर्व बैंक को विश्वास में लिया गया था और इसीलिए इसे असंवैधानिक नहीं माना जा सकता। हाल ही में जब चुनावी बांड योजना पर फैसला देने वाली पीठ का गठन हुआ, तो जस्टिस गवई ने खुद को उस पीठ से अलग कर लिया। यह फैसला दर्शाता है कि वे न्यायिक नैतिकता और निष्पक्षता को कितनी गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्हें उस मामले में बैठना उचित नहीं लगेगा, जिससे हितों के टकराव की आशंका हो। यह उदाहरण उनके चरित्र की पारदर्शिता और सिद्धांतवादी सोच को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट में उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय से जुड़े मामलों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों में मजबूत टिप्पणी की, जहां नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो या समाज के हाशिए पर रह रहे वर्गों को न्याय नहीं मिल पा रहा हो। उनकी भाषा में सादगी होती है, लेकिन उनके फैसलों में कानूनी तर्क और मानवीय दृष्टिकोण का गहरा संतुलन देखा जा सकता है। नवंबर 2024 में गवई को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस भूमिका में उन्होंने गरीबों, वंचितों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और दिव्यांग नागरिकों के लिए मुफ्त कानूनी सहायता को प्रभावी बनाने के लिए ठोस प्रयास किए। उनका मानना रहा है कि न्याय तब तक सार्थक नहीं हो सकता जब तक वह हर व्यक्ति तक समान रूप से न पहुंचे। उन्होंने लोक अदालतों, ई-कोर्ट्स और विधिक साक्षरता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की नीति अपनाई। जस्टिस कार्यशैली में एक विशेष गुण यह है कि वे कोर्टरूम की गरिमा बनाए रखते हुए सभी वकीलों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं। वे तकनीकी पक्षों की गहन पड़ताल करते हैं, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि न्याय में देरी न हो। उनकी भाषा संयमित होती है, लेकिन जब बात संवैधानिक नैतिकता की आती है, तो वे कठोर भी हो सकते हैं। यह संतुलन ही उन्हें एक प्रभावी न्यायाधीश बनाता है। जब वे 14 मई 2025 में भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे, तब उनके सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ होंगी। न्यायिक प्रणाली में लंबित मामलों की संख्या कम करना, ई-गवर्नेंस को न्यायपालिका में और सुदृढ़ बनाना, तथा न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हो सकता है। उनके नेतृत्व में न्यायपालिका में तकनीक के अधिक प्रयोग और कानूनी प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में ठोस पहल की उम्मीद की जा रही है।

भोजशाला

अम्बिका-वाग्देवी की प्रतिमा और अभिलेख

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

भोजशाला धार (मध्य प्रदेश) सन् 1875 में जब इमारत का जीर्णोद्धार किया जा रहा था तब वहाँ अंबिका और सरस्वती की दो प्रतिमाएँ पाई गई थीं। इनके पाए जाने के कुछ ही समय बाद एक मूर्तियों को विलियम किनकैड (भारतीय सिविल सर्विस) के ध्यान में लाया गया, जो 1866 से मध्य भारत में काम कर रहे थे। वह 1886 में भारत से लौटने पर एक मूर्ति को ब्रिटेन ले गये, और 1891 में इसे ब्रिटिश संग्रहालय के ऑगस्टस वोलास्टन फ्रैंक्स (1826-1897) के पास जमा कर दिया। जब किनकैड की 1909 में मृत्यु हुई, तो ये ब्रिटिश संग्रहालय का हिस्सा बन गई। ऐसा इन्टरनेट पर उपलब्ध सूचनाओं से ज्ञात होता है। दूसरी मूर्ति कब और कैसे ब्रिटिश संग्रहालय में पहुँची इसकी विस्तृत जानकारी नहीं है। उस प्रथम प्रतिमा के विषय में लिखा है कि- "धार की अंबिका मूर्ति ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन के संग्रह में जैन देवी अंबिका की उच्च नक्काशी वाली पाषाण की प्रतिमा है।" दूसरी प्रतिमा वास्तविक वाग्देवी या सरस्वती की मूर्ति देवी अंबिका के सिर पर सुन्दर नक्कसीदार मणि-मुकुट है, उनके बाल एक तरफ बंधे हुए हैं। वितान के परिकर में एक ओर की माल्यवाहक गगनचरी स्पष्ट है, दूसरी ओर की खण्डित व अप्राप्त है।

इसे कर्णोत्पल, हीक्कासूत्र, हारयष्टि, कण्ठिका और स्तनमाला धारण किये हुए दर्शाया गया है। कटि में त्रिस्तरीय कटिमेखला, घर्घरमल्लिका आदि आभारण सुशोभित हैं। अम्बिका देवी की चार भुजाओं में से दो के अग्रभाग गायब हैं किन्तु उनकी भुजाओं पर सुदर भुजबंध सुशोभित हैं। ऊपर को किये हुए एक हाथ में हाथी का अंकुश है, दूसरे हाथ का आयुध टूटा हुआ है। कलाइयों में दो-दो मोटे-मोटे चूड़े शिल्पित किये गए हैं। यह देवी एक सामान्य पादपीठी पर द्विभंगासन में खड़ी है, पैरों में भी चार-चार पैजनियाँ हैं। बायीं ओर अम्बिका का वाहन सिंह निर्मित है, जिसके ऊपर एक बालक या बालिका बैठी है, जो देवी की ओर निहार रही है और एक हाथ ऊपर को किये हुए है। दायीं ओर एक बालक कुछ पीछे को झुका सा खड़ा है, मानो वह भी उच्च दृष्टि करके माँ को निरख रहा हो, उसके एक हाथ में मातुलिंग फल है, दूसरा भग्न है। बालक के पीछे एक दाढ़ी वाले ऋषि हैं, ये मुकुटबद्ध हैं और अन्य आभारण भी धारण किये हुए हैं। इस अम्बिका देवी के पादपीठ पर अभिलेख है जो बहुत महत्वपूर्ण है। अभिलेख का पाठ इस प्रकार है-

"ओं।। श्रीमद्भोजनरेंद्रचंद्रनगरी विद्याधरी धर्म्मधी यो रग नामस्मरणं ...... खलु सुखप्रस्थापनं।या धाराः वाग्देवी प्रथम विधायजननी, पस्चाज्जिनानात्रयीमम्बा. नित्यफलाधिकां वररुचिः मूर्ति सुभा नि र्म्ममे इति सुभंमस्तु सूत्रधार सहिस्सुतमणथलेण घटितं।। विज्ञानिक सिवदेवेन लिखितमिति। संवत् 1091"

अर्थात-"संवत् 1091 में श्रीमद्भोज के चंद्रनगरी धारा में विद्याधरी जैन धर्म को धारण करने वाली जिनके नाम स्मरण से सुख की प्रस्थापना होती है, अज्ञानता को हटाने के लिए हैं, वररुची ने पहले वागदेवी माता और बाद में तीन जिनों का निर्माण करवाकर अम्बा की इस सुंदर छवि को बनवाया, जो हमेशा प्रचुर मात्रा में फल प्रदान करने वाली है, ये शुभ और कल्याणकारी हों। इसे सूत्रधार सहिर के पुत्र मणथल ने तराशा था है। यह लेख विशेष दक्ष शिवदेव द्वारा लिखा गया।" शिलालेख नागरी लिपी में लिखा है और संस्कृत भाषा में संरचित है। इसमें वररुचि द्वारा तीन जैन तीर्थंकरों समेत सरस्वती प्रतिमा दान करने के बाद अंबिका प्रतिमा के निर्माण का उल्लेख किया गया है। यह वररुचि कौन थे, इस बारे में बताया गया है कि वह वास्तव में जैन विद्वान् धनपाल थे, जिन्होंने 11वीं शताब्दी में राजा भोज के दरबार में एक प्रमुख किरदार निभाया था। वररुचि ने प्राकृत व्याकरण का "प्राकृत प्रकाश" नामक ग्रन्थ भी लिखा है। इस प्रतिमा को ही प्रायः वाग्देवी की मूर्ति प्रचारित किया जाता रहा है, जबकि वाग्देवी की प्रतिमा अन्य है, जिसका परिचय अलग से लिखा जायगा। प्रस्तुत प्रतिमा में अभिलेख बहुत बड़ा प्रमाण है, कुछ लोगों ने पूर्वाग्रही होकर अभिलेख का पाठ भी गलत किया है, किन्तु इसमें टंकित अक्षर अपनी कहानी स्वयं कहते हैं, उन्हें झुठलाया नहीं जा सकता। अम्बिका 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ की शासन देवी है तथा अम्बिका की स्वतंत्र रूप से भी भारत में सैकड़ों प्रतिमाएँ हैं। अम्बिका की अधिकतर मूर्तियाँ ललितासन में बैठीं हुई हैं, यह प्रतिमा द्विभंगासन में खड़ी हुई है।

आज का राशिफल

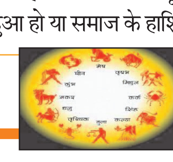

मेषःकोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभः फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुनः आय में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क : किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं।

सिंहःतीर्थयात्रा की योजना बनेगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कन्याःविवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

तुलाःकानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक : किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

धनुःकानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

मकरःकोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी।

कुंभ : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा।

मीनःभूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

आज का पंचांग

22 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि और मंगलवार का दिन है। नवमी तिथि मंगलवार शाम 6 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। 22 अप्रैल को रात 9 बजकर 13 मिनट तक शुभ योग रहेगा। साथ ही मंगलवार दोपहर 12 बजकर 44 मिनट तक श्रवण नक्षत्र रहेगा, उसके बाद धनिष्ठा नक्षत्र लग जाएगा। इसके अलावा 22 अप्रैल से पंचक प्रारंभ है।

धनिष्ठा नक्षत्र आकाशमंडल में स्थित 27 नक्षत्रों की श्रेणी में से धनिष्ठा 23वां नक्षत्र है। धनिष्ठा का अर्थ होता है- सबसे धनवान। धनिष्ठा नक्षत्र को सुख-समृद्धि और मान-प्रतिष्ठा का सूचक माना जाता है। धनिष्ठा नक्षत्र व्यवहारिक कौशल और ऊर्जा से भरपूर रहता है। धनिष्ठा नक्षत्र के पहले दो चरण मकर राशि में आते हैं और आखिरी दो चरण कुंभ राशि में आते हैं। लिहाजा धनिष्ठा नक्षत्र का मकर और कुंभ राशि पर प्रभाव रहता है। इस नक्षत्र के स्वामी मंगल हैं और इसका प्रतीक चिन्ह ढोल या मृदंग को माना जाता है वनस्पतियों में इसका संबंध शमी के पेड़ से बताया गया है। लिहाजा जिन लोगों का जन्म धनिष्ठा नक्षत्र में हुआ हो, उन लोगों को शमी के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए की आप शमी के पेड़ को किसी प्रकार का नुकसान ना पहुंचाएं। ऐसा करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। साथ ही आपके सुख सौभाग्य में वृद्धि होगी।

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:48 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:50 बजे

अनमोल विचार

- जिस तरह एक चौक से सीधी लाइन खींच दी जाती है वैसे ज़िंदगी नहीं चलती यहाँ तो घुमावदार मोड़ आते है ।
- इस चकाचौंध की ज़िंदगी मैं कई दिन ऐसे भी आते है जब लगता है सब ख़त्म हो गया पर इंसान वहाँ से भी निकल जाता है ।
- न जाने कितने बरस लग जाते है एक हीरे को बनने में उसी तरह व्यक्ति भी धीरे से आगे बढ़ता है ।
- किसी की चमक पर इतना भी मोहित ना हो जाओ की वो आपसे आपका सब कुछ छीन ले ।
- तर्क के आधार पर अगर बात करोगे तो हो सकता है आज नहीं तो कल मंज़िल मिल ही जाएगी ।

जानकारी

कलम की कसौटी

सन् 1936 की बात है। अमृता प्रीतम की पहली पुस्तक प्रकाशित हुई थी। यह उनकी लेखनी की शुरुआत थी। उस समय महाराजा कपूरथला ने उनकी पुस्तक से प्रभावित होकर उन्हें दो सौ रुपये भेंटस्वरूप भेजे। कुछ ही दिनों बाद, महारानी नाभा, जो कभी उनके पिता की शिष्या रह चुकी थीं, ने प्रशंसा के रूप में एक सुंदर साड़ी भिजवाई। यह सब डाक के माध्यम से आया। एक दिन जब डाकिया फिर से दरवाज़ा खटखटाने आया, तो अमृता ने उत्साह में कहा, 'आज फिर कोई इनाम आया है?' यह सुनते ही उनके पिता के माथे पर एक गहरी त्योरी उभर आई– एक ऐसी शिकन जो अमृता कभी नहीं भूल सकीं। उस क्षण उन्होंने तो बस अपने काम की सराहना से उत्साहित होकर वह बात कही थी, पर पिता की उस प्रतिक्रिया में एक गहरा संदेश छुपा था। तुरंत तो अमृता नहीं समझ पाईं कि पिता क्या देखना चाहते थे, पर समय के साथ उन्हें यह बात गहराई से समझ आई। उन्होंने जाना कि एक लेखक का मूल्य पुरस्कारों, उपहारों या प्रशंसा में नहीं है, बल्कि उसके विचारों की ऊंचाई, उसकी आत्मा की सच्चाई और समाज के प्रति उसकी ज़िम्मेदारी में है। पुरस्कार तो मिल सकते हैं, लेकिन अगर लेखक की प्रेरणा केवल इनाम की लालसा बन जाए, तो लेखनी खोखली हो जाती है।

ज्यादा खुश मत होइए... बाजार में बड़ी आफत आनी बाकी! भारत समेत कोई नहीं बचेगा इससे

मार्क मोबियस ने दी गिरावट की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट में एक बार फिर से तेजी आई। पिछले हफ्ते शेयर मार्केट तीन दिन खुली थी और तीनों दिन बढ़त के साथ बंद हुई। इससे निवेशकों को एक बार फिर से भरोसा जगा है। वहीं मोबियस इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड के चेयरमैन मार्क मोबियस का कहना है कि बाजार में बड़ी गिरावट आनी अभी बाकी है।

मोबियस ने इसका कारण अमेरिका के टैरिफ को बताया है। उनका कहना है कि अमेरिकी टैरिफ के कारण दुनियाभर की मार्केट में बड़ी गिरावट आ सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में मार्क मोबियस ने भारत को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत, चीन से ग्लोबल सप्लाई चेन को अपने हाथ में ले सकता है। मार्क मोबियस ने कहा कि भारत को निवेश और व्यापार से जुड़ी नौकरशाही को कम करना होगा। इससे काम जल्दी होगा।

मार्केट को लेकर क्या रुख

मोबियस का कहना है कि बाजार में और भी अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप अभी बातचीत कर रहे हैं। उन्हें कुछ टैरिफ पर 90 दिन की समय सीमा खत्म होने से पहले कई व्यापारिक सौदे निपटाने हैं। उन्होंने कहा, जब आप बातचीत कर रहे होते हैं तो आपको कुछ पाने के लिए कुछ चुकाना होता है।

पहले व्यापारिक सौदों पर काम कर चुके लोगों का कहना है कि इस तरह की जल्दबाजी वाली समय-सीमा कई तरह की मुश्किलें और रुकावटें लाती है। इसलिए, तैयार रहें। बाजार और भी अस्थिर हो सकता है। यानी मार्केट में और गिरावट आ सकती है।

भारत पर क्या पड़ेगा असर?

मोबियस ने कहा कि हर कोई एक ही स्थिति में है। मार्केट की गिरावट से कोई भी आम तौर पर बच नहीं सकता है। भारत वैश्विक व्यापार युद्ध में और भी ज्यादा उलझेगा क्योंकि यह आगे चलकर एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बनेगा। भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। वह चीन से सप्लाई चेन को अपने हाथ में लेने की स्थिति में है। लेकिन भारत को निवेश के लिए सिस्टम को उदार बनाने और अपने व्यापार सिस्टम को भी उदार बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा।

मंदी के बारे में यह दी राय

मोबियस का कहना है कि अमेरिका में मंदी आएगी। शायद इसलिए क्योंकि पैसे की आपूर्ति अच्छी दर से नहीं बढ़ रही है। हालांकि मोबियस का यह भी कहना है कि यह मंदी बहुत लंबे समय तक नहीं चलेगी।

यह एक तिमाही या उससे कम समय तक चलेगी। मोबियस ने बताया कि ट्रंप यह सुनिश्चित करने के लिए निश्चित रूप से कुछ कार्रवाई करेंगे कि यह ज्यादा न खींचे।

विकसित भारत बनने की रणनीतिः अनंत नागेश्वरन बोले- हर साल 80 लाख नौकरियों की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कम से कम अगले 10 से 12 सालों तक हर साल 80 लाख नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके साथ ही देश की जीडीपी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। बता दें कि नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित कोलंबिया इंडिया समिट 2025 में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत की आर्थिक नीतियों और भविष्य को लेकर आयोजित किया गया था।

आने वाले साल भारत के लिए कठिनः नागेश्वरन ने समिट में कहा कि आने वाले 10-20 साल भारत के लिए आसान नहीं होंगे। जैसा अनुकूल माहौल भारत को 1990 के बाद मिला था, वैसा अब नहीं मिलेगा। दुनिया की बदलती परिस्थितियां, तकनीकी बदलाव और वैश्विक संघर्ष आर्थिक विकास में बाधा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी जैसी चुनौतियां अब सामने हैं, जो पहले विकसित देशों को नहीं झेलनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि एआई जैसी तकनीकें एंट्री-लेवल नौकरियों को खत्म कर सकती हैं। ऐसे में हमें नीतियों में इस तरह का संतुलन लाना होगा, जिससे रोजगार भी बने और तकनीक का इस्तेमाल भी हो।

विनिर्माण और एमएसएमई पर जोरः नागेश्वरन ने कहा कि अगर भारत को वैश्विक विनिर्माण में मजबूत बनना है, तो लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) का विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मजबूत एमएसएमई सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति नहीं बन पाया। साथ ही उन्होंने कहा कि या तो हमें निवेश दर को बढ़ाना होगा या फिर मौजूदा निवेश से अधिकतम लाभ निकालना होगा, क्योंकि वैश्विक पूंजी प्रवाह पर भी अब संघर्षों का असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहले भारत की जीडीपी में निर्यात का योगदान 40 प्रतिशत तक था (2003-08), जो अब घटकर 20 प्रतिशत से भी कम हो गया है, और आगे और गिर सकता है। इसलिए, सिर्फ निर्यात पर निर्भर रहकर विकास करना अब संभव नहीं होगा।

वेयटेक ने दिल्ली में नए एक्सपीरिएंस सेंटर के साथ भारत में अपना विस्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड स्थित वेयग्रुप एजी की अनुषंगी वेयटेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड ने भारतीय बाजार को लेकर अपनी मजबूत एवं बढ़ती प्रतिबद्धता दोहराते हुए नई दिल्ली में अपने दूसरे इंडिया एक्सपीरिएंस सेंटर का उद्घाटन किया है। यह अत्याधुनिक सुविधा मुंबई में वेयटेक के मौजूद एक्सपीरिएंस सेंटर की पूरक है और यह ट्रेडिंग फ्लोर्स, कमांड एंड कंट्रोल रूम और सिक्युरिटी ऑपरेशंस सेंटर्सजैसे मिशन के महत्व वाले वातावरण के लिए इस कंपनी की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीज़ को जीवंत रूप से प्रदर्शित करने का काम करेगा। इस नई दिल्ली एक्सपीरिएंस सेंटर का औपचारिक रूप से उद्घाटन वेयग्रुप एजी के बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ अर्मिन क्लिंगलर, वेयग्रुप के डिप्टी सीईओ एवं सीएफओ पास्कल क्रेइनबुह्ल और वेयटेक्नोलॉजीज़ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजीव भल्ला द्वारा किया गया। चालीस वर्ष से अधिक की विरासत के साथ वेयटेक को इसके स्विट्जरलैंड में इंजीनियरिंग किए गए उच्च निष्पादन वाले कार्यस्थल सॉल्यूशंस के लिए जाना जाता है। यह कंपनी रीयल टाइम डेटा के निर्बाध ट्रांसमिशन, कंट्रोल, डिस्ट्रीब्यूशन एवं विजुअलाइजेशन में विशेषज्ञ है और सभी क्षेत्रों में पेशेवरों को कुशल एवं एकीकृत कार्य वातावरण के साथ सशक्त कर रही है। वेयग्रुप एजी के बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ अर्मिन क्लिंगलर ने कहा, भारत वेयटेक के लिए एक रणनीतिक बाजार है और हम इसकी वृद्धि में सहयोग के लिए हमारे वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय नवप्रवर्तन को यहां लाकर उत्साहित हैं। हमारे सॉल्यूशंस में सटीक, विश्वसनीय एवं परिचालक केंद्रित डिजाइन का समा वेय है जो स्विस इंजीनियरिंग को परिभाषित करता है।

टाटा के शेयर को खरीदने की लूट, बावजूद एक्सपर्ट हैं निराश, प्रॉफिट में आई गिरावट

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा एलेक्सी के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 6 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 5208 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 4899.75 रुपये था। शेयरों में यह तेजी निराशाजनक मार्च तिमाही के नतीजों के बाद देखी जा रही है। इधर, ब्रोकरेज हाउसों के एनालिस्ट को अपने टारगेट प्राइस को कम करना पड़ा और अधिक सतर्क रुख अपनाना पड़ा। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने टाटा एलेक्सी पर अपनी अंडरवेट रेटिंग बरकरार रखी है और पहले से मामूली उम्मीदों के बावजूद चौथी तिमाही में विफलता का हवाला देते हुए इसका टारगेट प्राइस घटाकर 4,660 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि ऑटोमोटिव सेगमेंट में डील में कुछ तेजी देखने को मिल सकती है। कमजोर एग्जिट रेवेन्यू के साथ मॉर्गन स्टेनली ने चेतावनी दी कि आय में गिरावट का चक्र जारी रह सकता है।

1700 रुपये के पार जा सकते हैं आईसीआईसीआई बैंक के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सोमवार को 2 पर्सेंट से अधिक उछलकर 1437 रुपये पर पहुंच गए हैं। बैंक के शेयर 52 हफ्ते के नए उच्चतम स्तर पर जा पहुंचे हैं। बाजार पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का कहना है कि बैंक के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने आईसीआईसीआई बैंक पर बाय रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों के लिए 1710 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा लेवल से आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में करीब 20 पर्सेंट का उछाल आ सकता है।

किसी एनालिस्ट ने नहीं दी शेयर बेचने की रेटिंग

आईसीआईसीआई बैंक उन कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में से है, जिसे एक भी एक्सपर्ट ने बेचने की सलाह नहीं दी है। प्राइवेट बैंक के स्टॉक का कवरेज करने वाले 52 एनालिस्ट्स में से 49 ने बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। जबकि 3 एनालिस्ट्स ने बैंक के शेयरों को होल्ड रेटिंग दी है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस मैक्वेरी ने आईसीआईसीआई बैंक पर आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है और बैंक के शेयरों के लिए 1670 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने बाय रेटिंग के साथ बैंक के शेयरों को 1680 रुपये का टारगेट दिया है। आईसीआईसीआई बैंक को मार्च 2025 तिमाही में 12,630 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले बैंक का मुनाफा 18 पर्सेंट बढ़ा है। वहीं, मार्च तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 11 पर्सेंट बढ़कर 21,193 करोड़ रुपये रही है। अगर पूरे वित्त वर्ष 2025 की बात करें तो प्राइवेट बैंक का टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा सालाना आधार पर 15.5 पर्सेंट बढ़कर 47,227 करोड़ रुपये रहा है। आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए हर शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.41 पर्सेंट रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.25 पर्सेंट था।

सोने के रेट में रिकॉर्ड तेजी, 1500 तक महंगा हुआ गोल्ड, 96000 पर पहुंच गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल बाजार में बढ़ती मांग के कारण सोमवार को सोने की वायदा कीमतों में 1,493 रुपये की भारी उछाल देखी गई और यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंधों ने लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और इसने शुरुआती कारोबार में 1,493 रुपये यानी 1.57 प्रतिशत चढ़कर 96,747 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर को छू लिया।

क्या है डिटेलः रिकॉर्ड तेजी से पीछे हटकर 1,346 रुपये यानी 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 96,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जिसमें 21,540 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी तरह, अगस्त डिलीवरी के लिए अनुवर्ती अनुबंध 1,464 रुपये यानी 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ एमसीएक्स पर 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण जिंस बाजार बंद रहे थे।

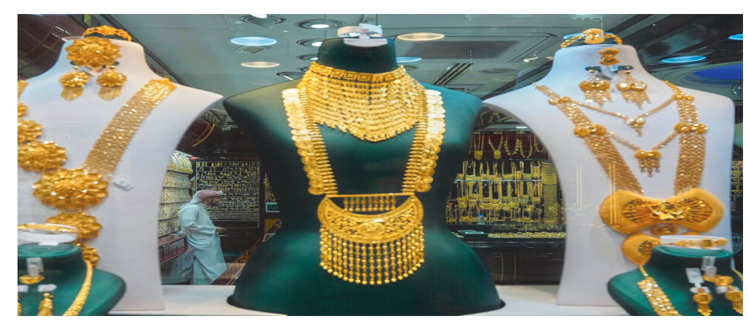

एनालिस्ट की रायः एनालिस्ट्स ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित-संपत्तियों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कोई समाधान नहीं निकलता, तब तक सोने में तेजी जारी रहने की संभावना है। वैश्विक बाजारों में, सोने का वायदा भाव 3,400.86 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के जिंस के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक व्यापार चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई और यह नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले बृहस्पतिवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के खिलाफ लगातार हमले शुरू करने के बाद अमेरिकी डॉलर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। उनके कर्मचारी पॉवेल को बदलने पर विचार कर रहे हैं, जिस कदम से केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता और वैश्विक बाजारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की बड़े विस्तार की योजना

मुंबई, एजेंसी। एनएसई और बीएसई लिस्टेड (बीएसई- 541418) नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज जो प्रीमियम क्वालिटी टूटी फ्रूटी (कैंडिड फ्रूट्स), ड्राई फ्रूट्स और डिहाइड्रेटेड फ्रूट्स के निर्माण और निर्यात में संलग्न है, ने अब ड्रिंक्स और बेवरेज सेगमेंट में विस्तार की रणनीतिक घोषणा की है। कंपनी अब मिनरल वॉटर, एरेटेड ड्रिंक्स और नॉन-अल्कोहॉलिक बेवरेज जैसे उत्पादों को अपनी रेंज में शामिल करेगी। यह कदम कंपनी की उत्पाद विविधीकरण और बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्री में फलों, नट्स, बेकरी उत्पादों और विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण और व्यापार में सक्रिय है। इसके अलावा, कंपनी अपने नए बेवरेज उत्पादों को 'नोकंट्रोल' ब्रांड नाम से लॉन्च करेगी। रणनीतिक रूप से नागपुर में स्थित अपने मुख्यालय के साथ—जिसे भौगोलिक रूप से भारत का हृदय माना जाता है—कंपनी को राष्ट्रव्यापी कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने में लॉजिस्टिकल लाभ प्राप्त है। नाकोडा मिडिल ईस्ट और यूरोपीय देशों में एक प्रमुख निर्यातक है और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की आकांक्षा रखता है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और प्रमुख त्र20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

एआई चैटबॉट चैट जीपीटी के उपयोग में तेजी आई

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट चैट जीपीटी का इस्तेमाल अब काफी होने लगा है। काफी यूजर्स इस चैटबॉट पर अपने सवाल पूछते हैं और जानकारी लेने के दौरान प्लीज और थैंक यू जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ये शब्द चैटजीपीटी की कंपनी ओपनएआई के लिए आफत बन गए हैं।

सैम ऑल्टमैन ने हाल ही में एक बात बताई। उन्होंने कहा कि प्लीज और थैंक यू जैसे छोटे-मोटे शब्द भी कंपनी के लिए बिजली का खर्चा बढ़ा रहे हैं। सैम ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर के सवाल के जवाब में कही थी। उन्होंने बताया कि इन छोटे शब्दों के कारण करोड़ों डॉलर की बिजली खर्च होती है।

क्या लिखा है पोस्ट में?: कुछ दिनों पहले टोमी नाम के एक यूजर ने एक्स पर एक पोस्ट लिखी थी। इसमें यूजर ने पूछा था कि चैट जीपीटी से बात करते समय लोग जो प्यार से प्लीज और थैंक यू बोलते हैं, उससे कितनी बिजली खर्च होती है?

इस पर सैम ने जवाब दिया कि कंपनी इसके लिए करोड़ों डॉलर खर्च कर रही है, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनका ये मजाकिया जवाब बताता है कि एआई सिस्टम हर शब्द को प्रोसेस करने में कितना खर्चा करता है।

शब्दों का बिजली से क्या कनेक्शन?: अब बात करते हैं कि प्लीज और थैंक यू बोलने से क्या होता है। देखने में तो ये छोटे शब्द लगते हैं, लेकिन इनसे कंप्यूटर पर काम का बोझ बढ़ जाता है। हर एक शब्द को प्रोसेस करने के लिए ज्यादा पावर चाहिए होती है। इससे चैट जीपीटी को चलाने वाले डेटा सेंटर्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

इन सेंटर्स में बहुत सारे कंप्यूटर होते हैं जो बहुत गर्मी पैदा करते हैं। इसलिए, उन्हें ठंडा रखने के लिए खास सिस्टम लगाने पड़ते हैं। इन सब चीजों से बिजली का इस्तेमाल बढ़ जाता है। बता दें कि जैसे-जैसे लोग एआई से ज्यादा बात कर रहे हैं, वैसे-वैसे एआई का एनर्जी इस्तेमाल भी बढ़ता जा रहा है।

कितने जरूरी हैं ये शब्द?: कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि एआई चैटबॉट से प्यार से बात करने के फायदे भी हैं।

सोनी लिव का नया डॉक्यू-ड्रामा 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स'

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव की आगामी डॉक्यू-ड्रामा सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे – लव किल्स' अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता जगा चुकी है। सही और गलत की धुंधली सीमाओं पर टिकी इसकी रहस्यमय कहानी और नैतिक द्वंद्व से जूझते किरदारों ने इसे प्लेटफॉर्म पर बहुप्रतीक्षित सीरीज बना दिया है। शो के कलाकारों को रिलीज़ से पहले ही ढेरों जिज्ञासु संदेश मिल रहे हैं, जिनमें दर्शक कहानी के रहस्य को सुलझाने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर शो को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है – हर तरफ कयास, थ्योरी और जिज्ञासा से भरी बातचीत हो रही है। शो की कहानी को लेकर कलाकार अब तक पूरी गोपनीयता बनाए हुए हैं और हल्के-फुल्के अंदाज़ में दर्शकों से यही कहते हैं – शो शुरू होने दो, सब पता चल जाएगा! इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रहीं पलक जायसवाल ने कहा, हमें जो संदेश मिल रहे हैं, वे वाकई चौंकाने वाले हैं! लोग पहले ही कहानी के सुराग जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और यह अंदाजा लगाने में जुटे हैं कि असली गुनहगार कौन है।

ईडीआईआई ने उद्यमिता का उपयोग करके सभी वर्गों के लोगों के उत्थान और उन्नती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः दिनेश सिंह रावत

ईडीआईआई ने अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया

मुंबई, एजेंसी। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने 20 अप्रैल 2025 को अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. प्रमोद सावंत ने इस अवसर पर वर्चुअली संबोधित किया। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. पिरुज़ खंबाटा, चेयरमैन - रसना ग्रुप एवं काउंसल जनरल, दक्षिण कोरिया (गुजरात); सम्मानित अतिथि सुनील अंचीपाका, आईएएस, सचिव (उद्योग), गोवा; बी. एस. पाई आंगले, मेनेजिंग डायरेक्टर, ईडीसी लिमिटेड, गोवा; दिनेश सिंह रावत, चीफ जनरल मेनेजरएवं जोनल हेड (अहमदाबाद ज़ोन), आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद (एवं गवर्निंग बोर्ड मेम्बर, ईडीआईआई) तथा डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई शामिल रहे।

सरकार, कॉरपोरेट, उद्योग संघों और शैक्षणिक क्षेत्र से भी कई गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल रहे। यह कार्यक्रम का केंद्रबिंदु था कि कैसे उद्यमिता, स्टार्टअप्स और इनोवेशन देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को प्रभावित कर रहे हैं।

डॉ. प्रमोद सावंत ने वर्चुअली संबोधित करते हुए गुजरात के अद्वितीय विकास मॉडल की सराहना की और देश व बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईडीआईआई की भूमिका की प्रशंसा की। माननीय मुख्यमंत्री श्री ने कहा, आज भारत, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, एक अग्रणी स्टार्टअप राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, और इस दिशा में ईडीआईआई का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। गोवा, 'विकसित भारत' और 'विकसित गुजरात' की परिकल्पना के अनुरूप एक मजबूत स्टार्टअप-केन्द्रित इकोसिस्टम स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि 'विकसित गोवा' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने ईडीआईआई - गोवा केंद्र द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का भी उल्लेख किया (जिसका उद्घाटन 12 मार्च 2024 को हुआ था)। उन्होंने बताया कि यह केंद्र ईडीआईआई द्वारा उस पत्र के आधार पर स्थापित किया गया था, जिसे उन्होंने गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी को इस आवश्यकता को रेखांकित करते हुए लिखा था। श्री दिनेश सिंह रावत ने कहा, ईडीआईआई ने उद्यमिता का उपयोग करके सभी वर्गों के लोगों के उत्थान और उन्नतमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर डॉ. पिरुज़ खंबाटा ने कहा, उद्यमिता ने लंबा सफर तय किया है; इसे सामाजिक-आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली साधन के रूप में सराहा जा रहा है। 'विकसित भारत' की परिकल्पना उद्यमिता, कौशल विकास, टेक्नोलोजी, ईनोवेशन और विस्तारित बाजारों जैसे स्तंभों पर आधारित है।

आईपीएल पॉइंट टेबलः

बेंगलुरु की टॉप चार में वापसी, मुंबई को भी एक स्थान की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 9 विकेट से बड़ी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में छठे स्थान पर आ गई है। वहीं रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में जीत दर्ज कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने तीसरे स्थान पर जगह बनाई है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। मुंबई इंडियंस ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए 8 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक हासिल किए हैं और टीम छठे स्थान पर आ गई है। वहीं चेन्नई की स्थिति अब और खराब हो गई है जो 8 में से 2 ही मैच जीत पाई है और 4 अंक के साथ प्वाइंट टेबल में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।आरसीबी की बात करें तो रविवार को मैच से पहले टीम पांचवें स्थान पर थी लेकिन उन्होंने वापसी की और पंजाब को हराया। बेंगलुरु के 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं और तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण पंजाब चौथे जबकि लखनऊ पांचवें स्थान पर है। गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के भी 10-10 अंक हैं लेकिन उन्होंने 7 में से पांच मैच जीते हैं। गुजरात नेट रन रेट की वजह से पहले स्थान और दिल्ली दूसरे स्थान पर है।

नोटःयह आंकड़े 20 अप्रैल-2025 तक के है।

नेपाल की यह 24 साल की महिला क्रिकेटर अपनी खूबसूरती से बनीं इंटरनेट सेंसेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर अश्मिना कर्माचार्य खेल के आलावा अपनी सुंदरता के लिए सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. उन्होंने अपने करियर में 23 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं.

2022 में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू करने वाली अश्मिना कर्माचार्य ने नेपाल क्रिकेट टीम के लिए कुल 23 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए हैं. अश्मिना कर्माचार्य का जन्म 28 अप्रैल, 2000 को हुआ था. वह अगले हफ्ते अपना 25वां जन्मदिन मनाएंगी. इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहने वाली अश्मिना कर्माचार्य सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. वह क्रिकेट पिक्चर के साथ अपने पारंपरिक पोशाक में भी फोटो शेयर करती रहती हैं.

इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहने वाली अश्मिना कर्माचार्य सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. वह क्रिकेट पिक्चर के साथ अपने पारंपरिक पोशाक में भी फोटो शेयर करती रहती हैं. यूगांडा के खिलाफ 2022 में डेब्यू करने वाली अश्मिना कर्माचार्य ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच 14 फरवरी 2024 को कुवैत महिला टीम के साथ खेला था. वह इंस्टाग्राम पर अपने स्टाइलिश लुक के फोटोज भी शेयर करती हैं, जो फैंस को भी पसंद आती है. फैंस कमेंट के माध्यम से उनकी सुंदरता की तारीफ करते हैं. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के आलावा अश्मिना कई टी20 लीग भी खेल चुकी हैं. वह नेपाल में खेली जाने वाली पोर्खा प्रीमियर लीग में बिराटनगर टाइटंस के लिए खेलती थी. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के आलावा अश्मिना कई टी20 लीग भी खेल चुकी हैं. वह नेपाल में खेली जाने वाली पोर्खा प्रीमियर लीग में बिराटनगर टाइटंस के लिए खेलती थी.

आईपीएल 2025 के बाद भी

संन्यास नहीं लेंगे धोनी?

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 38वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई. इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है. जबकि चेन्नई सुपर किंग्स इतने ही मैचों में केवल 2 जीत के साथ टेबल में सबसे नीचे है. चेन्नई के खिलाफ जीत के हीरो मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा थे, जिन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. उनका बखूबी साथ सूर्यकुमार यादव ने दिया. मैच के चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ चौंकाने वाली बातें कहीं, जिसे सुनकर सभी लोग चौंक गए.

अगले सीजन में मजबूती से करेंगे वापसी

मैच के बाद सीएसके के कप्तान ने कहा कि हमारी टीम का प्रदर्शन काफी औसत दर्जे का था. उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि मैच के दूसरे हाफ थोड़ा ड्यू आएगा. जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेथ बॉलर्स में से एक हैं और मुंबई इंडियंस ने अपनी डेथ बॉलिंग जल्दी शुरू कर दी, जिससे हम ज्यादा रन नहीं बना सकें. धोनी ने कहा कि आयुष म्हात्रे ने अच्छी बल्लेबाजी की और अपने शॉट्स का चयन अच्छी तरह से किया. हमें पता था कि पिच पर रन बनाना आसान नहीं होगा. अगर आप शुरुआती ओवरों में ज्यादा रन दे देते हैं तो मुश्किल हो जाती है. सीएसके के कप्तान ने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि हम अच्छी क्रिकेट खेलने के कारण ही सफल होते हैं. हमें बहुत ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए. हमें एक समय में एक मैच पर ध्यान देना होगा और अगर हमें प्लेऑफ में जगह नहीं मिलती है तो अगले सीजन के लिए अपनी रणनीति पर विचार करना होगा. धोनी ने अगले सीजन की बात कहकर यह संकेत दे दिया है कि वह आईपीएल 2026 में खेल सकते हैं.

धोनी ने अपने बल्लेबाजों को लताड़ा

मैच के बाद धोनी ने कहा कि हमने औसत स्कोर से थोड़े कम रन बनाए. मुंबई ने अपनी डेथ गेंदबाजी जल्दी शुरू कर दी थी. हमें भी जल्द ही स्लॉग शॉट्स खेलने चाहिए थे. उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को अच्छे से खेला और हमने कभी भी लड़ने लायक टोटल नहीं बनाया. अगर आप पहले छह ओवर में काफी ज्यादा रन खर्च कर देंगे तो ये मतलब नहीं है कि गेंद अच्छे से बल्ले पर आ रही है. इस हार के साथ सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गई है.

आईपीएल लीडिंग रन स्कोरर में रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर, धवन का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 8326 रनों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं। लेकिन दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा ने बाजी मार ली है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ वानखेड़े के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रोहित ने 73 रन बनाकर अपने आईपीएल स्कोर को 6786 रनों पर ला खड़ा किया। इसी के साथ उन्होंने शिखर धवन (6769 रन) को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 6565 रनों के साथ चौथे और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना 5528 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। कोहली की निरंतरता और रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक बनाया है।

20 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिले

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स 25 अवॉर्ड्स के साथ पहले स्थान पर हैं। उनके बाद वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 22 अवॉर्ड्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अब इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा (20 अवॉर्ड्स) आ गए हैं। रोहित के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार विराट कोहली 19 अवॉर्ड्स के साथ चौथे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी 18-18 अवॉर्ड्स के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कपः

बाबुता के बाद रूद्रांक्ष-आर्या की जोड़ी का दिखा जलवा, पेरू शूटिंग विश्व कप में जीता रजत पदक

लीमा (पेरू), एजेंसी। रूद्रांक्ष और आर्या की जोड़ी को फाइनल में नार्वे के जोन हरमान हेग और जीनेटे हेग ड्यूस्टैड से 11-17 से हार मिली। रूद्रांक्ष पाटिल और आर्या बोरसे की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता जबकि पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल में हारे रुद्रांक्ष और आर्या

रूद्रांक्ष और आर्या की जोड़ी को फाइनल में नार्वे के जोन हरमान हेग और जीनेटे हेग ड्यूस्टैड से 11-17 से हार मिली। इससे पहले पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

तकनीकी खराबी से पाटिल चूके

फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा।

फाइनल में क्या हुआ था

फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना

कप्तान सलीमा टेटे ने कहा- प्रो लीग की तैयारी के लिए अहम दौरा

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच मैचों की फ्रेंडली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के लिए रवाना हुई। टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह दौरा यूरोप में होने वाली प्रो लीग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मैचों से होगी।

इसके बाद 1, 3 और 4 मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम (जो दुनिया में पांचवें स्थान पर है) के साथ तीन ज़रूरी मैच खेले जाएंगे। ये सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में होंगे। 26 खिलाड़ियों की टीम का नेतृत्व मिडफिल्डर सलीमा टेटे कर रही हैं और अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान हैं। यह दौरा जून से शुरू हो रही एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए काफी अहम माना जा रहा है। रवाना होने से पहले सलीमा ने कहा, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं इस दौरे पर टीम की कप्तानी

कर रही हूं। हमने बेंगलुरु के राष्ट्रीय कैंप में बहुत मेहनत की है और सभी खिलाड़ी इस चुनौती के लिए उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया ए और सीनियर टीम के खिलाफ खेलकर हम अपनी रणनीतियों को परख सकेंगे और एक बेहतर टीम बन पाएंगे। यह दौरा प्रो लीग से पहले हमारी तैयारी को मजबूत करेगा। उप-कप्तान नवनीत कौर ने कहा, टीम में आत्मविश्वास और एकजुटता है। हमने हाल ही में प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और इससे हमें काफी हौसला मिला है। यह दौरा हमें खासकर फिनिशिंग और खेल में बदलाव के पहलुओं पर सुधार करने का मौका देगा।

इससे हम अपने साल भर के बड़े लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ पाएंगे। भारतीय टीम हाल ही में भुवनेश्वर में खेली गई एफआईएच प्रो लीग में विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक चुकी है और पेनल्टी शूटआउट में एक बोनस अंक भी हासिल किया था। टीम इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेगी। इस दौरे पर कई युवा खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर टीम में जगह मिली है।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं।

इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं। खेलों में डोपिंग का एक और दुर्भाग्यपूर्ण मामला सामने आया है। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं। इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवाओं के

38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड 25

सेवन के लिए 11 में से 8 खिलाड़ियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। इनमें नामी बास्केटबाल खिलाड़ी पंजाब के अमृतपाल सिंह शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया व जापान की प्रतिष्ठित लीग में खेल चुके अमृतपाल दूसरी बार डोप में फंसे हैं। अमृतपाल ने इन खेलों में पंजाब के लिए स्वर्ण पदक जीता था। अगर वह बेगुनाही साबित नहीं कर पाए, तो उन पर आठ वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है। वह इससे पहले 2020 में डोप पॉजिटिव पाए गए थे। वूशु खिलाड़ी नीरज जोशी और राहुल तोमर के नमूनों में एक से अधिक दवाओं का मिश्रण पाया गया है। नाडा की ओर से लिए गए नमूनों की जांच जारी है।

लिहाजा खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने की आशंका है। 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड 25 खिलाड़ी डोप में पकड़े गए थे। 2015 के केरल में हुए राष्ट्रीय खेलों में 16 खिलाड़ी डोप में पकड़े जाने पर हंगामा हुआ था। 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 10 खिलाड़ी डोप पॉजिटिव पाए गए थे।

बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध की घोषणा की, अय्यर और ईशान की वापसी, पंत को किया प्रोमोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) केंद्रीय अनुबंध 2024-25 की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए+ ग्रेड में बने हुए हैं जबकि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की केंद्रीय अनुबंध में वापसी हुई है। अय्यर को ग्रेड बी और ईशान को ग्रेड सी में रखा गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ग्रेड ए में प्रोमोट किया गया है।

खिलाड़ी अनुबंध के लिए कैसे योग्य होते हैं?

किसी भी खिलाड़ी के बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में योग्य होने के लिए एक साल में कम से कम 3 टेस्ट, 8 वनडे या 10 टी20 मैच खेलना जरूरी है। इसके बाद ही खिलाड़ी को केंद्रीय अनुबंध प्राप्त होता है। इसके अलावा बीसीसीआई किसी खिलाड़ी को अनुबंध से बाहर भी रख सकता है।

ग्रेड ए+

- रोहित शर्मा
- विराट कोहली
- जसप्रीत बुमराह
- रविंद्र जडेजा

ग्रेड ए

- मोहम्मद सिराज
- केएल राहुल
- शुभमन गिल
- हार्दिक पंड्या
- मोहम्मद शमी
- ऋषभ पंत

ग्रेड बी

- सूर्यकुमार यादव
- कुलदीप यादव
- अक्षर पटेल
- यशस्वी जयसवाल
- श्रेयस अय्यर

ग्रेड सी

- रिंकू सिंह
- तिलक वर्मा
- ऋतुराज गायकवाड़
- शिवम दुबे
- रवि बिश्नोई
- वॉशिंगटन सुंदर
- मुकेश कुमार
- संजू सैमसन
- अर्शदीप सिंह
- प्रसीद कृष्ण
- रजत पाटीदार
- ध्रुव जुरेल
- सरफराज खान
- नितीश कुमार रेड्डी
- इशान किशन
- अभिषेक शर्मा
- आकाश दीप
- वरुण चक्रवर्ती
- हर्षित राणा

वेतन

ग्रेड ए+ - 7 करोड़ रुपए
ग्रेड ए - 5 करोड़ रुपए
ग्रेड बी - 3 करोड़ रुपए
ग्रेड सी - एक करोड़ रुपए

सुलह हुई तो साथ में चुनाव भी लड़ेंगे उद्धव और राज ठाकरे?

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के ठाकरे परिवार में सुलह की चर्चाएं हैं। अटकलें हैं कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच बातचीत चल रही है। फिलहाल, यह भी साफ नहीं है कि यह साझेदारी चुनावी मैदान में भी नजर आएगी या नहीं। फिलहाल, राज की पार्टी यानी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ऐसी संभावनाओं से इनकार कर रही है।

मनसे नेता संदीप देशपांडे ने एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र के लिए एक होने का मतलब यह नहीं है कि ऐसा सिर्फ चुनाव के लिए किया जा रहा है। महाराष्ट्र के हित मके लिए मराठी भी साथ आ सकते हैं। जैसे तमिलनाडु में कावेरी के मुद्दे पर तमिल दल एकजुट हुए थे। मराठी पार्टियों के साथ आने में परेशानी क्या है। चुनाव के लिए गठबंधन करना संकीर्ण मानसिकता है। दरअसल, शनिवार को मनसे प्रमुख राज ने कहा कि वह मराठी मानुष की खातिर छोटे-मोटे विवादों को दरकिनार करते हुए अपने चचेरे भाई व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से हाथ मिलाने को तैयार हैं। मनसे प्रमुख की टिप्पणी अभिनेता और राज ठाकरे के मित्र महेश मांजरेकर के पॉडकास्ट में आई थी। मनसे प्रमुख ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों के मराठी लोगों को एक साथ आकर एक पार्टी बनानी चाहिए। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी और मनसे के बीच गठबंधन की कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि दोनों के बीच भावनात्मक बातचीत जारी है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे के अध्यक्ष और अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ सुलह के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं रखी है। राज के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ने शिवसेना (उबाठा) कार्यकर्ताओं से कहा, ''मैं भी मामूली मुद्दों को किनारे रखने के लिए तैयार हूं और मैं सभी से मराठी मानुष के लिए एक साथ आने की अपील करता हूं।'' उद्धव ने अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में मनसे अध्यक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि अगर महाराष्ट्र के निवेश और कारोबार को गुजरात में स्थानांतरित करने का विरोध किया गया होता, तो दिल्ली और महाराष्ट्र में राज्य के हितों का ख्याल रखने वाली सरकार बनती। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' ऐसा नहीं हो सकता कि आप (लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा का) समर्थन करें, फिर (विधानसभा चुनाव के दौरान) विरोध करें और फिर समझौता कर लें। ऐसे नहीं चल सकता। '' शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष ने कहा, ''पहले यह तय करें कि जो भी महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करेगा, उसका घर में स्वागत नहीं किया जाएगा। आप उनके घर जाकर रोटी नहीं खाएंगे। फिर महाराष्ट्र के हितों की बात करें।'' लोकसभा चुनाव के दौरान राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की थी। उद्धव ने कहा कि वह छोटी-मोटी असहमतियों को नजरअंदाज करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''मैं कह रहा हूं कि मेरा किसी से झगड़ा नहीं है और अगर कोई है तो मैं उसे सुलझाने को तैयार हूं।

थोपी नहीं जाएगी हिंदी लेकिन अंग्रेजी से इतना प्यार क्यों, भाषा विवाद के बीच बोले देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी।
तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में भाषा विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट कहा है कि किसी पर हिंदी थोपी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले की ही तरह राज्य में मराठी ही अनिवार्य भाषा रहेगी। विपक्षी दलों, विशेषकर शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के तहत त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की मंजूरी दिए जाने के बाद महाराष्ट्र में हिंदी थोपी जा रही है।

पुणे में भंडारकर शोध संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, 'यह कहना गलत है कि हिंदी थोपने का प्रयास किया जा रहा है। महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य रहेगी। इसके अलावा कोई अन्य अनिवार्यता नहीं होगी।'

स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने की सरकार की मंजूरी पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा, हमें यह समझने की जरूरत है कि मराठी के स्थान पर हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति में कहा गया है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'नई शिक्षा नीति ने तीन भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान किया है। भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भारतीय होनी चाहिए। मराठी को पहले से ही अनिवार्य है। आप हिंदी, तमिल, मलयालम या गुजराती के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं ले सकते।'' उन्होंने कहा कि सिफारिशों के अनुसार हिंदी भाषा के लिए शिक्षक उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 'अन्य (क्षेत्रीय) भाषाओं के मामले में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।' फडणवीस ने भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के बारे में लोगों की धारणा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं एक बात से हैरान हूं। हम हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं का विरोध करते हैं, लेकिन अंग्रेजी की प्रशंसा करते हैं। कई लोगों को ऐसा क्यों लगता है कि अंग्रेजी उनके ज्यादा करीब है और भारतीय भाषाएं उनसे दूर हैं? हमें इस बारे में भी सोचना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

फिरोजपुर में खेतों में लगी भीषण आग में एक किशोर की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

फिरोजपुर, एजेंसी। पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां जीरा उपमंडल के नीलेवाला गांव में खेतों में लगी भीषण आग में एक 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया. पुलिस के अनुसार, यह दुखद घटना रविवार को घटित हुई, जब करण और अर्जुन नामक दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर धन्ना शहीद गांव के पास से गुजर रहे थे. तभी वे अचानक खेत में लगी भयानक आग की चपेट में आ गए. पुलिस ने बताया कि करण की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत अर्जुन को जीरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे फरीदकोट के गुरु गोविंद सिंह मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. आशंका जताई जा रही है कि नीलेवाला गांव में बिजली की मुख्य लाइन गिरने से आग लगी. तेज हवाओं के कारण आग तेजी से वकीलां वाली, साधु वाला, लेहरा रोही और माहियां वाला सहित आसपास के गांवों में फैल गई, जिससे खेतों में खड़ी फसल और पशुओं के लिए रखा चारा जलकर राख हो गया. आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसने लगभग 50 एकड़ में खड़ी फसल और लगभग 100 एकड़ में पराली के अवशेष को अपनी चपेट में ले लिया. दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और ट्रैक्टरों का उपयोग करने वाले स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयासों के बावजूद, आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया और लोगों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा. फिरोजपुर की डिप्टी कमिश्नर दीपशिखा शर्मा ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि प्रशासन अस्पताल में भर्ती युवक की जान बचाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि खेत में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नेशनल हाईवे-9 पर महिला की मौत से हंगामा,नोएडा से गाजियाबाद आने वालों को मिला लंबा जाम

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद से नोएडा आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर आज सुबह सड़क हादसे में महिला की मौत के बाद भारी बवाल मच गया। गुस्साए परिजन सड़क पर हंगामा करने लगे,जिसके बाद कई वाहनों की रफ्तार थम गई। सड़क हादसे में पति घायल बताया जा रहा है। एन एच 9 पर नोएडा के छिजारसी कट से गाजियाबाद के तिगरी मोड़ तक करीब दो किलोमीटर तक जाम की स्थिति रही। ट्रैफिक में वाहन रेंगते रहे। इसके पीछे गाजियाबाद में ट्रैफिक की स्थिति सामान्य है। हालांकि पुलिस ने किसी तरह परिजन को समझकर जाम खुलवाया। जानकारी के मुताबिक,सुबह करीब 5 बजे एसजेएम हॉस्पिटल के सामने एक टियागो कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार अनुज कुमार अपनी पत्नी मोनिका के साथ मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे। इस हादसे में वह घायल हो गए,जबकि पत्नी मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई। अनुज को पुलिस ने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की खबर मिलते ही मृतका मोनिका के परिजन मौके पर पहुंच गए और गुस्से में हाईवे पर प्रदर्शन करने लगे। इससे हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए परिजन को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। नोएडा पुलिस ने बताया कि हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपी वाहन चालक की तलाश जारी है। जाम लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम का असर छिजारसी से लेकर हिंडन पुल तक देखा गया,जहां गाड़ियां रेंग-रेंग कर चलती रहीं। जाम हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने टीम ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को साइड हटवाया। अब हाईवे पर यातायात सामान्य हो गया है। मौके पर पुलिसबल तैनात है,ताकि दोबारा कोई अव्यवस्था न हो।

छत्तीसगढ़ में घर से भागकर प्रेमी जोड़े ने रचाई शादी, उत्तराखंड में 10 महीने बाद पति-पत्नी ने एकसाथ दी जान

रायपुर, एजेंसी। उत्तराखंड में लड़के और उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति-पत्नी के शव मजदूर आवास के पाइप में फंदे के सहारे लटके मिले। जान देने का कारण दोनों के बीच शनिवार रात हुआ विवाद बताया जा रहा है। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि दोनों ने छत्तीसगढ़ के घर से भागकर करीब 10 महीने पहले शादी की थी। पुलिस ने दोनों शव कब्जे लेकर मोर्चरी में रखवाए। दोनों के परिजनों को देहरादून बुलाया गया है।

प्रेमनगर थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम के जरिए रविवार सुबह करीब सवा नौ बजे सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि धूलकोट में ग्राफिक एरा अस्पताल के निर्माणाधीन भवन में काम कर रहे इलेक्ट्रिशियन और उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंची तो भास्कर लाल उम्र 28 वर्ष पुत्र बाबूराम चंद्राकर निवासी कुआं, तहसील सहसपुर लोहारा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ और उसकी पत्नी जनिक गौड़ उम्र 26 वर्ष के शव मजदूर आवास की छत में लगे पाइप से लटके थे।

पुलिस ने वीडियोग्राफी के बीच शवों को फंदे से उतारा। इस दौरान शुरुआती जांच में दोनों के आत्महत्या करने की बात सामने आई। पुलिस ने मौके से मृतकों के परिजनों को सूचना दी। उनके पहुंचने पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। प्रेमनगर थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि घटना के बाद मौके पर काम करने वाले अन्य मजदूरों से पूछताछ की गई। इस दौरान कई मजदूर भास्कर के मूल पते के आसपास के मिले। इनसे पूछताछ में पता लगा कि जनिक और भास्कर ने करीब दस महीने पहले भागकर शादी की। भास्कर इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। डेढ़ महीने पहले जनिक के साथ धूलकोट में इस निर्माणाधीन साइट पर पहुंचा। पत्नी भी काम में हाथ बंटाती।

लखनऊ में बनी ब्रह्मोस का विदेश में होगा निर्यात, राजनाथ सिंह करेंगे मिसाइल फैक्ट्री का उद्घाटन

लखनऊ, एजेंसी।
भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा दिया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 मई को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे. लखनऊ में बनी ब्रह्मोस मिसाइल से ना सिर्फ देश की सैन्य तैयारियों को मजबूत करेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करेगी. यहां बनी ब्रह्मोस मिसाइल दूसरे देशों को भी निर्यात किया जाएगा. रक्षा मंत्री ने इसकी घोषणा रविवार को महर्षि यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में की. उन्होंने बताया कि ये परियोजना उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड का हिस्सा है, जो भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी. इस मेगा प्रोजेक्ट से न केवल देश की सैन्य शक्ति में इजाफा होगा, बल्कि क्षेत्र में हजारों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे.

बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है. ये मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा और पानी के नीचे से लॉन्च की जा सकती है और इसकी मारक क्षमता वर्तमान में 290 से 800 किलोमीटर तक है. 2.8 मैक (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) की रफ्तार के साथ, ये मिसाइल रणनीतिक रूप से भारत की सैन्य ताकत को बढ़ाती है. इसका इस्तेमाल भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना द्वारा पहले से ही किया जा रहा है और इसका नेक्स्ट जनरेशनसंस्करण 2026 में वायुसेना को सौंपा जाएगा, जो हल्का, छोटा और अधिक प्रभावी होगा.

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई की आधारशिला 26 दिसंबर 2021 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में रखी गई थी. ये परियोजना डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सहयोग से संचालित हो रही है. फैक्ट्री का निर्माण कार्य तेजी से पूरा हुआ और अब ये उद्घाटन के लिए तैयार है.

इस परियोजना के तहत डीआरडीओअगले 5-6 वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा. ये मेगा कॉम्प्लेक्स 10,000 से 12,000 रोजगार के अवसर पैदा करेगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ-साथ तकनीकी कौशल विकास का अवसर मिलेगा. इसके अलावा, ये परियोजना उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी. वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार जोर दिया है कि भारत की सैन्य ताकत शांति बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय प्रतिरोध है, न कि किसी देश को धमकाने के लिए. लखनऊ की ब्रह्मोस फैक्ट्री भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक जीवंत उदाहरण है. इस परियोजना से न केवल स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा, बल्कि रक्षा निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा. भारत पहले ही फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति कर चुका है और वियतनाम के साथ 700 मिलियन डॉलर का सौदा अंतिम चरण में है.

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने की तैयारी

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि सरकार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने पर विचार कर रही है। अग्निशमन सप्ताह के समापन समारोह के दौरान सुक्खू ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शुरुआत में केवल 100 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किए जाने की योजना है। उन्होंने कार्यक्रम में 13 नए अग्निशमन वाहनों को झंडी दिखाई और सराहनीय काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। साथ ही उन्होंने बचाव कार्य करते हुए अपनी जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मचारियों जोगिंदर पाल सिंह व घनश्याम के परिवारों को पांच लाख रुपये आर्थिक मदद की घोषणा भी की। पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की थी कि शहरी स्थानीय निकायों के क्षेत्र में सरकारी स्कूलों में चल रहे वरिष्ठ माध्यमिक वर्गों को सह-शिक्षा बनाया जाएगा। कैबिनेट ने 28 मार्च को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को प्री-नर्सरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा की देखरेख के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय में अपग्रेड करने को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने शिमला के बल्देयान में अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उक्त बयान दिया। इस दौरान सीएम ने विभाग की आपात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 13 नए दमकल वाहनों को हरी झंडी दिखाई थी। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा कर्मियों को उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने दमकल विभाग की प्रदर्शनियों को भी देखा। उन्होंने शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने सोलन जिले के नालागढ़ में 2009 में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए दो दमकल कर्मियों जोगिंदर पाल और घनश्याम के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की।

सीएम सुक्खू का ऐलान- हिमाचल प्रदेश में जल्द होगी होमगार्डों की भर्ती

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में जल्द होमगार्डों की भर्ती होने वाली है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में 700 नए होमगार्डों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। राज्य सरकार पुलिस और होम गार्ड विभागों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करेगी। आने वाले समय में इन दोनों विभागों को तकनीकी रूप से भी मजबूत बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शिमला के बल्देयां में अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उक्त ऐलान किया। उन्होंने आगे कहा- उनकी सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई के पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है। पॉयलट प्रोजेक्ट के तौर पर सरकार पहले 100 स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करेगी। हम शिक्षा व्यवस्था को लगातार बेहतर बना रहे हैं। पुलिस और होम गार्ड विभागों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करेगी ताकि आने वाली चुनौतियों से निपटा जा सके। हमारी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में कर्मचारियों और अधिकारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम देने का संकल्प लिया था। हमने इस वादे को निभाया है। हिमाचल प्रदेश 2027 में आत्मनिर्भर और 2032 में समृद्ध राज्य बनेगा। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हमारी सरकार सभी राजस्व न्यायालयों को चरणबद्ध ढंग से डिजिटल बनाएगी।

राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए 22 अप्रैल से कैंपेन शुरू करेगी कांग्रेस

जम्मू, एजेंसी। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई 22 अप्रैल से राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर डेढ़ महीने तक अभियान चलाने के लिए तैयार है, पीटीआई के अनुसार, पार्टी द्वारा यह निर्णय केंद्र शासित प्रदेश में राज्य के दर्जे का अभियान और संविधान बचाओ अभियान को तेज करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक के बाद लिया गया है. जिसमें राज्य इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा भी शामिल थे. अभियान भाजपा के विश्वासघात को उजागर करने और राज्य का दर्जा बहाल करने और एक निर्वाचित सरकार को अधिकार देने में विफल रहने से लोगों को होने वाले कष्टों को दूर करने पर केंद्रित होगा. अभियान की शुरुआत 22 अप्रैल को जम्मू के सभी जिलों और ब्लॉकों के वरिष्ठ नेताओं की बैठक से होगी, जिसके बाद 29 अप्रैल को जम्मू में संविधान पर मोदी सरकार के हमले और विपक्ष के खिलाफ उसकी बदला लेने वाली राजनीति के विरोध में प्रांतीय स्तर की रैलियां होंगी. पार्टी ने कहा कि वह लोगों को रोजगार, मुद्रास्फीति और कराधान के मोर्चे पर केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की विफलताओं के साथ-साथ उसकी विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति के बारे में भी जागरूक करेगी. बैठक के दौरान कांग्रेस पार्टी ने मौसम की अनिश्चितताओं के कारण जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुई जान-माल की हानि पर दुख व्यक्त किया।

पंजाब की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देख रही प्रगति की आशा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की साख को वैश्विक स्तर पर ऊंचा किया है और भारत को नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश-प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं। हरियाणा की तरह पंजाब भी प्रगति और उन्नति करें, इसके लिए अब, पंजाब की जनता को भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की आशा है। पंजाब के लोगों ने विभिन्न पार्टियों पर भरोसा किया, लेकिन उन्हें सिर्फ निराशा मिली। इसलिए उन्हें विश्वास है कि नरेंद्र मोदी ही पंजाब को आगे ले जा सकते हैं।

नायब सिंह सैनी ने उनके सम्मान एवं अभिनन्दन के लिए आज जीरकपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत की। इस मौके पर पंजाब के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे पंजाब के युवाओं से बात करते हैं तो युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। आज पंजाब के किसान एवं युवा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा में बनी थी, तब से हरियाणा की जनता भाजपा सरकार पर लगातार भरोसा जता रही है और समर्थन दे रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब उन्होंने 12 मार्च, 2024 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 56 दिन के भीतर ही आचार संहिता लगने से नियुक्तियां नहीं हो सकी। परंतु उन्होंने हरियाणा के युवाओं से वादा किया था कि शपथ लेने से पहले ज्वाइन कराऊंगा। उन्होंने शपथ से पहले ही 25 हजार युवाओं को ज्वाइन करवाकर अपना वादा निभाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी नीतियां आमजन के हित में लागू की जा रही हैं। हरियाणा में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं और यही सुझाव उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को भी दिया था, पर उन्होंने नहीं माना। जब पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो पंजाब के किसानों की फसलें भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। हरियाणा की तरह पंजाब में भी किसानों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार फसल की पूरी कीमत की गारंटी देती है और यदि फसल खराब होती है, तो भी किसानों के खातों में सीधा मुआवजा दिया जाता है। उन्होंने ब्यौरा देते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मात्र 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था, जबकि वर्तमान सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में अब तक 14,500 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा, पंजाब का छोटा भाई है, लेकिन आज हरियाणा विकास के मामले में पंजाब से कहीं आगे है। राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के चलते हरियाणा आज तीन गुणा गति से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे हरियाणा में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं, वैसे ही कार्य पंजाब में भी होंगे जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां सरकार बनेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे नमो भारत रैपिड ट्रेन का उद्घाटन

समस्तीपुर के रास्ते जयनगर से पटना के बीच चलेगी, रेलवे प्रशासन ने जारी किया टाइम टेबल

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार की पहली नमो भारत रैपिड ट्रेन समस्तीपुर के रास्ते जयनगर से पटना तक चलेगी। इस ट्रेन का उद्घाटन 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मधुबनी से करेंगे। कार्यक्रम को लेकर रेलवे प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है। डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन 24 अप्रैल को जयनगर से सुबह 11:40 बजे खुलेगी। दोपहर 12:25 बजे मधुबनी पहुंचेगी। 12:55 बजे सकरी, 13:40 पर दरभंगा और 15:00 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। समस्तीपुर से ट्रेन बरौनी 16:15 बजे, मोकामा 17:15 और पटना शाम के 18:30 बजे पहुंचेगी। सप्ताह में 6 दिन ट्रेन चलेगी। जयनगर से पटना तक 4 घंटा 50 मिनट में अपना सफर पूरा करेगी।

सहरसा लोकमान्य तिलक के लिए भी शुरू होगी अमृत भारत ट्रेन

डीआरएम ने बताया कि मेट्रो की तरह इस ट्रेन की बोगी होगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसके अलावा 24 अप्रैल से समस्तीपुर रेलवे मंडल के सहरसा लोकमान्य तिलक के बीच भी अमृत भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होगा। यह ट्रेन सहरसा से सुबह 11:40 में खुलेगी और समस्तीपुर 15:00 बजे पहुंचेगी। समस्तीपुर से खुलकर मुजफ्फरपुर पटना दानापुर होते हुए अगले दिन यानी 25 अप्रैल को रात के 23:30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

यह कंपलीट नॉन एसी ट्रेन होगी। इस ट्रेन में 11 सामान्य कोच, आठ स्लीपर कोच, एक पेंट्री कार के अलावा 2 दिव्यांग कोच होंगे। जिसमें लगेज वान व गार्ड वान शामिल होंगे। समस्तीपुर रेलवे मंडल के सहरसा-अलौली के बीच हुई रेलवे लाइन काफी पहले बनकर तैयार है। लंबे समय से लोग ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग कर रहे थे। अलौली और सहरसा के बीच सवारी ट्रेन सेवा शुरू की जा रही है। यह ट्रेन अलौली से सुबह 11:40 बजे खुलेगी और सहरसा दोपहर 14:10 बजे पहुंचेगी।

बिथान-समस्तीपुर के बीच भी शुरू होगी ट्रेन का परिचालन

डीआरएम के मुताबिक समस्तीपुर रेलवे मंडल के बिथान समस्तीपुर के बीच भी ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी।? बिथान से यह ट्रेन सुबह 11:40 बजे खुलेगी। हसनपुर, रुसेरा घाट, नरहन अंगार घाट भगवानपुर देसुआ होते हुए दोपहर 13:50 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। बता दें कि करीब 1 वर्ष पूर्व हसनपुर से बिथान रेलवे लाइन बनकर तैयार हुआ था। सीआरएस ने ट्रेन चलाने को लेकर अनुमति भी प्रदान की थी, लेकिन अब तक ट्रेन सेवा शुरू नहीं हो पाई थी।

पूर्णिया के पॉलिटेक्निक कॉलेज में सोख्ता में गिरा मासूम, मौत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के हाट थाना क्षेत्र में पानी के सोख्ता में गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। घंटों मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया गया है। खेलने के दौरान हादसा हुआ है। घटना राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कैंपस की है।

मृतक की पहचान सिपाही टोला माता स्थान निवासी सूरज मेहतर के पुत्र संतोष कुमार(5) के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया कि लापरवाही से बच्चे की मौत हुई है। सूरज कॉलेज परिसर में सफाई का काम करते हैं। रविवार दोपहर करीब 2 बजे बेटे संतोष कुमार और बेटी संतोषी कुमारी के साथ सफाई करने के लिए कॉलेज पहुंचा था। कैंटीन के पास ही पानी का बड़ा सोख्ता है। जिसका ढक्कन खुला हुआ था। खेल-खेल में बच्चा पानी से भरे सोख्ते में डूब गया। बहन संतोषी ने गार्ड को घटना की जानकारी दी थी, लेकिन उसने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उसके बाद अपने पिता के पास पहुंची। काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गार्ड ने लापरवाही बरती है

मृतक की मां दुखनी देनी ने बताया कि अगर सोख्ते का ढक्कन खुला नहीं होता तो आज बेटा जिंद होता। ये बड़ी लापरवाही है। गार्ड ने भी बच्चे की डूबने की बात को गंभीरता से नहीं लिया।

आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

वहीं, के. हाट थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में बच्चे की डूबने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। अभी तक परिजनों की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाई ने दूसरे भाई को चाकू से गोद की हत्या:बेतिया में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

परिजन बोले–दिमाग का चल रहा इलाज

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में एक युवक ने अपने ही सगे भाई को चाकू गोद कर हत्या कर दिया है। घटना नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौरंगाबाद की है। जहां रविवार की रात युवक ने घटना को अंजाम दिया है। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक की पहचान नौरंगाबाद निवासी हरिशंकर प्रसाद के बेटे साहिल कुमार(18) के रूप में हुई है। वहीं आरोपी की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि आरोपी युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है और उसकी इलाज चल रहा है।

जांच में जुटी एफएसएल की टीम

सदर एसडीपीओ- वन विवेक दीप ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है। परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर अग्रसर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर एफएसएल की टीम भी पहुंच कर जांच की है।

चाकू से हमला कर की हत्या

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मृतक साहिल के भाई प्रदीप कुमार ने ही घटना को अंजाम दिया है। पुलिस को मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रदीप कुमार का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था, उसका इलाज चल रहा है। रविवार को अचानक प्रदीप ने किसी बात को लेकर अपने भाई साहिल पर चाकू से वॉर कर दिया। जिससे साहिल की मौके पर ही मौत हो गई, हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है, फॉरेंसिक की टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन कर हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी जब्त कर लिया गया है, इसके साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

रक्सौल में अगलगी से 10 घर जलकर राख:पीड़ित की बेटी की सगाई वाले दिन ही हादसा

रक्सौल, एजेंसी। मोतिहारी के रक्सौल थाना क्षेत्र के सिसवा गांव में रविवार की देर मच्छरों से बचाव के लिए पशुओं के पास किए गए धुएं से एक घर में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और करीब 7 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं आग को फैलता देख ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलने के बाद तीन दमकल गाड़ियों की मदद से सुबह 3 बजे आग पर काबू पाया गया। इस हादसे में सिकंदर राय, धुरेन्द्र राय, वीरेंद्र राय, शिवजी राय, राजा राय, सुरेंद्र राय, मोफिल राय और गुड्डु राय के घर जलकर राख हो गए। चार भैंस और तीन बकरियों की भी जलकर मौत हो गई। घटना का सबसे दुखद पहलू यह रहा कि सिकंदर राय की बेटी की उसी दिन सगाई थी। सगाई के लिए रखे कपड़े, गहने और नगद रुपये सहित सारा सामान जलकर नष्ट हो गया।

क्षति का आकलन कर दिया जाएगा मुआवजा

अंचलाधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर एक कर्मचारी को भेजा गया है। नुकसान का आकलन कर सहायता प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गांव में मातम का माहौल है और पीड़ित परिवार प्रशासनिक मदद की उम्मीद कर रहे हैं।

राजगीर में नया हॉकी स्टेडियम इस महीने हो जाएगा तैयार

अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं होंगी, सिंथेटिक टर्फ-डिजिटल स्कोरबोर्ड की भी सुविधा

नालंदा, एजेंसी। राजगीर का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बिहार के खेल मानचित्र पर तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। राजगीर खेल विश्वविद्यालय परिसर में एक और मॉडर्न हॉकी स्टेडियम का निर्माण पूरा होने के कगार पर है, जिससे न केवल प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि होगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

बिहार खेल अकादमी के सहायक निदेशक मिथिलेश कुमार ने बताया कि नवनिर्मित हॉकी स्टेडियम अप्रैल माह के अंत तक पूर्णतः तैयार हो जाएगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सिंथेटिक टर्फ लगाया गया है, जो खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेगा।

स्टेडियम में आधुनिक फ्लडलाइट्स और डिजिटल स्कोरबोर्ड की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे रात्रिकालीन प्रशिक्षण और मैचों का लाइव प्रसारण संभव हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राजगीर में पहले से ही एक ओलंपिक आकार का हॉकी स्टेडियम मौजूद है, जहां पिछले वर्ष विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया था। इसी वर्ष अगस्त में यहां हॉकी विश्व कप के आयोजन का प्रस्ताव भी है।

बहुआयामी खेल परिसर

राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब विभिन्न खेलों का एक समग्र केंद्र बनता जा रहा है। यहां हॉकी के अलावा क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, एथलेटिक्स, तलवारबाजी, भारोत्तोलन, रग्बी, कुश्ती, तीरंदाजी, ताइक्वांडो, जूडो, कबड्डी, टेबल टेनिस और तैराकी जैसी अनेक खेल विधाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कुमार ने बताया हमारा उद्देश्य युवाओं को हर प्रकार के खेल में अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करना है। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास किया है और अब हम बिहार को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की सूची में शामिल करने की दिशा में अग्रसर हैं।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ कानून का किया समर्थन

पटना, एजेंसी। वक्फ कानून इस वक्त देश भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंच चुका है। इस बीच बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ कानून का समर्थन किया है। पटना में एक कार्यक्रम में मौजूद आरिफ मोहम्मद खान ने सवाल उठाते हुए कहा कि वक्फ अगर कमजोर और गरीब की मदद के लिए नहीं है तो फिर किस लिए है।

बिहार के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'कोई मुझे बताएगा क्या कि वक्फ की जमीन पर पटना में कोई अस्पताल, कोई यतीमखाना, कोई चैरिटी संगठन है जिसे वक्फ वाले चला रहे हों। हां, आपको वक्फ की जमीन पर बड़े-बड़े मॉल मिलेंगे। आपको वक्फ की जमीन पर बड़े-बड़े रिहायशी फ्लैट मिलेंगे, बाजार मिलेंगे और

कमर्शियल बिल्डिंग मिलेंगे। वक्फ का मकसद तो था गरीब और कमजोर का मदद करना। अगर इस वक्फ की प्रॉपर्टी का सही इस्तेमाल हो जाता तो क्या आपको इसकी जरुरत रहती कि बच्चों के दाखिले के लिए दरवाजे खटखटाने पड़ते।'

असदुद्दीन ओवैसी पर क्या बोले राज्यपाल

बता दें कि एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी लगातार वक्फ कानून का विरोध कर रहे हैं। राज्यपाल ने असदुद्दीन ओवैसी पर भी अपनी बात रखी है। आरिफ मोहम्मद खान से जब पत्रकारों ने पूछा कि ओवैसी कह रहे हैं कि इसके जरिए हमारे घर और मस्जिद छीने जा रहे हैं? इसपर राज्यपाल ने पत्रकारों से कहा, 'बात असल में यह है कि आपको हर वक्त तलाश है उस आदमी की जो कुत्ते को काटे, मैं उसको इग्नोर करता हूं। मैं इस बात का जवाब नहीं देना चाहता।'

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पटना के बापू सभागार में मिल्लत बचाओ, मुल्क बचाओ कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे। राज्यपाल ने कहा कि मांगने वाले हमेशा कमजोर हाते है, इसलिए हमेशा देने वाला बनना चाहिए। जिनके पास देने के लिए था उन्होंने नहीं दिया। इसी वजह से वक्फ संशोधन कानून लाना पड़ा है। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि अगर वक्फ गरीब लोगों की मदद करता तो इसकी जरुरत नहीं थी लेकिन वक्फ ने एक स्कूल तक नहीं खोला।

फिलहाल बारिश की संभावना नहीं

गया में 40 डिग्री के करीब पहुंचा अधिकतम तापमान: गर्मी और गर्म हवा से बढ़ी परेशानी

गया, एजेंसी। गया में मौसम का मिजाज बदल गया है। 10 दिन की राहत के बाद एक बार गर्मी का असर बढ़ने लगा है। रविवार को जिले में अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकॉर्ड किया गया है। भीषण गर्मी और गर्म हवा से लोगों का हाल बेहाल है। बीते दिन बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और पुरवैया हवा की वजह से थोड़ी राहत मिली थी। अब पछुआ हवा ने फिर से लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे के दौरान जिले का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो बीते 15 दिनों में सबसे ज्यादा रहा। जबकि न्यूनतम पारा 24 डिग्री रहा।

10 दिन बाद फिर बढ़ी गर्मी

सुबह की नमी 69 फीसदी और शाम तक घटकर 38 फीसदी रह गई है। यानी हवा शुष्क हो गई है। जिससे गर्मी का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इससे पहले 6 अप्रैल को 40 डिग्री रिकॉर्ड किया था। 10 अप्रैल को आंधी-बारिश के बाद गर्मी का प्रकोप कम हुआ था। मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल के मुताबिक अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है। सुबह-शाम थोड़ी राहत जरूर मिलेगी, लेकिन दोपहर के समय तेज धूप लोगों को परेशान करेगी। प्री-मानसून गतिविधियां फिलहाल थम गई है। फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं है। अगले दो दिन बाद पारा और चढ़ सकता है। गर्मी से बचाव जरूरी है। घर से बाहर निकलने समय सावधानी बरतें।

24 और 25 अप्रैल को लू चल सकता

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि %24 और 25 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में लू की स्थिति बन सकती है। इसका असर गया में भी देखने को मिलेगा। 'हॉट डे' जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

लू से सतर्क रहने की अपील

तेज धूप के कारण गर्मी अधिक महसूस की जाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को लू से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर निकलने से परहेज करने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में मौसम की यह तपिश जनजीवन को प्रभावित कर सकती है।

बिहार में सीएम पद खाली नहीं: मंत्री संतोष सिंह

कैमूर, एजेंसी। बिहार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बिहार यात्रा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में खड़गे की यात्रा का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव तक कई नेता आएंगे और जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया। संतोष सिंह ने कहा कि

कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर संविधान में कई बार संशोधन किए। जब भी संविधान में बदलाव हुआ, वह कांग्रेस के समय में ही हुआ। उन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि एनडीए प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। आगे कहा कि खड़गे साहब सहित कई लोग बिहार में आएंगे और जाएंगे इससे हृष्ठ को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बिहार में एनडीए की सरकार 2025 में सरकार बन रही है। वहीं उन्होंने दावा किया कि एनडीए इस बार 225 का आंकड़ा पार करेगी।

मालविका मोहनन ने खोले साउथ इंडस्ट्री के राज

मालविका मोहनन ने साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री के बीच के अंतर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं को लेकर इंडस्ट्री के दर्शकों की सोच के बारे में भी खुलासा किया। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ बताया।

अभिनेत्री मालविका मोहनन साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी लगातार काम कर रही हैं और वो दोनों ही इंडस्ट्री में संतुलन बनाए हुए हैं। इसलिए उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के बारे में बात की और बताया कि दोनों इंडस्ट्री कितनी वास्तविक हैं और दर्शक महिलाओं को किस तरह से देखते हैं। उन्होंने बॉडी रिवीलिंग और जूम करके शरीर के अंगों को दिखाए जाने पर भी बात की। साथ ही उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर दोनों इंडस्ट्री में उनसे क्या उम्मीद की जाती है, इस बारे में भी खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने बताया साउथ और बॉलीवुड में अंतर

हाल ही में हॉटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान मालविका मोहनन ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में अंतर और दोनों जगह महिलाओं व अभिनेत्रियों को लेकर लोगों की सोच के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा, हर इंडस्ट्री में महिलाओं के शरीर को लेकर अलग-अलग विचार हैं। अगर मैं थोड़ा वजन बढ़ा लेती हूं और काम के लिए मुंबई आती हूं, तो मेरा मैनेजर कहता है, 'तुमने थोड़ा वजन बढ़ा लिया है? तुमने एक्सरसाइज करना बंद कर दिया है?' वहीं अगर मैं फिट हूं और मेरे एब्स बने हों, फिर मैं चेन्नई में हूँ, तो वे कहेंगे, ओह, तुमने अपना मोटापा कम कर लिया है, जब तुम्हारा मोटापा था तब तुम और भी सुंदर दिखती थी। महिलाओं के शरीर पर इतनी बार टिप्पणी की जाती है कि एक समय पर मैं भ्रमित हो जाती थी, क्या मुझे फिट होना चाहिए, क्या मुझे सुडौल होना चाहिए? हालांकि, अब मैं उस मुकाम पर पहुंच गई हूं जहां मैं कहती हूं, स्वस्थ रहो, फिट रहो।

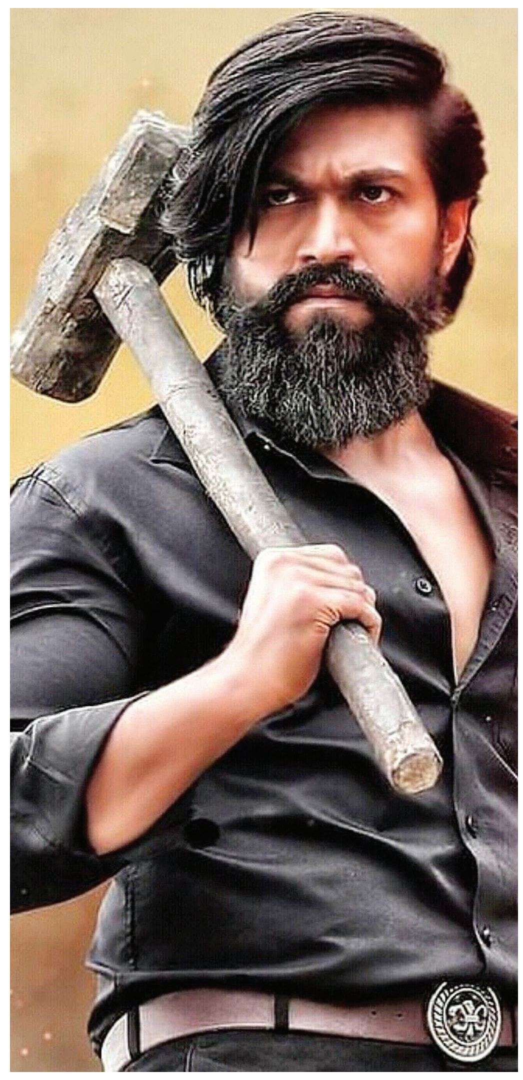

रामायण की शूटिंग शुरू करने जा रहे यश, नितेश तिवारी की फिल्म पर आया ये बड़ा अपडेट

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार यश इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू करने जा रहे हैं।

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्म 'रामायण' काफी समय से चर्चा में है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश, रणबीर कपूर, सनी देओल और साई पल्लवी जैसे सितारे नजर आएंगे। ताजा अपडेट के मुताबिक यश इस हफ्ते मुंबई में रावण के किरदार के लिए शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। वह इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं। 'रामायण' को दो भाग में दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा, जिसका पहला भाग दीवाली 2026 और दूसरा दीवाली 2027 में रिलीज होगा।

कब शुरू होगी शूटिंग?

रिपोर्ट के अनुसार यश ने अपनी दूसरी फिल्म 'टॉक्सिक' का एक बड़ा शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वह 'रामायण' की शूटिंग इस हफ्ते से शुरू करने के लिए तैयार हैं। अपनी हर नई फिल्म की शुरुआत मंदिर दर्शन से करने की परंपरा को निभाते हुए यश उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे। मुंबई में होने वाली इस शूटिंग में यश अपने सोलो सीन पर काम करेंगे। निर्माताओं ने पैन-इंडिया स्टार यश के स्वागत के लिए खास सेट तैयार किया है। यह शेड्यूल अप्रैल के अंत से शुरू होकर करीब एक महीने तक चलेगा, जिसके बाद यश 'टॉक्सिक' की शूटिंग में वापस लौटेंगे।

धोखाधड़ी मामले में बेगूसराय कोर्ट ने भेजा समन

अभिनेत्री अक्षरा सिंह की मुश्किलें बढ़ीं

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री अक्षरा सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। एक्टिंग और अपने गीतों से दर्शकों के दिलों पर जादू चलाने वाली अक्षरा अब नई मुश्किल में फंस चुकी हैं। धोखाधड़ी के एक मामले में बेगूसराय कोर्ट ने उन्हें समन भेजा है। दरअसल, अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की उन कलाकारों में से हैं जो चंद घंटों के शो के लिए लाखों रुपए की फीस लेती हैं। साल 2023 में बिहार के समस्तीपुर में दुर्गा पूजा समारोह में उन्हें परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया था। आयोजकों ने उन्हें पांच लाख रुपए भी दिए थे। उन्हें तीन घंटे की प्रस्तुति देनी थी, लेकिन वह आधे घंटे बाद ही कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। अभिनेत्री इस बात से नाराज थीं कि दर्शकों ने उन पर पैसे फेंके। हालांकि, आयोजकों ने उन्हें समझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन अभिनेत्री ने आयोजकों की एक न सुनी और कार्यक्रम स्थल से चली गईं। इसके बाद जब आयोजकों द्वारा अभिनेत्री से पैसे वापस लेने की बात की गई तो उन्होंने बकाया लौटाने से मना कर दिया। अधिवक्ता प्रमोद कुमार ने समाचार एजेंसी से कहा कि बेगूसराय के लोक गायक शिवेश मिश्रा ने 2023 में बेगूसराय कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर अदालत ने संज्ञान लेते हुए अभिनेत्री अक्षरा सिंह और उनके पिता को समन जारी किया है। वकील ने बताया कि शिवेश मिश्रा ने समस्तीपुर में साल 2023 में दुर्गा पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें अक्षरा को बुलाया गया था।

अक्षरा तीन घंटे की प्रस्तुति देने की बजाय कार्यक्रम स्थल से आधे घंटे में ही चली गईं। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री के अचानक जाने से आयोजकों को काफी नुकसान हुआ। उन्होंने नुकसान की भरपाई करने के लिए अक्षरा सिंह से संपर्क साधा। लेकिन, अभिनेत्री ने पैसे लौटाने से मना कर दिया। अब अदालत ने उन्हें समन भेजा है। वकील के अनुसार, अभिनेत्री पर सीधे तौर पर धोखाधड़ी का मामला बना है।

जाट की सफलता से गदगद सनी देओल, बोले- वादा करता हूं, पार्ट 2 और बेहतर होगी

अभिनेता सनी देओल की हालिया रिलीज 'जाट' का बॉक्स ऑफिस पर जादू जारी है। फिल्म 65 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। अभिनेता ने अपनी सफलता का श्रेय प्रशंसकों को देते हुए कहा कि उनके प्यार और भावनाओं ने ही 'जाट' को सफल बनाया है। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए सनी देओल ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए लिखा, आपका प्यार ही मेरी ताकत है और आप सबका जोश ही मेरी सफलता है। सनी देओल ने आगे लिखा, 'जाट' को प्यार करते रहिए।

मैं 'जाट' और सिनेमा का जश्न मनाते हुए आप सभी के वीडियो देखकर अभिभूत हूं! उन्हें मेरे साथ शेयर करते रहिए, आपके प्यार और भावनाओं ने ही 'जाट' को सफल बनाया है। शेयर किए गए वीडियो में सनी देओल ने वादा किया कि 'जाट 2' और भी बड़ी और बेहतर होगी। खूबसूरत वादियों में टहलते नजर आए अभिनेता ने कहा, आपने मेरी फिल्म 'जाट' को इतना प्यार दिया है, मैं वादा करता हूं कि 'जाट 2' और भी बेहतर होगी। मैं अक्सर पहाड़ों पर आ जाता हूं, क्योंकि मुझे प्रकृति के बीच अच्छा लगता है। मैं कुछ दिनों में 'बॉर्डर 2' की शूटिंग के लिए निकल जाऊंगा। लव यू।

सनी देओल ने हाल ही में प्रशंसकों को बताया कि ''जाट 2' नए मिशन के साथ आ रही है। अपकमिंग एक्शन फिल्म का निर्देशन भी गोपीचंद मलिनेनी करेंगे। वहीं, पोस्टर में निर्माता नवीन यरनेनी, रविशंकर वाई और टीजी विश्व प्रसाद के नाम भी उजागर किए गए। 'जाट 2' का निर्माण भी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोडक्शन हाउस करेगा। फिल्म के सीक्वल में सनी देओल की पुष्टि हुई है। हालांकि, अन्य कलाकारों के बारे में निर्माताओं ने जानकारी नहीं दी है। जाट का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है। सनी देओल के साथ फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अभिनेता रणदीप हुड्डा खतरनाक खलनायक रणतुंगा के किरदार में हैं।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम?

विजय देवरकोंडा की किंगडम मई में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन अब खबर है कि पोस्ट-प्रोडक्शन के काम में देरी के कारण फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी: विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी: अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

पंजाबी हीरोइनों को गलत रास्ता दिखाने वाले पर आगबबूला हुईं हिमांशी

पंजाबी अभिनेत्री हिमांशी खुराना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी साझा करते हुए एक शख्स को जमकर लताड़ लगाई। हिमांशी ने उस पर अभिनेत्रियों को नई लड़कियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। अभिनेत्री और बिग बॉस 13 फेम हिमांशी खुराना ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्टज में उन्होंने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स पर निशाना साधा और उस पर उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए युवा लड़कियों और महत्वाकांक्षी अभिनेत्रियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। हालांकि, उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने उस व्यक्ति को मूर्ख सहित कई कड़े शब्द कहे।

हिमांशी खुराना ने क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने रविवार रात को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पंजाबी में लिखा, 'पंजाबी इंडस्ट्री में एक मूर्ख है, वह बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान है जो हमारे सभी कलाकारों के बीच घूमता रहता है दावा करता है कि वह उन्हें गानों और फिल्मों में काम दिलवाएगा। वह उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग करता है। मुझे पता चला कि वह लंबे समय से मेरे बारे में बात कर रहा है और नई लड़कियों को यह कहकर गुमराह कर रहा है कि सभी जाने-माने पंजाबी कलाकार उसके नियंत्रण में हैं।'

रजनीकांत स्टारर कुली के लिए श्रुति हासन ने शुरू की डबिंग

रजनीकांत स्टारर अपकमिंग फिल्म कुली की शूटिंग पूरी करने के बाद अभिनेत्री श्रुति हासन फिल्म की डबिंग के लिए जुट चुकी हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर श्रुति ने हेडफोन पहने हुए स्टूडियो से एक तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, डबिंग टाइम। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस ड्रामा के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है। हाल ही में, कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र ने पहली बार पुष्टि की कि कुली में उनके और रजनीकांत के साथ कॉम्बिनेशन सीन हैं। निर्देशक लोकेश कनकराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'कुली' की रिलीज डेट का निर्माताओं ने हाल ही में ऐलान किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर निर्माताओं ने बताया कि फिल्म इस साल 14 अगस्त को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक्स के जरिए यह घोषणा की। इसमें लिखा, कुली 14 अगस्त से दुनियाभर में रिलीज होगी। कुली एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रजनीकांत, श्रुति हासन के साथ तेलुगू स्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, सोबिन शाहिर और सत्यराज जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। बॉलीवुड स्टार आमिर खान भी इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इस अटकल की पुष्टि नहीं की है।

फिल्म में रेबा मोनिका जॉन और जूनियर एमजीआर भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके साथ ही हाल ही में अभिनेत्री पूजा हेगड़े की भी एंट्री हुई है। सन पिक्चर्स ने फिल्म का निर्माण किया है। कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। इस फिल्म ने कई कारणों से लोगों की दिलचस्पी जगाई है। उनमें से एक यह है कि इस फिल्म में अभिनेता सत्यराज और रजनीकांत लगभग 38 साल बाद एक साथ काम करते हुए नजर आएंगे। दोनों आखिरी बार सुपरहिट तमिल फिल्म मिस्टर भारत में साथ नजर आए थे। यह फिल्म 1986 में रिलीज हुई थी।

अभिनव को धमकी देने वालों को रुबीना दिलैक की चेतावनी

टीवी अभिनेता अभिनव शुक्ला को कथित तौर पर एक सोशल मीडिया यूजर ने जान से मारने की धमकी दी है। यूजर ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का हिस्सा होने का दावा किया।

टीवी अभिनेता अभिनव शुक्ला को कथित तौर पर एक सोशल मीडिया यूजर ने जान से मारने की धमकी दी है। यूजर ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का हिस्सा होने का दावा किया। यह धमकी उनकी पत्नी रुबीना दिलैक और आसिम रियाज के बीच हुए झगड़े के बाद मिली है। अब अभिनेत्री ने इस धमकी पर प्रतिक्रिया दी और धमकी देने वालों को चेतावनी देते हुए उनके व्यवहार की आलोचना की है।

रुबीना दिलैक ने दी चेतावनी

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने उनके पति अभिनव को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद इस मामले पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मैसेज का सक्रीनशॉट शेयर किया है। कथित तौर पर यूजर आसिम रियाज का प्रशंसक है। उन्होंने उसके व्यवहार की आलोचना करते हुए गुस्से में लिखा, 'मेरी खामोशी मेरी कमजोरी नहीं है! मेरे धैर्य की परीक्षा मत लो।' अभिनव ने भी एक

ऐसे ही मैसेज का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, 'यह सब एक शो में असहमति के लिए है।'

अभिनव को मिली जान से मारने की धमकी

एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक शो 'बैटलग्राउंड' में अभिनव की पत्नी रुबीना और रैपर आसिम के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद कथित तौर पर उनके पति अभिनत को जान से मारने की धमकी दी गई। आसिम और रुबिना के इस एपिसोड के सामने आने के बाद अभिनव को सोशल मीडिया पर निशाना बनाया गया। उन्हें सलमान खान के घर पर हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना का हवाला देते हुए धमकी दी गई। अभिनव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक स्क्रीनशॉट और वीडियो की एक सीरीज शेयर की, जिसमें यह दिखाई दे रहा था कि यह धमकी भरा संदेश अंकुश गुप्ता नाम के एक यूजर द्वारा इंस्टाग्राम पर भेजा गया था।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

रुबीना और आसिम के बीच तनाव बैटलग्राउंड शो के दौरान शुरू हुआ। इस शो में दोनों पैनलिस्ट के तौर पर मौजूद थे। शो में दोनों के बीच कई बार बहस हुई। आसिम ने बार-बार रुबीना के अधिकार पर सवाल उठाए और एक मौके पर कथित तौर पर ऑन-कैमरा उन्हें अपमानित भी किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'इंजेक्शन से भरे शरीर, दिमाग की कमी और खराब रवैया फिटनेस की निशानी नहीं है।' रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में एक और पैनलिस्ट अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान) के साथ भी आसिम की तीखी बहस हुई, जिसके बाद असीम को शो से हटा दिया गया।

साभार एजेंसी

पोप फ्रांसिस का निधन : करिश्माई व्यक्तित्व और विनम्र स्वभाव से छोड़ी अमिट छाप

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह निधन हो गया जो प्रथम लैटिन अमेरिकी पोप थे और जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। वह 88 वर्ष के थे। कार्डिनल केविन फेरेल ने घोषणा की, रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस आज सुबह 7.35 बजे ईशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन ईशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल फेरेल वेटिकन को कैमरलेंगो घोषित किया था।

कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा के लिए अधिकृत होते हैं। फेफड़े की गंभीर समस्या से ग्रस्त फ्रांसिस को श्वसन संबंधी दिक्कतों के चलते 14 फरवरी, 2025 को गेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। युवावस्था में उनके फेफड़े के एक हिस्से को निकालना पड़ा था। वह 38 दिन तक अस्पताल में रहे जो पोप के रूप में उनके 12 साल के कार्यकाल में अस्पताल में भर्ती होने की सबसे बड़ी अवधि है। पोप के रूप में अपने पहले अभिवादन-एक उल्लेखनीय सामान्य बुओनासेरा (शुभ संध्या) से लेकर शरणार्थियों और वंचितों को गले लगाने तक, फ्रांसिस ने पोप पद के लिए एक अलग ही मिसाल पेश की थी। उन्होंने घोटाले और उदासीनता के आरोपों से घिरे कैथलिक चर्च के लिए अहंकार की तुलना में विनम्रता पर जोर दिया। साल 2013 में 13 मार्च की उस बरसात वाली रात के बाद, अर्जेंटीना में जन्मे जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ने 2,000 साल पुरानी संस्था में नई जान डाली थी, जिसका प्रभाव पोप बेनेडिक्ट 16वें के संकटपूर्ण कार्यकाल के दौरान कम होता चला गया था और जिनके अचानक इस्तीफे के कारण फ्रांसिस को चुना गया था। लेकिन फ्रांसिस ने जल्द ही खुद के लिए मुसीबतें खड़ी कर लीं और एलजीबीटीक्यू प्लस कैथलिकों तक उनकी पहुंच एवं परंपरावादियों पर उनकी कार्रवाई की वजह से रुढ़िवादी लोग उनसे निराश हो गए। उनकी सबसे बड़ी परीक्षा 2018 में आई जब उन्होंने चिली में पादरी यौन शोषण के एक कुख्यात मामले को गंभीरता से नहीं लिया और उनके पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जो घोटाला हुआ था, वह उनके कार्यकाल में फिर से सामने आया। और फिर फ्रांसिस ने लॉकडाउन में बंद वेटिकन सिटी से कोरोना वायरस महामारी के दौरान दुनियाभर में फैले धर्म का नेतृत्व करने की अभूतपूर्व क्षमता को प्रस्तुत किया। उन्होंने दुनिया से अपील की थी कि कोविड-19 को आर्थिक और राजनीतिक ढांचे पर पुनर्विचार करने के अवसर के रूप में उपयोग किया जाए। फ्रांसिस ने मार्च 2020 में खाली पड़े सेंट पीटर्स स्क्वायर में कहा था, हमें एहसास हो गया है कि हम एक ही नाव पर सवार हैं, हम सभी कमजोर हैं। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महामारी ने इस जरूरत को रेखांकित किया है कि हम सभी को एक साथ पार पाना होगा, हम सभी को एक-दूसरे को सांत्वना देने की जरूरत है। फ्रांसिस को वेटिकन की नौकरशाही और वित्तीय व्यवस्था में सुधार के लिए चुना गया था, लेकिन उन्होंने चर्च के मूल सिद्धांत को बदले बिना ही उसे बदलने का भी काम किया।

पोप फ्रांसिस के जीवन की प्रमुख घटनाएं

- **17 दिसंबर 1936:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो का जन्म अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। वह इटली के एक अकाउंटेंट मारियो जोस बर्गोग्लियो और इतालवी आप्रवासी की बेटी रेजिना मारिया सिवोरी की पांच संतानों में सबसे बड़े थे।
- **13 दिसंबर, 1969:** वह जेसुइट धार्मिक आदेश के तहत पादरी नियुक्त किए गए जिसका उन्होंने 1970 के दशक में अर्जेंटीना के प्रांतीय प्रमुख के तौर पर नेतृत्व किया। यह वह वक्त था जब देश में तानाशाही की शुरुआत हुई थी।
- **20 मई, 1992:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ब्यूनस आयर्स के सहायक बिशप नियुक्त किए गए तथा 1998 में अर्जेंटीना की राजधानी के आर्कबिशप के रूप में कार्डिनल एंटोनियो क्वारासिनो का स्थान लिया।
- **21 फरवरी, 2001:** सेंट जॉन पॉल द्वितीय द्वारा जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो कार्डिनल पद पर पदोन्नत किए गए।
- **13 मार्च, 2013:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो 266वें पोप चुने गए। वह अमेरिका से पहले पोप थे। इसके अलावा वह इस शीर्ष धार्मिक पद पर पहुंचने वाले पहले जेसुइट थे तथा सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के बाद फ्रांसिस नाम अपनाने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
- **25 मई, 2014:** फलस्तीनी मुद्दे के प्रति समर्थन प्रदर्शित करने के लिए, पोप फ्रांसिस पश्चिमी तट के बेतलहम शहर को इजराइल से अलग करने वाली दीवार पर प्रार्थना करने के लिए अचानक रुके।
- **आठ जून, 2014:** वेटिकन गार्डन में शांति प्रार्थना के लिए पोप फ्रांसिस ने इजराइल और फलस्तीनी राष्ट्रपतियों की मेजबानी की।
- **10 जुलाई, 2015:** औपनिवेशिक युग के दौरान अमेरिका के मूल निवासियों के विरुद्ध कैथोलिक चर्च के पापों और अपराधों के लिए पोप फ्रांसिस ने बोलीविया में क्षमा मांगी।
- **18 फरवरी, 2016:** अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर मृत प्रवासियों के लिए पोप फ्रांसिस ने प्रार्थना की। बाद में उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पद के तत्कालीन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप सीमा पर दीवार बनाने की इच्छा रखने के कारण ईसाई नहीं हैं।
- **12 अप्रैल, 2018:** पोप फ्रांसिस ने चिली के यौन शोषण कांड में निर्णय में गंभीर गलतियां स्वीकार कीं। बाद में चिली के बिशपों को उनके इस्तीफे के लिए रोम बुलाया और पीड़ितों को माफी के लिए वेटिकन आमंत्रित किया।
- **तीन अगस्त, 2018:** आधिकारिक चर्च शिक्षा में बदलाव करते हुए सभी परिस्थितियों में मृत्युदंड को अस्वीकार्य घोषित किया गया।
- **22 सितंबर, 2018:** वेटिकन और चीन ने बिशप नामांकन पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **चार फरवरी, 2019:** मिस्र के अल अजहर विश्वविद्यालय के इमाम के साथ 'मानव बंधुत्व' दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे कैथोलिक और मुसलमानों के बीच सहयोगात्मक संबंध स्थापित हुए।
- **नौ मई, 2019:** नया चर्च कानून जारी किया गया, जिसके तहत पादरी द्वारा यौन शोषण की रिपोर्ट आंतरिक तौर पर दर्ज करने को आवश्यक किया गया है। हालांकि यह रिपोर्ट पुलिस को नहीं दी जाएगी। आरोपी बिशपों, कार्डिनलों और धार्मिक व्यक्तियों की जांच के लिए प्रक्रियाएं स्थापित की गईं।
- **24 नवंबर, 2019:** जापान के हिरोशिमा और नागासाकी की यात्रा के दौरान पोप फ्रांसिस ने परमाणु हथियारों का उपयोग करने और उन्हें रखने को अनैतिक घोषित किया।
- **17 दिसंबर, 2019:** पादरी यौन शोषण मामलों में पोंटिफिकल गोपनीयत के उपयोग को समाप्त कर दिया गया, जिससे बिशपों को उत्पीड़न करने वालों के बारे में आंतरिक दस्तावेज कानून प्रवर्तन के साथ साझा करने की अनुमति मिल गई।
- **पांच से आठ मार्च, 2021:** इराक का दौरा करने वाले पहले पोप बने, वहां के शीर्ष शिया मुस्लिम धर्मगुरु से मुलाकात की।
- **चार जुलाई, 2021:** रोम के जेमेली अस्पताल में पोप फ्रांसिस की आंत की सर्जरी हुई, बड़ी आंत का 33 सेंटीमीटर (13 इंच) का हिस्सा निकाला गया।
- **पांच जनवरी, 2023:** पोप बेनेडिक्ट 16वें की अंतिम संस्कार प्रार्थना की अध्यक्षता की।
- **14 फरवरी, 2025:** ब्रोंकाइटिस की स्थिति बिगड़ने के बाद पोप फ्रांसिस को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो बाद में फेफड़ों के जटिल संक्रमण और निमोनिया का कारण बना।

डोमस सांता मार्टा के चैपल से पढ़ा गया पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा वाला संदेश

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा वाला संदेश वेटिकन के कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने सोमवार को डोमस सांता मार्टा के चैपल से पढ़ा, जहां फ्रांसिस रहते थे। इस दौरान, वेटिकन के विदेश मंत्री कार्डिनल पिएत्रो परोलिन, कार्यकारी चीफ ऑफ स्टाफ आर्कबिशप एडगर पेना पारा और धार्मिक समारोहों के मास्टर आर्कबिशप डिएगो रवेली फेरेल के साथ थे। फेरेल ने घोषणा की, प्रिय भाइयों और बहनो, मैं बहुत दुख के साथ फादर फ्रांसिस के निधन की घोषणा करता हूं। रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस आज सुबह 7.35 बजे ईशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन ईशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। फेरेल ने कहा, पोप फ्रांसिस ने हमें ईसाई धर्म के मूल्यों का पूरी निष्ठा, साहस और सार्वभौमिक प्रेम भाव के साथ पालन करना सिखाया, खासतौर पर सबसे गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए। ईशु के सच्चे शिष्य के रूप में मिसाल पेश करने और परमेश्वर का असीम दयालु प्रेम प्रकट करने के लिए हम पोप फ्रांसिस की कृतज्ञता के साथ प्रशंसा करते हैं। पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल फेरेल को वेटिकन का कैमरलेंगो घोषित किया था। कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है, जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा करने के लिए अधिकृत होते हैं।

हम एक महान व्यक्ति को अलविदा कह रहे हैं : मेलोनी

विश्व नेताओं ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस के निधन पर सोमवार को वैश्विक नेताओं ने शोक व्यक्त किया और इसे विश्व के लिए एक बड़ी क्षति बताया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि फ्रांसिस के निधन की खबर से हमें अत्यंत दुख हुआ है और हम एक महान व्यक्ति को अलविदा कह रहे हैं। पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया जो प्रथम लातिन अमेरिकी पोप थे, जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। फ्रांसिस फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2025 को सांस लेने में तकलीफ के कारण जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह वहां 38 दिन रहे थे। मेलोनी ने कहा, मुझे उनकी मित्रता, उनकी सलाह और उनकी शिक्षाएं प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इतालवी प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी (पोप) शिक्षा और विरासत कभी नष्ट नहीं होगी।

हम पवित्र पिता को दुख भरे हृदय से विदाई देते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अब वह प्रभु की छाया में हैं। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने आशा व्यक्त की कि पोप फ्रांसिस की शिक्षाएं विश्व को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि न्याय, शांति और मानव गरिमा के प्रति दिवंगत पोप की प्रतिबद्धता ने विश्वभर में लाखों लोगों को प्रभावित किया। हैरिस ने एक बयान में कहा कि गरीबों के कल्याण की चिंता, अंतर-धार्मिक संबंधों में सुधार का आह्वान और पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के संदेश से फ्रांसिस आशा की किरण और बेजुबानों की आवाज बनकर सामने आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी पोप के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्यूनस आयर्स से लेकर रोम तक पोप फ्रांसिस चाहते थे कि चर्च सबसे गरीब लोगों के लिए खुशी और उम्मीद लेकर आए। इंसान आपस में और प्रकृति के साथ जुड़ें। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पोप हर तरह से जनता के व्यक्ति थे। स्कोफ ने एक्स पर लिखा, वैश्विक कैथोलिक समुदाय एक ऐसे नेता को विदाई दे रहा है जिसने हमारे समय के ज्वलंत मुद्दों को पहचाना और उन पर ध्यान आकृष्ट किया। अपनी संयमित जीवनशैली, सेवा और करुणाभरे स्नेह के साथ पोप फ्रांसिस अनेक लोगों के लिए एक आदर्श थे। इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने पोप के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा कि उन्होंने यहूदियों के साथ मजबूत संबंध बनाए और अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा दिया। फ्रांसिस ने बार-बार इजराइल के युद्ध आचरण की आलोचना की थी और कहा था कि नरसंहार के आरोपों की जांच होनी चाहिए। यूरोपीय संघ की शीर्ष नेता उर्सुला वॉन डेर लेएन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रांसिस न केवल ईसाइयों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा थे। भारत यात्रा पर गए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पोप के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उनका दिल दुनिया भर के उन लाखों ईसाइयों के लिए दुखी है, जो उनसे प्यार करते थे। वेंस ईस्टर संडे के दिन पोप फ्रांसिस से मिले थे। उन्होंने एक्स पर लिखा, कल उनसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई, हालाँकि वह बहुत बीमार थे।

निर्वाचन आयोग समझौता कर चुका है : राहुल

» बोस्टन (अमेरिका), भाषा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी इस कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें देशद्रोही करार दिया और नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया। राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका पहुंचे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने समय में इतने अधिक लोगों का मतदान केंद्र तक पहुंच कर वोट डालना संभव नहीं है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले। गांधी ने कहा, यह हमारे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और यह भी स्पष्ट है कि प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। मैं कई बार यह बात कह चुका हूं। गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने नई दिल्ली में कहा, आप प्रवर्तन निदेशालय (की नेशनल हेराल्ड मामले में कार्रवाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईडी आपको नहीं छोड़ेगा क्योंकि एजेंसियां तथ्यों के आधार पर काम करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

वेटिकन ने आईएस से जुड़े विस्फोटों में मारे गए 167 श्रीलंकाई लोगों को धर्म साक्षी नामित किया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के कैथोलिक चर्च ने कहा है कि वेटिकन ने छह साल पहले आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े आत्मघाती बम विस्फोटों में मारे गए अपने 167 अनुयायियों को धर्म साक्षी के रूप में नामित किया है। हमलों में मारे गए लोगों की याद में सोमवार को ईसाई, बौद्ध, हिंदू और इस्लाम धर्म से जुड़े सैकड़ों लोगों ने सेंट एंथनी चर्च में एक प्रार्थना सभा में भाग लिया। कोलंबो के आर्कबिशप कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने उपस्थित लोगों को बताया कि वेटिकन ने कोलंबो स्थित सेंट एंथनी और नेगोम्बो स्थित सेंट सेबेस्टियन गिरजाघरों में बम विस्फोटों में मारे गए 167 कैथोलिक लोगों के नाम अपनी ऑर्डर बुक में धर्म साक्षी के रूप में शामिल किए हैं। रंजीत ने यह भी कहा कि अन्य धर्मों के सात मृतकों को भी सम्मानपूर्वक याद किया गया। अपने धर्म के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले लोगों को ईसाई धर्म में धर्म साक्षी कहा जाता है।

कैथोलिक धर्म का पालन करते हुए जान गंवाने वाले लोगों के लिए चर्च से मान्यता की संबंधित नई श्रेणी को पोप फ्रांसिस ने 2023 में औपचारिक रूप दिया था और ऐसे मामलों को सूचीबद्ध करने के लिए एक विशेष वेटिकन आयोग का गठन किया था। श्रीलंका में 21 अप्रैल, 2019 को ईस्टर संडे के दौरान तीन पर्यटक होटलों और तीन गिरजाघरों (दो कैथोलिक और एक प्रोटेस्टेंट) में लगभग एक साथ हुए बम विस्फोटों में 42 विदेशियों सहित 260 से अधिक लोग मारे गए थे। ब्रिटिश टेलीविजन चैनल 4 द्वारा एक व्यक्ति का साक्षात्कार लिए जाने के बाद श्रीलंका में कैथोलिक चर्च ने हमलों की आगे की जांच की मांग की है। साक्षात्कार में संबंधित व्यक्ति ने कहा कि उसने इस्लामिक स्टेट से प्रेरित स्थानीय संगठन नेशनल तौहीद जमात और एक शीर्ष सरकारी खुफिया अधिकारी के बीच एक बैठक की व्यवस्था की थी।

श्रीलंका के कार्डिनल ने ईस्टर संडे जांच को लेकर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया

कोलंबो। श्रीलंका में स्थानीय कैथोलिक गिरजाघर के प्रमुख कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने सोमवार को देश के अंदर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया। कार्डिनल का आरोप है कि देश के अंदर मौजूद ए डीप स्टेट (नीति-निर्माण को नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली, ताकतवर गैर सरकारी तत्व) ही 2019 के ईस्टर संडे हमलों में विश्वसनीय जांच को रोकने के लिए जिम्मेदार हैं। आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) के नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल, 2019 को तीन गिरजाघरों और कई आलीशान होटलों में सिलसिलेवार विनाशकारी विस्फोट को अंजाम दिया था, जिसमें 11 भारतीयों सहित 258 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से इस घटना के छह साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्मृति संबोधन में पांच सूत्री अनुरोध करते हुए रंजीत ने कहा, डीप स्टेट समूह के संचालन को समाप्त करने के लिए कानून बनाए जाने चाहिए।

चीन ने उसकी कीमत पर अमेरिका से व्यापार समझौते करने वाले देशों को जवाबी कार्रवाई की धमकी दी

» बीजिंग, भाषा।

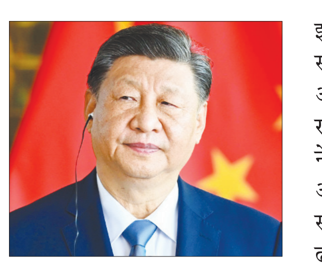

चीन ने सोमवार को धमकी दी कि वह चीनी हितों की कीमत पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने की कोशिश करने वाले देशों पर जवाबी कार्रवाई करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह टिप्पणी उन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए की, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका, शुल्क छूट के बदले में चीन के साथ व्यापार संबंधों को सीमित करने के लिए अन्य देशों पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है।

प्रवक्ता ने बयान में कहा कि चीन, अमेरिका और उसके व्यापारिक साझेदारों के बीच चीनी हितों की कीमत पर किए जाने वाले किसी भी समझौते का दृढ़ता से विरोध करता है। बयान में कहा गया, यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो चीन इसे स्वीकार नहीं करेगा और दृढ़तापूर्वक इसके अनुरूप जवाबी कदम उठाएगा। इसमें कहा गया है कि चीन को समाधान करने का अधिकार है और अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करने की क्षमता भी है। प्रवक्ता ने कहा कि तथाकथित जवाब की आड़ में, अमेरिका हाल ही में अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर मनमाने ढंग से शुल्क लगा रहा है, तथा उन पर तथाकथित जवाबी शुल्क वार्ता में शामिल होने के लिए दबाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, यह मूलत:प्रतिक्रिया के बैनर का इस्तेमाल आधिपत्यवादी राजनीति और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं व्यापार के क्षेत्र में एकतरफा धौंस जमाने के बहाने के रूप में किया जा रहा है। चीन का यह कड़ा रुख उन रिपोर्ट के बीच आया है जिनमें कहा गया है कि कई देश, जिनके खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क लगाए थे, अब आकर्षक अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से अपने निर्यात को बहाल करने के लिए उसके साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करना चाह रहे हैं। समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका शुल्क वार्ता का उपयोग करके दर्जनों देशों पर दबाव बनाने की योजना बना रहा है ताकि वे चीन के साथ व्यापार पर नए अवरोध लगा सकें।

हांगकांग मुद्दे पर अमेरिका से तनातनी:चीन लगाएगा अमेरिकी अधिकारियों और नेताओं पर प्रतिबंध

हांगकांग। चीन ने सोमवार को ऐलान किया कि वह उन अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के प्रमुखों पर प्रतिबंध लगाएगा जिन्होंने हांगकांग से जुड़े मामलों में खराब भूमिका निभाई है। यह फैसला अमेरिका द्वारा मार्च में छह चीनी और हांगकांग अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने के जवाब में लिया गया है। अमेरिका ने इन अधिकारियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमन और हांगकांग की स्वायत्तता को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। इनमें न्याय मंत्री पॉल लैम, सुरक्षा निदेशक डोंग जिंगवेई और पूर्व पुलिस आयुक्त रेमंड सिउ शामिल हैं। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने इन अमेरिकी कदमों को ँघृणितै बताते हुए कहा कि यह हांगकांग के मामलों में गंभीर हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि हांगकांग, चीन का आंतरिक मामला है और किसी भी बाहरी दखल का चीन सख्ती से जवाब देगा। गुओ ने बताया कि यह कार्रवाई चीन के विदेश रोधी प्रतिबंध कानून के तहत की जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन अमेरिकी व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।यह ताज़ा विवाद ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव जारी है। साथ ही, चीन ने अन्य देशों को भी चेतावनी दी है कि वे अमेरिका से ऐसे व्यापारिक समझौते न करें जो चीन के हितों के खिलाफ हों।

कनाडा में हिंदू मंदिर को विरूपित किया गया

» टोरंटो, भाषा।

कनाडा के सरे स्थित एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने विरूपित कर दिया और इसके प्रवेश द्वार तथा स्तंभों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख दिए। मंदिर प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि यह घटना 19 अप्रैल को सरे स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुई। बयान में कहा गया, हम गहरे दुख के साथ समुदाय को 19 अप्रैल, 2025 को तड़के लगभग तीन बजे हुई एक परेशान करने वाली घटना की जानकारी दे रहे हैं। दो अज्ञात व्यक्तियों ने सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को विरूपित किया और प्रवेश द्वार तथा मंदिर के स्तंभों पर खालिस्तान शब्द लिख दिया।

इसके अलावा, इस कृत्य के दौरान सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया गया। बयान में कहा गया, हम घृणा और चोरी के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, जो न केवल एक अपराध है, बल्कि एक पवित्र स्थान पर सीधा हमला है। इसमें कहा गया कि सरे पुलिस के समक्ष आधिकारिक तौर पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। बयान में कहा गया, हम नेताओं से आग्रह करते हैं कि वे इस घृणा अपराध की निंदा करने में हमारा साथ दें।

रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े : राजदूत सिंह

इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करने का आग्रह किया

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को विशेष रूप से भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना पर जोर देते हुए भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करके द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने का आग्रह किया। हर्जोग ने इस परियोजना को दुनिया का भविष्य बताया। हर्जोग ने इजराइल में भारत के नवनियुक्त राजदूत जे. पी. सिंह से कहा, हम भारत राष्ट्र और उसके नेतृत्व का बहुत सम्मान करते हैं। इजराइल के लोग आपके देश से प्यार करते हैं।

मैं आपके देश का दौरा करने और इजराइल में आपके राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की मेजबानी करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं। भारतीय राजदूत सिंह ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर एक समारोह में अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत के नए दूत का स्वागत करते हुए कहा, मैं आपके कार्यकाल में आपको अत्यधिक सफलता मिलने की कामना करता हूं। उन्होंने भारत और इजराइल से भू-रणनीतिक मुद्दों, रणनीतिक मुद्दों, बंधकों की घर वापस लाने, ईरान को (परमाणु हथियार प्राप्त करने से) रोकने, शांति और समावेश, कनेक्टिविटी की दिशा में आगे बढ़ने और निश्चित रूप से दोनों देशों के लोगों के बीच अविश्वसनीय संबंधों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर बात करते हुए हर्जोग ने आईएमईसी को दुनिया का भविष्य बताया, जिसमें दुनिया की पूरी भू-रणनीतिक स्थिति को बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपकी सबसे बड़ी भूमिका आईएमईसी होगी। आईएमईसी दुनिया का भविष्य है, न कि केवल क्षेत्र का। इजराइल और भारत के बीच संपर्क यूरोप, अमेरिका, सुदूर पूर्व और ऑस्ट्रेलिया में भू-रणनीतिक स्थिति को बदल देगा। यह आप पर निर्भर है और मैं आपकी मदद करने के लिए यहां हूं। आईएमईसी परियोजना की घोषणा 2023 में नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत से यूरोप तक बुनियादी ढांचे को जोड़ने, पश्चिम एशिया से एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली परियोजना के रूप में की गई थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे इतिहास की सबसे बड़ी सहयोग परियोजना करार दिया था, जो पश्चिम एशिया, इजराइल का चेहरा बदलने वाली और पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली होगी। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे सीधे अमेरिका से जोड़ते हुए कहा था कि वह परियोजना के दायरे को बढ़ाने के लिए भारतीय नेता से सहमत हैं। सिंह ने भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। सिंह ने कहा, हमने एक-दूसरे की मदद की है और हमें इस रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम कई क्षेत्रों में जैसे कृषि, जल प्रबंधन, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र के साथ-साथ रक्षा सहयोग में एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। आईएमईसी एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है।

अमेरिका के बड़े हवाई अड्डों के पास विमानों के लिए ड्रोन का खतरा बढ़ रहा : रिपोर्ट

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के प्रमुख हवाई अड्डों के पास उड़ान भरते या उतरते वाणिज्यिक विमानों के लिए ड्रोन एक गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। पिछले साल ड्रोन से जुड़े लगभग दो-तिहाई करीबी टक्कर के मामलों की पुष्टि हुई, जो वर्ष 2020 के बाद सबसे अधिक हैं। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा किए गए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नवंबर में एक यात्री विमान से मात्र 300 फुट की दूरी पर एक ड्रोन दिखाई दिया। अक्टूबर में मियामी और अगस्त में नेवार्क हवाई अड्डे के पास भी इसी तरह की घटनाएं हुईं, जिन्हें निकट हवाई टक्कर श्रेणी में रखा गया। पिछले एक दशक में करीबी टक्कर के 240 दर्ज मामलों में से 122 मामले ड्रोन से संबंधित थे। विशेषज्ञों ने बताया है कि विशेषकर हवाई अड्डों के पास इस तरह की घटनाएं विनाशकारी हो सकती हैं।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने ऐसे खतरों को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 250 ग्राम से अधिक वजन वाले ड्रोन के लिए पंजीकरण और रेडियो ट्रांसपोंडर अनिवार्य किया गया है। साथ ही, हवाई अड्डों के पास ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है, हालांकि इसका पालन कराना चुनौतीपूर्ण है। एफएए हवाई अड्डों के पास ड्रोन को पहचानने और निष्क्रिय करने के लिए जैमिंग, माइक्रोवेव और लेजर तकनीकों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों ने ट्रांसपोंडर को ट्रैक कर जुर्माना भेजने और जियोफेंसिंग जैसे तकनीकी उपायों को अनिवार्य करने की सिफारिश की है। हालांकि, प्रमुख ड्रोन निर्माता दाजियांग इनोवेशन (डीजेआई) ने जनवरी में अपनी जियोफेंसिंग सुविधा हटा दी। एफएए ने अभी तक इसे अनिवार्य करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। ड्रोन से जुड़ी घटनाओं में हाल ही में दो लोगों को बोस्टन में गिरफ्तार किया गया और कैलिफोर्निया में एक ड्रोन के विमान से टकराने पर ऑपरेटर को दोषी ठहराया गया।